@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

गुरूवार, 21 अगस्त 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 281 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महाराष्ट्र में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, 5 दिनों में 21 मौतें

बीएमसी सतर्क, सहायता के लिए जारी हेल्पलाइन नंबर

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई । महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश का कहर लगातार जारी है। इस बीच राज्यभर में अलग-अलग जिलों से दुर्घटनाओं और हादसों की खबरें आ रही हैं। 15 अगस्त से लेकर 19 अगस्त तक के 5 दिनों में राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 21 लोगों की मौत हुई है, जबकि 10 लोग घायल हुए। इसके अलावा 11 पशुओं की भी मौत हुई है। जिलावार जानकारी के अनुसार, नांदेड में 7 लोगों की मौत हुई है। मुंबई उपनगर और यवतमाल में दो-दो लोगों की जान गई। इसके अलावा नागपुर, वाशिम, बुलढाणा, अमरावती, भंडारा, अकोला, बीड, मुंबई सिटी, रायगढ़ और सिंधुदुर्ग में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।लगभग 5 दिन से पूरे महाराष्ट्र में बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित किया है। भारी जलभराव, यातायात अवरोध और लोगों के घरों में पानी घुसने की घटनाओं से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच मुंबई मोनोरेल सेवा भी बाधित हुई थी, जो अब दोबारा बहाल कर दी गई है। ठाणे जिले के भिवंडी शहर में बीते दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने हालात बिगाड़े हैं। 18 अगस्त को 147 मिमी और

● लोकल ट्रेनें कैंसिल, मोनोरेल से यात्रियों का रेस्क्यू

19 अगस्त को दोपहर 3 बजे तक 126 मिमी बारिश दर्ज की गई। सबसे बुरी स्थिति खडिपार इलाके में देखने को मिली, जहां घरों के अंदर तक पानी घुस गया। इसके अलावा, मीरा-भायंदर वसई-विरार में भी बारिश ने हाल बेहाल किया है। पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत आने वाले तुलिंज पुलिस स्टेशन में भारी बारिश के कारण पानी दफ्तर तक पहुंच गया। नालासोपारा के अन्य इलाकों में भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। पालघर जिले में लगातार बारिश के कारण नदियों और बांधों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। सूर्या परियोजना के धामणी और कवडास बांधों से सूर्या नदी में 17,000 क्यूसेक पानी का विसर्जन शुरू हो गया है। साथ ही, मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले मध्य वैतरणा, तानसा और मोडकसागर बांधों से भी पानी छोड़ा जा रहा है। प्रशासन ने नदी किनारे के गांवों को सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया है। एहतियात के तौर पर जिले के सभी स्कूल और कॉलेजों को छुट्टी दे दी गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने राज्य में हो रही भारी बारिश को लेकर जनता से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि सरकार लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है और पुलिस अलर्ट पर है। उन्होंने यह भी बताया कि चेंबूर में मोनोरेल रेस्क्यू के तहत लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। उपमुख्यमंत्री ने जनता से अफवाहों पर ध्यान न देने की भी अपील की।

संगम विहार में माफिया ने लूटी सरकारी ज़मीन–प्रधानमंत्री हस्तक्षेप करें

कौमी पत्रिका
गुरचरन सिंह बब्बर

नई दिल्ली, 20 अगस्त। दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक चौंकाने वाला जंगल, ज़मीन और पत्थर माफिया घोटाला उजागर हुआ है, जहाँ गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा (रजिस्टर्ड) की दीवार से सटी हुई सरकारी जंगल की पहाड़ी पर बनी सैकड़ों एकड़ जमीन को खुलेआम लूटा जा रहा है। माफिया ने, खूंखार अपराधी प्रॉपर्टी डीलरों के साथ मिलकर, बड़ी–बड़ी मशीनों से पहाड़ी को काटा, पत्थर निकाले और उन्हें सैकड़ों ट्रकों में भरकर ले जाया गया। इसी दौरान हज़ारों पेड़ और जंगली झाड़ियाँ काटकर टनों के हिसाब से लकड़ी भी अवैध रूप से ले जाई गई। इसके बाद मशीनों से जमीन को समतल कर, इस सरकारी जंगल की जमीन को किस्तों पर प्रवासी लोगों को बेच दिया गया और अब भी किस्तों की वसूली की जा रही है। इस घोटाले को और गंभीर बनाता है कि यह जमीन सरकार के राजस्व विभाग और पटवारखाने के रिकॉर्ड में दर्ज है। इसके बावजूद यह अवैध बिक्री जारी है। यह साफ दर्शाता है कि कई वरिष्ठ अधिकारी इस घोटाले में शामिल हैं, जिनमें प्रमुख विभाग हैं- दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA), वन विभाग, नगर निगम दिल्ली (MCD), राजस्व विभाग, फ्लड कंट्रोल विभाग, दिल्ली पुलिस। इन सभी विभागों को लिखित शिकायतें भेजी गई हैं, लेकिन किसी ने कार्रवाई नहीं की। इसके विपरीत, अधिकारियों ने रिश्वत लेकर सरकारी दीवार जंगल के अंदर तक बना दी, जिससे जंगल की जमीन सीधा माफिया को सौंप दी गई।

देश और दिल्ली के नागरिकों के सामने आज ये सवाल खड़े हैं-

1. जब जंगल काटा जा रहा था तब प्रशासन कहाँ था?
2. जब पहाड़ी का पत्थर निकाला जा रहा था तब डीडीए कहाँ थी?
3. जब सैकड़ों ट्रक पत्थर ले जा रहे थे तब दिल्ली पुलिस और पीसीआर वैन कहाँ थीं?
4. जब हज़ारों पेड़ काटे जा रहे थे तब वन विभाग और राजस्व विभाग कहाँ था?
5. जब ज़मीन समतल करके कॉलोनी बनाई जा रही थी तब नगर निगम और खुफ़िया तंत्र कहाँ था?
6. ये साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि राष्ट्र की संपत्ति की सुनियोजित लूट है, जिसमें प्रशासन और माफिया दोनों शामिल हैं।

इस मामले की लिखित जानकारी पहले ही भेजी जा चुकी है- भारत के गृह मंत्री, भारत के गृह सचिव, दिल्ली के उपराज्यपाल, दिल्ली के मुख्य सचिव, डीडीए के वाइस चेयरमैन, दिल्ली के नगर आयुक्त, दिल्ली पुलिस आयुक्त, संबंधित तहसीलदार। फिर भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। माफिया खुलेआम लोगों को बोगस कागज़ात देकर जंगल की जमीन बेच रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, देश को आज भी आपका ऐतिहासिक वादा याद है- ना खाऊँगा, ना खाने दूँगा। लेकिन संगम विहार में हालात बिल्कुल उलट हैं- जंगल काट दिया गया। पहाड़ खोद डाले गए। सरकारी ज़मीन लूट ली गई। माफिया फल–फूल रहा है।प्रशासन शामिल है। प्रधानमंत्री जी, यह सिर्फ स्थानीय समस्या नहीं है बल्कि राष्ट्र का प्रश्न है। यह सरकारी ज़मीन और जंगल देश की आने वाली पीढ़ियों की अमानत है, न कि माफिया और भ्रष्ट अधिकारियों की तिजोरी। संगम विहार का यह जंगल और जमीन घोटाला एक राष्ट्रीय कलंक है।

शेष पृष्ठ 3 पर

सीएम भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। सीएम भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राजस्थान में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर प्रस्तावों तथा ऊर्जा क्षेत्र में नवीन संभावनाओं पर विचार-विमर्श के साथ ही मेट्रो परियोजना सहित शहरी विकास के विभिन्न कार्यों की प्रगति को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हमले को बताया कायराना, बोलीं -

जनसेवा के संकल्प को कभी नहीं तोड़ नहीं सकते

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज अपने ऊपर हुए हमले को दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई पर कायराना प्रयास बताया है। उन्होंने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज सुबह जनसुनवाई के दौरान मेरे ऊपर हुआ हमला केवल मेरे ऊपर नहीं, बल्कि दिल्ली की सेवा और जनता की भलाई के हमारे संकल्प पर किया गया एक कायराना प्रयास है मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हमले के बाद मैं सदमे में रही, परंतु अब बेहतर महसूस कर रही हूं। मैं अपने सभी शुभचिंतकों से निवेदन करती हूं कि कृपया मुझसे मिलने के लिए परेशान न हों। मैं बहुत जल्द ही आपके बीच काम करती हुई दिखाई दूंगी उन्होंने कहा कि ऐसे हमले मेरे हौसले और जनता की सेवा के संकल्प को कभी तोड़ नहीं सकते। अब मैं पहले से कहीं अधिक ऊर्जा और समर्पण के साथ

आपके बीच रहूंगी। जनसुनवाई और जनता की समस्याओं का समाधान पहले की तरह ही गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ जारी रहेगा। आपका विश्वास और समर्थन ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

देश में स्मार्ट शहरों से ज्यादा जरूरी स्मार्ट गांव: नितिन गडकरी

'मैंने बिजनेस के लिए ऐसे मॉडल विकसित करने की कोशिश की है जो आत्मनिर्भर हों, क्योंकि सरकारी सहायता पर आधारित बिजनेस मॉडल में कई समस्याएं आती हैं।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में स्मार्ट शहर से ज्यादा स्मार्ट गांवों को बनाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि देश में गांवों में मूलभूत सुविधाओं की कमी की वजह से 30 फीसदी आबादी शहरों में पलायन कर गई है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने यहां टाटा समूह के ऊर्जा एवं संसाधन संस्थान (टीईआरआई) द्वारा आयोजित '24वें दरबारी सेठ स्मृति व्याख्यान' में कहा कि देश के विकास में इंफ्रास्ट्रक्चर की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बीते वर्षों में तेज गति से काम हुआ है। उन्होंने कहा कि आज भारत की

अर्थव्यवस्था में कृषि की हिस्सेदारी महज 12 से 14 प्रतिशत रह गई है, जबकि विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 22 से 24 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 52 से 54 प्रतिशत है। गडकरी ने कहा कि महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत गांवों में बसता है। इसलिए आज आवश्यकता है कि केवल स्मार्ट शहर ही नहीं, बल्कि स्मार्ट गांव भी बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि गांवों से शहरों की ओर हो रहे बड़े पैमाने पर पलायन का मुख्य कारण गांवों में मूलभूत सुविधाओं और रोजगार की कमी है। आजादी के बाद इस दिशा में जितना ध्यान दिया जाना चाहिए था, उतना नहीं दिया गया। यदि जल, जंगल और जमीन आधारित तकनीकों का उपयोग कर कृषि को सशक्त बनाया जाए, तो देश में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और समग्र विकास संभव होगा।

मोदी ने पटनायक के स्वास्थ्य की ली जानकारी, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से बात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्री पटनायक का भुवनेश्वर के एसयूएम अल्टीमेट मेडिकेयर अस्पताल में उपचार चल रहा है। बीजू जनता दल (बीजद) के सूत्रों ने बताया कि श्री मोदी ने आज श्री पटनायक से बात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने श्री पटनायक को कुछ समय आराम करने और उनसे मिलने के लिए जल्द ही दिल्ली आने का सुझाव भी दिया। गौरतलब है कि बीजद अध्यक्ष को तबीयत बिगड़ने के बाद गत रविवार शाम को भुवनेश्वर के एसयूएम अल्टीमेट मेडिकेयर अस्पताल में दाखिल कराया गया। अभी उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

अग्नि-5 का ओडिशा में सफल परीक्षण

● भारत की पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, रेंज 5000 किमी.

▶▶ चीन-पाकिस्तान तक मार करने की क्षमता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने अपनी पहली इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण कर लिया है। ओडिशा के चांदीपुर में इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज में बुधवार को इसकी टेस्टिंग हुई। यह मल्टिपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल (MIRV) टेक्नोलॉजी से लैस है। यानी इसे एक साथ कई टारगेट्स पर लॉन्च किया जा सकता है। इसका पहला परीक्षण अप्रैल 2012 में हुआ

था। अग्नि-5 की रेंज 5000 किमी है। ऐसे में यह मिसाइल पाकिस्तान, चीन, तुर्किये जैसे कई देशों तक मार करने की क्षमता रखती है।

दिवंगत प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की रहस्यमयी मृत्यु: सुनील शास्त्री

कौमी पत्रिका
सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 20 अगस्त। दिवंगत प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के सुपुत्र श्री सुनील शास्त्री जी ने कहा है कि मेरे पिताजी कि मृत्यु रहस्यमयी है उन्हें हार्ट अटैक हो ही नहीं सकता ब्लकि उन्हें 'एलिमिनेट' किया गया है। वह दिल्ली में ''सुभाश चन्द्र बोस फॉर्मोसा प्लेन क्रेष 1945 इन्वेस्टीगेषन'' के लोकार्पण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरे और परिवार में उन्होंने सबसे बात करी थी और कहा था कि मैं भारत की धरती पर उतरते ही कुछ ऐसी बाते कहूँगा जो कि सारा माहौल बदल देगी। उन्होंने बताया कि तात्कालिन रूसी प्रधानमन्त्री श्री कोसिगिन को उन्होंने बाध्य किया था कि वह नेताजी को लेकर

आये जभी वह हस्ताक्षर करेंगे। यही कारण है कि फोटो उस समय छपे। उन्होंने पुस्तक के लेखक दीपक कुमार से आग्रह किया कि वह इस बारे में खोज करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफि्टनेंट जनरल श्री विशु कान्त चतुर्वेदी ने की थी। उन्होंने कहा कि पुस्तक प्रामाणिकता के साथ लिखी गई है। उन्होंने लेखक के साहस का जिक्र किया और कहा जब मैं रूस गया था तो वहॉ एक भय का वातावरण था जबकि के0जी0बी0 भंग हो चुकी थी। उन्होंने किताब में घटनाओं के कालक्रम की प्रषंसा करी और कहा यह किताब जांच एजेन्सियों के लिये बहुत महत्वपूर्ण है।

शेष पृष्ठ 3 पर

भारत और वियतनाम तटरक्षक बल संयुक्त गतिविधियां जारी रखने पर सहमत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और वियतनाम तटरक्षक बल (वीसीजी) के बीच बुधवार को हुई छठी उच्च स्तरीय बैठक में हाल ही में हुई पोत यात्राओं और पेशेवर आदान-प्रदान की समीक्षा की गयी। दोनों देशों ने अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने के लिए संयुक्त गतिविधियों को जारी रखने पर सहमति जताई। आईसीजी के कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि यह बैठक हनोई (वियतनाम) में दोनों एजेंसियों के बीच 2015 में हस्ताक्षरित तटरक्षक सहयोग पर समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के तहत हुई। बैठक की सह अध्यक्षता भारतीय तटरक्षक बल के अतिरिक्त महानिदेशक आनंद प्रकाश बडोला और वियतनाम तटरक्षक बल के उप कमांडेंट मेजर जनरल वु ट्रंग किएन ने की।

विचार-विमर्श में समुद्री खोज और बचाव, समुद्री कानून प्रवर्तन, समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया और क्षमता निर्माण में सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में दोनों पक्षों ने हाल ही में हुई पोत यात्राओं और पेशेवर आदान-प्रदान की समीक्षा की और अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने के लिए संयुक्त गतिविधियों को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा तस्करी, अवैध व्यापार और अवैध मछली पकड़ने सहित अंतरराष्ट्रीय समुद्री अपराधों से निपटने में सहयोग पर विशेष जोर दिया गया। दोनों तटरक्षकों ने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए समन्वित एसएआर संचालन और संयुक्त प्रदूषण प्रतिक्रिया पहलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

चीन का दावा खारिज करते हुए बोला भारत, ताइवान पर नहीं बदला रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में हुई भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की व्यापक द्विपक्षीय बैठक के बाद चीन के विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति में किए गए भारत के 'वन चाइना सिद्धांत (ताइवान को चीन का हिस्सा मानना)' को समर्थन देने के दावे को भारत ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर खारिज कर दिया है। जिसमें कहा गया है कि ताइवान को लेकर नई दिल्ली के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को चीन की तरफ से उठाया गया था। जिस पर भारत ने अपना पक्ष रखते हुए साफ तौर पर कहा कि ताइवान के मामले पर भारत के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। बाकी दुनिया की तरह ही भारत-ताइवान के संबंध भी आर्थिक, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर आधारित हैं। जिन्हें वह आगे भी जारी रखने का इच्छुक है। बैठक में भारत ने पाया कि चीन भी इन क्षेत्रों में ताइवान को सहयोग प्रदान कर रहा है। चीन के विदेश मंत्री बीते 18 अगस्त से भारत की दो दिवसीय यात्रा पर थे। वर्ष 2020 के मध्य में भारत-चीन के बीच हुए एलएसी विवाद की समाप्ति के बाद उनकी यह पहली भारत यात्रा है। जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के अलावा एनएसए अजीत डोभाल से भी मुलाकात की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी चीन के विदेश मंत्री ने शिष्टाचार भेंट की। बताते चलें कि चीन के उक्त दावे के बाद अंतरराष्ट्रीय हलकों में मामले पर कयासबाजी काफी तेज हो गई थी। जिसके पीछे की एक बड़ी वजह ताइवान जलडमरूमध्य को लेकर बनी हुई संवेदनशीलता भी है। वहीं, इन सबके बीच सूत्रों ने कहा कि भारत ने अतीत में हालांकि वन चीन नीति का समर्थन किया था। लेकिन यह किसी द्विपक्षीय दस्तावेज में शामिल नहीं है। भारत और ताइवान के बीच औपचारिक रूप से कोई राजनयिक संबंध भी नहीं हैं। लेकिन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध तेजी से परवान चढ़ रहे हैं। वर्ष 1995 में नई दिल्ली ने इंडिया-ताइपे एसोसिएशन (आईटीए) की ताइपे में स्थापना की गई थी। जिसका उद्देश्य दोनों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक मेल मिलाप यानी आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था। आईटीए को सभी वाणिज्यिक और पासपोर्ट सेवाएं प्रदान करने का भी अधिकार दिया गया है। समान वर्ष के दौरान ही ताइवान ने भी नई दिल्ली में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र की स्थापना की थी। 2010 के बाद से भारत ने संयुक्त बयानों में भी वन चाइना शब्द का उल्लेख करने से परहेज किया है।

धोखेबाज पाकिस्तान से संबंध सुधारने का कोई मतलब नहीं- शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद शशि थरूर ने कहा है कि पाकिस्तान धोखेबाज हैं और भारत को उससे संबंध सुधारने के प्रयास नहीं किए जाना चाहिए। एक पुस्तक विमोचन समारोह में थरूर ने कहा कि बार-बार विश्वासघात झेलने के बाद पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य करने की दिशा में पहला कदम उठाने की भारत में अब इच्छा नहीं है। थरूर ने पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करके ईमानदारी दिखाने का आग्रह किया। थरूर ने कहा कि 2012 में आई उनकी किताब में कहा गया था कि अगर मुंबई जैसा एक और हमला हुआ, जिसमें पाकिस्तान के शामिल होने के सबूत मिले, तो 2008 में हमारी तरफ से दिखाया गया संयम दोबारा दिखाना असंभव हो सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों और छुट्टी मनाने गए मासूमों पर हुए हमले को कोई भी लोकतांत्रिक सरकार नहीं सहेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने हमलों के बाद काफी संयम दिखाया, लेकिन बाद में हुई उकसावे की कार्रवाई के बाद भारत के पास कोई रास्ता नहीं बचा और 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक्स की गईं और फिर ऑपरेशन सिंदूर हुआ। उन्होंने कहा कि एक बार ऐसा ऐक्शन लिया गया, तो भारत भी कार्रवाई करेगा, लेकिन अब पहला कदम हम नहीं उठाएंगे। कांग्रेस सांसद ने 2008 मुंबई हमलों को लेकर कहा कि भारत ने पाकिस्तानी संलिप्तता के सबूत दिए थे, जिनमें लाइव इंटरसेप्ट्स और डोजियर शामिल थे। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी किसी मास्टरमाइंड के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

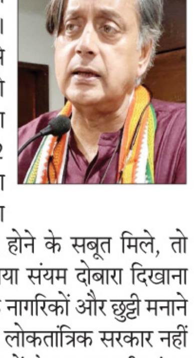

जनाक्रोश से सामने झुकी सैनी सरकार.... शिक्षिका मनीषा की मौत की जांच सीबीआई को सौंपी

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा की नायाब सैनी सरकार ने 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा की मौत के मामले की जांच अब केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी है। यह फैसला व्यापक जनाक्रोश और पीड़ित परिवार की मांग के बाद लिया गया है। दरअसल 19 वर्षीय शिक्षिका मनीषा 11 अगस्त को लापता हुई थीं। उनका शव 13 अगस्त को भिवानी के एक खेत में मिला। पुलिस ने शुरुआत में दावा किया कि मनीषा ने जहर खाकर आत्महत्या की है। पुलिस को शव के पास एक सुसाइड नोट भी मिला था। मनीषा के पिता संजय ने पुलिस के निष्कर्ष को खारिज कर कहा कि उनकी बेटी आत्महत्या नहीं कर सकती। उन्होंने न्याय की मांग कर शव का अंतिम संस्कार करने से भी मना किया था। इस मामले को लेकर भिवानी और आसपास के इलाकों में भारी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को जाम कर दिया और सीबीआई जांच की मांग की। विपक्षी दलों ने भी मामले में हरियाणा सरकार की आलोचना कर कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पोस्ट में बताया कि परिवार की मांग के आधार पर यह मामला अब सीबीआई को सौंपा जा रहा है ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित हो सके। इससे पहले, मंगलवार को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भिवानी और चरखी दादरी जिलों में 48 घंटों के लिए मोबाइल इंटरनेट और बल्क एसएमएस सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था।

सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभी दवा की दुकानों में सीसीटीवी कैमरे को अनिवार्य किया गया है। दिल्ली के दक्षिणी जिला मजिस्ट्रेट ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया है। राष्ट्रीय राजधानी की सभी फार्मेसी और मेडिकल शॉप में सीसीटीवी कैमरे को अनिवार्य किया गया है। न्यायालय द्वारा बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा दिए जाने पर तथा दवाओं की अवैध बिक्री पर नियंत्रण लगाने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी फुटेज को जिला ड्रग कंट्रोल अथॉरिटी, उप मंडल मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों द्वारा किसी भी समय निरीक्षण किया जा सकता है।आदेश का सख्ती से पालन हो, इसके लिए आदेश जारी किए गए हैं।

किसी महिला की तस्वीरें लेना...पीछा करने के अपराध की परिभाषा में नहीं आता

-हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने मामले में अग्रिम जमानत दी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी महिला की तस्वीरें लेना पीछा करने के अपराध की परिभाषा में नहीं आता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश राकेश कैंथला ने मामले में अग्रिम जमानत देकर कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 78 के तहत उस शख्स को दंडित कर सकते है, जो किसी महिला का पीछा करता है। परिभाषा के तहत दोष सिद्धि के लिए पीड़िता द्वारा स्पष्ट रूप से अरुचि के संकेत के बावजूद बार-बार व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने के लिए होना चाहिए। यदि किसी महिला द्वारा इंटरनेट, ईमेल या अन्य प्रकार के इलेक्ट्रानिक संचार के उपयोग की निगरानी का आरोप लगाया गया हो, तब भी यह दंडनीय अपराध है, लेकिन किसी की तस्वीरें लेना प्रथम दृष्टया में पीछा करने के अपराध की परिभाषा को पूरा नहीं करता है। हाई कोर्ट ने कहा कि शिकायत में आरोप यह नहीं दिखाते हैं कि आरोपित ने शिकायतकर्ता की पत्नी का पीछा किया था और व्यक्तिगत संपर्क बढ़ाने के लिए महिला से संपर्क किया था। एकमात्र आरोप यह है कि याचिकाकर्ता ने शिकायतकर्ता की पत्नी की तस्वीरें ली थीं। प्रथम दृष्टया में ये आरोप पीछा करने की परिभाषा को पूरा नहीं करते हैं। कोर्ट ने जमानत याचिका को स्वीकार कर कहा कि स्टेटस रिपोर्ट भी यह नहीं दिखाती है कि प्रार्थी से हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। इसलिए प्रार्थी को हिरासत में रखने से कोई सार्थक उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

कुत्ते पिटबुल के हमले में 55 वर्षीय करुणाकरण की मौत... कुत्ते ने उनके गुप्तांग को काट लिया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में विदेशी नस्ले के कुत्ते पिटबुल के हमले में 55 वर्षीय करुणाकरण की मृत्यु हुई है। यह घटना जाफरखानपेट इलाके की है, यहां एक पिटबुल कुत्ते ने करुणाकरण पर हमला किया। कुत्ते ने उनके गुप्तांग को काट लिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के वक्त कुत्ता बिना पट्टे के था और उसकी मालकिन, जिसका नाम पूंगोडी है, कुत्ते को टहला रही थी। जब मालकिन ने करुणाकरण को बचाने की कोशिश की, तब कुत्ते ने उन्हें भी काट लिया, जिससे वह घायल हो गईं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद लापरवाही के आरोप में महिला को गिरफ्तार किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने कुत्ते को पकड़ लिया है। उन्होंने पहले भी महिला को कुत्ते को बिना पट्टे के टहलाने से मना किया था, लेकिन उन्होंने हमारी बात नहीं सुनी। इस घटना के बाद चेन्नई नगर निगम ने सख्त रुख अपनाकर खतरनाक कुत्तों का मुंह बांधकर रखने का आदेश दिया है। इस मामले ने कुत्तों के हमलों की बढ़ती घटनाओं को एक बार फिर से उजागर किया है, खासकर तब जब सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया है।

हरियाणा में साइबर अपराध के खिलाफ 91 बैंक शाखाओं पर एक्शन की तैयारी में

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर प्रदेश की 91 बैंक शाखाओं की पहचान हुई है, यहां साइबर अपराधी कथित म्यूल अकाउंट के द्वारा भारी लेन-देन कर रहे हैं। इसमें गुरुग्राम की 26 और नूंह की 24 शाखाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। दरअसल म्यूल अकाउंट ऐसा बैंक खाता होता है जिसका इस्तेमाल अपराधी अवैध धन को सफेद करने के लिए करते हैं। पुलिस के अनुसार, इन शाखाओं में बैंक केवाईसी नियमों की अनदेखी, खाते खोलने में प्रक्रियागत लापरवाही और बैंककर्मियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

सीएसडीएस के खिलाफ एक्शन की तैयारी... कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के गलत आंकड़े पेश करने के मामले में अब सीएसडीएस यानी सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज पर एक्शन की तैयारी हैं। खबर है कि संस्था को इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। दरअसल सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार की ओर से बीते साल पेश किए गए आंकड़ों के बाद कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट फ्रॉड करने के आरोप लगाए थे। प्रोफेसर कुमार ने पहले कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच नासिक पश्चिम में मतदाताओं की संख्या में 47 प्रतिशत और हिंगना विधानसभा में 43 फीसदी का इजाफा हुआ था। उन्होंने दावा किया था कि रामटेक और देवलाली क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या क्रमशः 38 और 36 प्रतिशत गिर गई थी। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पोस्ट हटा लिया।

प्रोफेसर कुमार ने लिखा, महाराष्ट्र चुनाव के संबंध में किए गए पोस्ट को लेकर मैं माफी मांगता हूं। आंकड़े की तुलना करने में गलती हो गई थी। हमारी डेटा टीम की ओर से डेटा को ठीक से नहीं पढ़ा गया था। सोशल मीडिया पर से ट्वीट हटा लिया गया है। मेरा किसी भी प्रकार से गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था। आईसीएसएसआर के नोटिस में आया है कि आईसीएसएसआर फंडेड सीएसडीएस में जिम्मेदार पद पर बैठे एक व्यक्ति ने मीडिया में बयान दिए थे, जिन्हें महाराष्ट्र चुनाव के डेटा विश्लेषण का हवाला देकर वापस ले लिया गया था। इसके आगे संस्था ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे एसआईआर को लेकर पक्षपातपूर्ण मीडिया स्टोरीज प्रकाशित की। नोटिस में आगे कहा गया, आईसीएसएसआर भारती संविधान का सम्मान करता है। चुनाव आयोग उच्च संवैधानिक निकाय है, जो दशकों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव करा रहा है।

आईसीएसएसआर ने लिखा, आईसीएसएसआर ने सीएसडीएस की ओर से डेटा में की गई हेराफेरी और निर्वाचन आयोग की गरिमा को कम करने के इरादे से भ्रामक कहानी गढ़ने के प्रयास का संज्ञान गंभीरता से लिया है। यह आईसीएसएसआर के नियमों के खिलाफ है और संस्था को कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा।

समस्याओं के निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा: शिवराज सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन, नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न पोर्टल और कॉल सेंटर पर आने वाली किसानों की शिकायतों की समीक्षा की।

इस बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि योजनाओं का निर्माण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उनका उचित कार्यान्वयन भी है। उन्होंने कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, उनका उचित निराकरण समय पर करने की व्यवस्था होनी चाहिए। व्यवस्था इतनी मजबूत होनी चाहिए कि जब किसान भाई-बहन इन पोर्टल्स के माध्यम से हमसे संपर्क करें, तब उन्हें भरोसा हो कि उनकी समस्याओं का निराकरण जरूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था यदि सही ढंग से नहीं चलती हो और खानापूर्ति मात्र रहे तो उसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो पाती, इसलिए व्यवस्था को और सरल तथा मजबूत करना होगा, ताकि हमारे किसान भाइयों-बहनों को इसका समुचित लाभ मिल सकें और उनका हर तरह से समाधान हो सकें। बैठक में किसानों की शिकायतों के सही निदान के तरीके और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने अधिकारियों से पी.एम. किसान पोर्टल, किसान ई-मित्र, किसान कॉल सेंटर सहित विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए मिल रही किसानों की समस्याओं की पूरी जानकारी ली और कहा कि अगले हफ्ते वे फिर से विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री इन शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। साथ ही, समय-समय पर किसानों से भी बात करके जानेंगे कि उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है या नहीं, ताकि वे पूरी तरह से संतुष्ट हो। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिसके बेहद सकारात्मक परिणाम मिले थे। समस्याओं के तत्काल और उचित निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की संतुष्टि ही हमारा मुख्य ध्येय है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने संदेश जारी करते हुए किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान भाइयों-बहनों से अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 18001801551 के जरिए रजिस्टर करवाने का आह्वान किया है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी भी शामिल हुए, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी देने के साथ ही अपने सुझाव भी दिए।

यह विधेयक कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट देता है : ओवैसी

नई दिल्ली। मोदी सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार के इस कदम को असंवैधानिक करार देकर भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है, यह विधेयक इस अधिकार के खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिलेगी। मुख्यमंत्री को विधानसभा में हटाया जाता है। एआईएमआईएम सांसद औवेसी ने कहा कि यह विधेयक पूर्णता असंवैधानिक है। प्रधानमंत्री को कौन गिरफ्तार करेगा?... कुल मिलाकर, भाजपा सरकार विधेयकों के द्वारा हमारे देश को पुलिस राज बनाना चाहती है...हम इनका विरोध करने वाले हैं, भाजपा भूल रही है कि सत्ता शाश्वत नहीं होती। इस बीच, शाह बुधवार लोकसभा में तीन विधेयक पेश किए। जिसमें संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 भी शामिल है, जो भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों से हिरासत में लिए गए केंद्रीय या राज्य मंत्री को हटाने का प्रावधान करता है।

राहुल गांधी और तेजस्वी पर गौरव वल्लभ का तंज... दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए

-दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2029 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री बनाने के ऐलान पर तंज कस दिया है। बीजेपी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी और तेजस्वी पर निशाना साधकर कहा कि दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे हैं। असल में दोनों के फ्यूज उड़े हुए हैं और बिना फ्यूज के मिसाइलें उड़ती नहीं हैं। बातें करने से कुछ भी हासिल नहीं होता है। भाजपा नेता ने दोनों नेताओं की योग्यता पर सवाल उठाकर वंशवाद को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

बता दें कि राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। उनकी यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव भी साथ हैं। यात्रा के दौरान नवादा में तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री बनाने की बात कही। उनके बयान पर अब भाजपा नेता ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, मैं दोनों को बताना चाहता हूं कि सिर्फ एक परिवार में पैदा होने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। मुख्य बात यह है कि इंदिरा-राजीव गांधी परिवार में पैदा होने के अलावा, आपकी योग्यताएं क्या हैं और राष्ट्र के प्रति आपका समर्पण क्या है? तेजस्वी की भी यही योग्यता है। दोनों एक-दूसरे का प्रचार करने में व्यस्त हैं।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्ष पर निशाना साधकर, वल्लभ ने संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखने के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में, अगर कोई उम्मीदवार नामित करता है, तब कोई समस्या नहीं है। हालांकि, मेरा मानना है कि कुछ संवैधानिक पद, जैसे अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति या राज्यसभा के सभापति, सर्वसम्मति से तय किए जाने चाहिए। लेकिन, विपक्ष इन पदों का भी राजनीतिकरण करना चाहता है।

मुंबई में तीसरे दिन भी जारी है भारी बारिश का दौर... स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में तेज बारिश का बुधवार को तीसरा दिन है। 24 घंटे में 300 एमएम बारिश हुई। लगातार तीसरे दिन मुंबई में स्कूल-कॉलेज और गवर्नमेंट और सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस बंद है। मुंबई लोकल की 34 ट्रेनें (17 जोड़ी) कैंसिल हैं। 250 से ज्यादा फ्लाइट्स पर भी असर पड़ा है।

मंगलवार शाम मुंबई में 2 मोनोरेल से करीब 800 लोगों को रेस्क्यू हुआ। मैसूर कॉलोनी रेलवे स्टेशन के पास शाम 6 बजे एक मोनोरेल एलिवेटेड ट्रैक पर अटक गई थी। इसमें मौजूद 582 यात्रियों को विंडो तोड़कर क्रेन की मदद से करीब 40-50 फीट की ऊंचाई से रेस्क्यू किया गया।

इस घटना पर एमएमआरडी ने बताया कि भीड़ बढ़ने की वजह से ऐसा हुआ था। रेल की मूल वजन क्षमता 104 टन है, जो मंगलवार को 109 टन हो गई थी। 5 टन ज्यादा वजन (यात्रियों का) हो गया था। वहीं, आचार्य अत्रे और वडाला मोनो रेल स्टेशन से भी 200 लोगों को निकाला गया था। मोनो रेल में सवार यात्री ने बताया कि बिजली और एसी बंद होने से डिब्बों में घुटन होने लगी थी। बाहर बारिश हो रही थी और अंधेरा बढ़ रहा था। सबसे डरावना पल तब था, जब ट्रेन खतरनाक ढंग से झुक गई थी, हम दुआ कर रहे थे कि जिंदा बाहर निकल जाएं।

मौसम विभाग ने महाराष्ट्र,गुजरात और गोवा में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इनके अलावा तेलंगाना, बिहार में ऑरेंज अलर्ट और राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड सहित 18 राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मुंबई सिटी के अलावा उपनगर ठाणे, चंद्रपुर, रायगढ़ और रत्नागिरी में रेड अलर्ट जारी किया गया है। अगले कुछ दिनों तक महाराष्ट्र में तेज बारिश होने की संभावना है।

कुल्लू में भारी बारिश से मची तबाही- 6 वाहन दबे, स्कूल-कॉलेज बंद, 356 सड़कों पर आवागमन ठप

शिमला/कुल्लू (एजेंसी)। पिछले कई दिनों से हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ से तबाही हो रही है। कुल्लू में सैकड़ों सड़के बंद है और शैक्षिक संस्थानों की भी छुट्टी करना पड़ी। करीब आधा दर्जन वाहन मलवे में दबे हुए हैं। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। कुल्लू शहर से दो किमी दूर शास्त्री नगर नाले में बीती रात को भारी बारिश के चलते करीब साढ़े 3 बजे अचानक फ्लैश फ्लड आ गया और तेज़ बारिश से आए इस सैलाब में नाले के किनारे खड़े 3 से 4 वाहन के अलावा दो बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ। वहीं, मनाली और बंजार उपमंडल में भारी बारिश के चलते स्कूल-कॉलेज को बंद करने के आदेश दिए गए हैं। उधर, ऊना जिले के अंब और गगरेट में भी शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया है और बुधवार को यहां पर छुट्टी रहेगी।

फ्लैश फ्लड का मलबा नाले के आसपास बने कुछ मकानों में भी घुस गया, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिलेभर में रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे हालात चिंताजनक बने हुए हैं। दरअसल, चिकनई नाले में आधी रात को ऊपर पहाड़ पर अधिक बारिश होने की वजह से फ्लैश फ्लड आया। उधर, लैंडस्लाइड के चलते चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे बंद हो गया है। मंडी कटौला और कुल्लू वैक्लपिक मार्ग भी बंद है और इस वजह से अब कुल्लू और मनाली का संपर्क प्रदेश से कट गया है।

उधर, सुबह सुबह नगर परिषद से जुड़े लोग भी मौके पर पहुंचे। एक शख्स ने बताया कि शास्त्री नगर में रात को फ्लैश फ्लड आया था। उन्होंने कहा कि यहां पर ऊपर पहाड़ पर चिकनई गांव है और वहां पर बादल फटा है और इसी वजह से रात को नाले में फ्लड आ गया था। उन्होंने कहा कि लोग मिट्टी और कूड़ा नाले मे डंप कर रहे हैं और इस वजह से नाला ब्लॉक हो गया और फिर सड़क से होते हुए मलबा और पानी बहने लगा, जिससे कई गाड़ियां मलबे में दंबी हैं। मंडी पुलिस ने बताया है कि जिले में लगातार भारी बारिश और कई स्थानों पर पत्थर गिरने की घटनाओं के चलते औट-पंडोह मार्ग पर यातायात पूरी तरह से रोक दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि हालात सामान्य होने के बाद ही यातायात को बहाल किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि वैकल्पिक मार्ग कटौला-कमांद भी सड़क की खराब स्थिति के कारण बंद है, जिससे यात्रियों को असुविधा हो रही है और ऐसे में मंडी पुलिस ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे धैर्य बनाए रखें, लेन अनुशासन का पालन करें और मौके पर तैनात पुलिस व फील्ड स्टाफ के निर्देशों का पालन करें।

चंबा में 2 घंटे में दो बार भूकंप

बुधवार सुबह तड़के हिमाचल के चंबा जिले में भूकंप के झटके महसूस किए गए। महज़ दो घंटे के भीतर दो बार धरती हिली। पहला झटका सुबह 3:27 बजे 3.3 तीव्रता का आया, जबकि दूसरा झटका 4:39 बजे 4.0 तीव्रता का दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र धर्मशाला और चंबा के बीच रहा और इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर जमीन के भीतर बताई जा रही है। गनीमत रही कि दोनों ही झटकों से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

चल रहा स्वच्छता अभियान, सड़कों पर कचरा, गलियों में फैली गाद

पूर्वी दिल्ली। राजधानी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए प्रदेश की सरकार ने एक अगस्त से स्वच्छता अभियान की शुरुआत की थी। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद सड़क पर झाड़ू लगाकर अभियान को हरी झंडी दिखाई थी। इसके बावजूद पूर्वी दिल्ली में हालत नहीं सुधर रहे हैं। यहां की सड़क पर कचरा और गलियों में जगह-जगह खुलेआम गाद फैली हुई है। यह कचरा न कर्मचारियों को दिख रहा है और न ही लोग कूड़े को इधर-उधर फेंकने से बाज आ रहे हैं। लक्ष्मी नगर, शकरपुर, निर्माण विहार, कड़कड़ी मोड़, अजीत नगर, सीलमपुर, जाफराबाद, गोकुलपुरी, त्रिलोकपुरी, मयूर विहार समेत अन्य कई जगहों पर सड़क किनारे कचरा और गलियों में गाद फैली हुई है। अजीत नगर निवासी रमेश दिवाकर का कहना है कि यहां की गलियों में कूड़ा कई महीनों तक पड़ा रहता है। कूड़ा बारिश के दौरान वापस नाले में चला जाता है और सीवर को जाम कर देता है। फिर सफाई कर्मचारी महीने दो-महीने में नाले से गाद निकालते हैं और गलियों में ही छोड़ देते हैं। यह गाद ऐसे ही कई दिनों तक सूखती रहती है। स्थिति यह है कि इलाके से गुजरने पर दुर्गंध आती है। वहीं, त्रिलोकपुरी निवासी राजेश कुमार ने बताया, यहां इलाके में जगह-जगह कूड़ा घर होने के बावजूद लोग सड़क पर ही कूड़ा डाल रहे हैं। सफाई-कर्मचारी भी इस कूड़े को नहीं उठा रहे हैं। स्थिति यह हो गई है कि इससे बीमारी फैलने का खतरा बढ़ता जा रहा है। दिल्ली की सड़कों और गलियों में कई जगह सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। कई जगहों पर खासकर मलबा फेंकने वालों पर सीसीटीवी कैमरे से नजर रखी जा रही है। इसके बावजूद लोग यहां सड़क किनारे मलबा फेंक रहे हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि सड़क पर मलबा का ढेर लग गया है। हैरानी वाली बात यह है कि सीसीटीवी कैमरा लगे होने के बाद भी सफाई कर्मचारियों को यह मलबा नहीं दिख रहा है। लक्ष्मी नगर स्थित डीडीए पार्क के पास मलबा न डालने का एक साइन बोर्ड लगा हुआ है। इस बोर्ड पर मलबा फेंकने वालों को चेतावनी दी गई है। बोर्ड पर लिखा है कि यहां कूड़ा और मलबा डालना सख्त मना है। पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा दस हजार रुपये का चालान किया जाएगा। साथ ही, बोर्ड पर यह भी लिखा है कि आप सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हैं। इसके बाद भी लोग सड़क पर मलबा डाल रहे हैं। आलम यह है कि न लोग बाज आ रहे हैं और न ही प्रशासन मलबा डालने वालों का इलाज कर पा रहा है।

राष्ट्रीय राजधानी विट्ठलभाई पटेल शताब्दी वर्ष पर 'ऐतिहासिक ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस' के लिए है तैयार

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 20 अगस्त। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में कल विधानसभा भवन में 24-25 अगस्त 2025 को होने वाली 'ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस' की तैयारियों की समीक्षा हेतु एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई गई। बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त एस.बी.के. सिंह, स्पेशल सीपी ट्रैफिक के. जगदीशन, स्पेशल सीपी सुरक्षा जसपाल सिंह, डीसीपी सुरक्षा मनस्वी जैन, जॉइंट सीपी (नॉर्थ एवं सेंट्रल) मधु वर्मा और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में दिल्ली पुलिस आयुक्त एस.बी.के. सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष श्री विजेंद्र गुप्ता को आश्वस्त किया कि कार्यक्रम के लिए चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी और किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सभी अतिथियों को 'राज्य अतिथि' का दर्जा दिया जाएगा और उनके साथ दिल्ली पुलिस के विशेष प्रोटोकॉल एवं सुरक्षा अधिकारी तैनात रहेंगे। हवाई अड्डे से लेकर ताज होटल में ठहरने और विधानसभा तक आने-जाने के लिए विशेष यातायात व्यवस्था की जाएगी ताकि सभी गणमान्य अतिथियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक के बाद विधानसभा अध्यक्ष, दिल्ली पुलिस आयुक्त और अधिकारियों ने मिलकर विधानसभा भवन का निरीक्षण किया और प्रवेश-निकास, बैठने की व्यवस्था, आपातकालीन प्रोटोकॉल और अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। 'ऑल इंडिया

स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस' विशेष महत्व रखता है,जो 24 अगस्त 1925 को विट्ठलभाई झावेरीभाई पटेल के केंद्रीय विधान सभा के पहले भारतीय अध्यक्ष (तत्कालीन प्रेसीडेंट) चुने जाने की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहा है। श्री पटेल अपने निष्पक्ष नेतृत्व, संसदीय गरिमा के प्रति समर्पण और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठने की क्षमता के लिए जाने जाते थे। उनका योगदान आज भी भारतीय लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है। सम्मेलन का उद्घाटन माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे और समापन माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिड़ला के संबोधन से किया जाएगा। इस अवसर पर माननीय राज्यसभा के सभापति, विभिन्न विधान परिषदों व विधानसभाओं के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष, केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य और देशभर से आए गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने इस ऐतिहासिक सम्मेलन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली हैं और यह आयोजन भारत की संसदीय परंपराओं एवं लोकतांत्रिक मूल्यों पर एक स्थायी छाप छोड़ेगा।

मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर फायरिंग का मामला सामने आया है। सुबह करीब 5:30 बजे की यह घटना है। जिस समय एल्विश यादव के घर पर गोली चली, उस दौरान घर पर उसकी मां सुषमा यादव मौजूद थीं। सेक्टर 56 थाना पुलिस मौके पर मामले की जांच करने में जुटी है। जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम के गांव वजीराबाद में एल्विश यादव के घर पर बाइक सवार अज्ञात हमलवारों ने करीब 24 राउंड फायर किए। फायरिंग होते ही एल्विश यादव के घर केयरटेकर का काम करने वाला शख्स घबराकर अंदर भाग गया। साथ ही जानकारी एल्विश यादव के पिता मास्टर राम अवतार को दी। मास्टर राम अवतार ने बताया कि हमलावर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर भाग गए। फायरिंग के समय एल्विश यादव घर पर नहीं थे। तीन हमलवार बाइक पर आए थे, एक हमलावर बाइक से थोड़ी दूर पहले ही उतर गया था दो लड़कों ने ताबड़तोड़ गोली चलाई। एल्विश के पिता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है, हमें पुलिस की कार्रवाई पर पूरा विश्वास है। एल्विश यादव के घर की दीवार पर गोलियों के निशान हैं। बदमाश घर पर लगे ष्टष्टञ्जङ्क में कैद हो गए हैं। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर लेकर गई है। एल्विश यादव के घर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एल्विश यादव के घर पर फायरिंग मामले में पुलिस किसी गैंग के हाथ होने से इंकार नहीं कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही असली वजह का पता चल सकेगा।आपको बता दें कि बिग बॉस में जाने के बाद एल्विश यादव की अलग पहचान थी। उनका विवादों से पुराना नाता है। इससे पहले, इलाहाबाद हाईकोर्ट से यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ा झटका लगा था। कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे में दाखिल चार्जशीट और जारी समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर किया था। ऐसे में अब उन्हें रेव पार्टी में ड्रग्स व सांप के जहर का लोगों को नशा कराने के आरोप में दर्ज मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की पीठ ने 12 मई को यह याचिका खारिज की थी। गौतम बुद्ध नगर, नोएडा, थाना सेक्टर-49 में एल्विश यादव के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की कई धाराओं में व रेव पार्टी में ड्रग्स और सांप के जहर का लोगों को सेवन कराने व अन्य कई आरोप में मुकदमा दर्ज है। आरोपपत्र में कहा गया था कि यूट्यूब वीडियो बनाने के लिए सांपों और सांप के जहर का दुरुपयोग किया गया था। साथ ही रेव पार्टियों का आयोजन करने और विदेशियों को बुलाने और उन्हें सांप के जहर और अन्य नशीली दवाओं का सेवन कराने का आरोप लगाया था। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम), गौतमबुद्ध नगर ने चार्जशीट का संज्ञान लेते हुए समन आदेश जारी किया था। एल्विश यादव ने समन आदेश और चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि शिकायतकर्ता वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए सक्षम व्यक्ति नहीं था।

पत्नी की गला रेतकर हत्या, बच्चों को लेकर थाने पहुंचा आरोपी

पूर्वी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में शनिवार देर रात युवक ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद वह बच्चों को लेकर खुद ही थाने पहुंच गया। पत्नी की हत्या की बात पुलिस अधिकारियों को बताई। आरोपी इंतजार अली को साथ लेकर पहुंची पुलिस ने पहली मंजिल स्थित कमरे महिला का शव बरामद किया। वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को पता चला है कि आरोपी अपनी पत्नी चांदनी (24) के चरित्र पर शक करता था। दोनों के बीच झगड़ा होता था। पिछले दो-तीन दिन से आरोपी चांदनी को गला रेतने की धमकी दे रहा था। वहीं चांदनी के परिजनों का आरोप है कि इंतजार नशे का आदी है। वह पत्नी से शराब के लिए रुपये मांगता था। मना करने पर उसके साथ मारपीट करता था। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया सीलमपुर के के-ब्लॉक निवासी चांदनी के घर में पति इंतजार के अलावा दो बच्चे अबुजर (4) और बेटी आयत (5) हैं। करीब छह साल पहले इंतजार और चांदनी की शादी हुई थी। इंतजार छोटा-मोटा काम करता है। वहीं चांदनी भी घर पर छोटा-मोटा काम करती थी। शनिवार देर रात करीब तीन बजे आरोपी सीलमपुर थाने पहुंचा और उसने पत्नी की गला रेतकर हत्या करने की सूचना पुलिस को दी। 10 दिन पहले ही चांदनी ने मोबाइल खरीदा था। इंतजार का आरोप है कि चांदनी फोन पर किसी और से बातचीत करती रहती थी। पुलिस ने उसका मोबाइल कब्जे में ले लिया है। चांदनी की बुआ के बेटे मोहम्मद दानिश ने इंतजार के आरोपों से इन्कार किया है।

संगम विहार में माफिया ने लूटी सरकारी ज़मीन-प्रधानमंत्री हस्तक्षेप करें

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसने साबित कर दिया है कि किस तरह माफिया और प्रशासन की मिलीभगत से देश की संपत्ति लूटी जा रही है।हम प्रधानमंत्री से आग्रह करते हैं कि तुरंत और कठोर कार्रवाई की जाए, माफिया और शामिल अधिकारियों पर सख्त कदम उठाए जाएँ, और इस राष्ट्रीय संपत्ति को पुनः सुरक्षित किया जाए। देश को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री का वादा निभेगा और यह घोटाला भी एक अधूरी कहानी बनकर नहीं रह जाएगा।

दिवंगत प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की रहस्यमयी मृत्युः सुनील शास्त्री

प्रथम पृष्ठ का शेष

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल मानवेन्द्र सिंह ने कहा नेताजी के अलावा 3 और रहस्यमयी घटनाऐं जो हमारी राश्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा 1966 में डा0 होमी जहांग. ीर भाभा का वियना जाते हुऐ प्लेन क्रेष, 1971 में डा0 विक्रम साराभाई का हार्ट-अटैक और 1986 में कीव से आते हुऐ ।. 32 हेलिकाप्टर का गायब होना। उन्होंने पुस्तक को सूचनाओं का भण्डार बताया। ऑर्गनाइजर के सम्पादक श्री प्रफुल्ल केतकर ने लेखक दीपक कुमार के लक्ष्य के प्रति पागलपन को नेताजी के आजादी के पागलपन बराबर बताया। भाजपा के नेता श्री सुधांषु मित्तल ने लेखक को बहुआयामी प्रतिभा का धनी बताया। रूसी राजनीति के विषेशज्ञ प्रोफेसर एस0के0 मिश्रा ने पुस्तक को एक डायरी नहीं ब्लकि षोध ग्रन्थ बताया। लेखक दीपक कुमार ने कुछ नये तथ्य नेताजी के बारे में बतायें उनके अनुसार 1966 तक नेताजी जिन्दा थे। उन्होंने रूसी प्रधानमंत्री कार्यालय के कुछ पत्र दिखाये जिनके अनुसार वह सेन्ट्रल वोल्गा क्षेत्र के सरांस्क की जेल में थे। पुस्तक के प्रकाषक प्रभात प्रकाषन के सी0ई0ओ0 श्री पवन अग्रवाल जी ने सबका धन्यवाद किया। पुस्तक की भूमिका 'रा' से रिटार्यड एडिषनल सेक्रेटरी श्री राजीव कुमार ने लिखी है। पुस्तक की पृश्ठ संख्या 416 है। जिसका मूल्य 1200 रू0 है। पुस्तक की भाशा अंग्रेजी है। कार्यक्रम की समाप्ति राश्ट्रगान से हुई।

NAME CHANGE
I RAM JAG S/O KHEDU R/o Ab-101AMAR PURI NABI KARIM PAHAR GANJ NEW DELHI 110055 HAVE CHANGED MY NAME TO JAGGI

NAME CHANGE
It is for general information that I CHAMAN KUMAR GOEL S/o DEVENDRA KUMAR GOEL R/o 131, Pakki Mori Dasna Gate, Ghaziabad, PO: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 declare that the name of mine has been wrongly written as CHAMAN GOEL in my minor Daughter namely AKSHRA GOEL aged 17 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is CHAMAN KUMAR GOEL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NITIN S/O RAM KISHAN R/O H NO. B-245, JHARERA VILLAGE, DELHI CANTT, PO-DELHI CANTT, DIST- SOUTH WEST DELHI, DELHI-110010 declare that name of mine has been wrongly written as NITIN KUMAR in my Cast Certificate-90510000040494. The actual name of mine is NITIN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I RASHID AHMED S/O BASHIR AHMED R/O 36/90 TRILOKPURI EAST DELHI 110091 HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL RASHID AHMED

NAME CHANGE
I MEHRUN AHMED D/O ABDUL RAZAK R/O 36/90 TRILOKPURI EAST DELHI-110091 HAVE CHANGED MY NAME TO MAHERUN BEGAM

NAME CHANGE
I, Kaushal Kumar Yadav s/o Awadhesh Yadav R/o K-5/101, Block-K 5, Mohan Garden, Uttam Nagar, Delhi-10059, have changed my name to Kaushal Yadav permanently

NAME CHANGE
It is for general information that I, EZAZ AHMAD ANSARI S/O NAZIRUDDIN ANSARI R/o RZ-273/1, GALI NO-3, DURGA PARK, PALAM VILLAGE, DELHI-110045, declare that name of mine and my father has been wrongly written as EZAZ ALAM ANSARI and MD NAZIRUDDIN in my Aadhar Card No. 3034 9012 6489. The actual names of mine and my father are EZAZ AHMAD ANSARI and NAZIRUDDIN ANSARI, respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in the connection

NAME CHANGE
I, Manjeshwari Agrawal w/o Neeraj Kumar R/O WB-176, Gali No.9, School Block, Ganesh Nagar, Shakarpur, Delhi-110092, have changed my name to Manju Kumari permanently

NAME CHANGE
I, Sunil Yadav s/o Daya Ram Yadav R/o H. No.490, Near Gram Choupal, Kapashera Village, Delhi-110037 have changed my name to Sunil Kumar for all future purposes .

NAME CHANGE
I, SADAM S/O MOHD MURTAZA residing at 106 BLOCK-A, JHUGGIES SHASTRI MOHALLA, PATPARGANJ, DELHI-110091. have changed my name to SADDAM for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Dushyant Kumar Babber S/O Rakesh Kumar Babber R/O Charms Castle, Tower- E1806, Raj Nagar Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201001 Have changed my name to Dushyant Babbar for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KUBRA PARVIN W/O MOHD JAVED ANSARI R/o H NO-3093, KATRA NISAR AHMED, KUCHA PANDIT, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to KUBRA PARVEEN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AMAN S/O RAJ KUMAR R/o 191, SECTOR-2, NEAR SURAJ SCHOOL, HSIIDC, BAWAL, REWARI, HARYANA-123501, HAVE CHANGED MY NAME TO AMAN YADAV FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, Bilkesh/Bilkish w/o Mohd Irfan R/o H No-212, Rithath(28), Mewat, Haryana-122508 have Changed My name to Bilkesh Vegkam for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Irfan Deendar s/o Khalil R/o H No-212, Rithath(28), Mewat, Haryana-122508 have Changed My name to Mohd Irfan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 7246295L Rank- Swr (NA Vet) Name ANKIT presently residing at VIII - GWALIOR, POST - MORAR, TEH- GWALIOR, DISTT-GWALIOR, M.P-474006, have changed my mother's name from MEERA to MIRA from all future purposes vide Affidavit dated 20/08/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as MINASH DEVI W/o MADAN SINGH, R/o Kalchhina, Kalchina, Ghaziabad, Uttar Pradesh-245304, have changed my name and shall hereafter be known as VINASH.

NAME CHANGE
I, UMESH RAWAT/ UMESH SINGH RAWAT S/O LAXMAN SINGH residing at H NO.-1281, PARVATYA COLONY, SECTOR 22 FARIDABAD HARYANA-121005. have changed my name to UMESH SINGH for all future purposes.

NAME CHANGE
I RAMSAGAR S/O RAM SURAT R/O C-345 STREET NO-2 WEST KARAWAL NAGAR KARAWAL NAGAR NORTH EAST DELHI 110094 HAVE CHANGED MY NAME TO RAM SAGAR YADAV

NAME CHANGE
I hitherto known as KIRAN DEVI W/O KAMAL SINGH R/O H.NO-212, GALI NO-2, AMBEDKAR COLONY, TILA MOD, LONI ROAD, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH - 201102 have changed my name and shall hereafter be known as KIRANTI.

NAME CHANGE
I hitherto known as KIRAN SHARMA alias KIRAN MAINDOLA D/o SHATRUGHAN PRASAD SHARMA W/o GIRISH CHANDRA, R/o FLAT No. 104, D-Block, Devdoot Apartments, Vikas Puri, West Delhi, Delhi - 110018 have changed my name and shall hereafter be known as KIRAN MAINDOLA.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT ORIGINAL SALE DEED OF PLOT OF LAND AREA MEASURING 30 SQ.YDS. I.E. 25.08 SQ.MTRS., PART OF KHASRA NO. 1104-MIN, SITUATED AT RAJ NAGAR, VILLAGE BEHTA HAZIPUR, PARGANA AND TEHSIL LONI, DISTT: GHAZIABAD,, U. P. I.E. ORIGINAL SALE DEED DATED 17.02.2023 EXECUTED BETWEEN MR. DHARAM DEV IN FAVOUR OF MR. SUDAMA BALMIKI IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY, VIDE DOC. NO. 2329, IN BOOK NO. 1, VOLUME NO. 675, ON PAGES NO. 253-276, ON DATED 17.02.2023 IN SRO-2-LONI, GHAZIABAD, U.P. HAS BEEN LOST BY THE OWNER MR. SUDAMA VALMIKI, S/O MR. BRAHAM CHAND, R/O, D-294/03, GALI NO. 03, RAJ NAGAR, LONI BORDER, LONI DEHAT, GHAZIABAD U.P. AND IN THIS REGARD MR. SUDAMA VALMIKI HAD LODGED ONLINE LOST REPORT VIDE LAR NO. 3049160/2025 ON DT. 26.07.2025 AND NOW MR. SUDAMA VALMIKI JOINTLY WITH HIS WIFE MRS. DEEPA RANI WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM EASY HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I, hitherto known as Suresh Kumar Dhawan alias Suresh Dhawan S/O: Hari Chand Dhawan R/O P-10 1st floor, Malviya nagar, PO: Malviya Nagar, Sub District: Hauz Khas District: South Delh State: Delhi,- 110017, have changed my name and shall hereafter be known as SURESH KUMAR DHAWAN.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Aliya Imran W/O Zafar Imran R/O H. No.-R-49 Street No.-21 Brahampuri ,Delhi North East Delhi -110053, have changed my name and shall hereafter be known as ALIA PARVEEN.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHABANA W/O SUSHIL AHAMD R/O A-534, NAWJEEWAN KAIMP, GOVINDPURI, KALKAJI, AALI, SOUTH DELHI, DELHI-110019, have changed my name and shall hereafter be known as SHABNAM.

NAME CHANGE
I AFTAB F/O AMIRUDDIN MIRZA R/O A-97,98 J J COLONY PH-2 NANGLOI DELHI 110041 I have changed my name to AFTAB MIRZA Permanently

NAME CHANGE
I Mohammad Yusuf F/O Habib Ahmad R/O H.no.301 Main Qutub Garh Road Village Lad pur delhi-110081.I have changed my name to MOHD YUSUF Permanently

NAME CHANGE
I Sahnaz H/o MOHD YUSUF R/O H.no 301 Main Qutub Garh Road Village Lad pur delhi 110081 I have changed my name to SHAHNAJ Permanently

NAME CHANGE
I PARMOD KUMAR GOYAL F/O GIAN CHAND GOYAL R/O J-86 UPG FLOOR VIKAS PURI DELHI 110081 I HAVE CHANGED MY NAME TO PRAMOD GOYAL Permanently

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री विकास मुँद्रा श्री रूपैन सचदेवा से नई दिल्ली स्थित कैलाश अपार्टमेंट्स, लाला लाजपत राय मार्ग, ब्लॉक-ष्ट में स्थित छठी मंजिल पर फ्लैट नंबर 64 तथा उसके ऊपर स्थित टैरेस (लगभग 1,730 वर्ग फुट क्षेत्रफल) क्रय करने का इरादा रखते हैं। इस संपत्ति के मूल मालिक श्री हरपाल सिंह थे, जिन्होंने इसे दिनांक 29.01.1974 के बिक्री विलेख (Sale Deed) द्वारा श्री सी.एल. आहूजा को बेचा था। दुर्भाग्यवश, बाद में श्री सी.एल. आहूजा का देहांत हो गया और वे अपने वैध उत्तराधिकारियों—श्री विनोद आहूजा (पुत्र) एवं श्रीमती शांति आहूजा (पत्नी)—को छोड़ गए। तत्पश्चात्, श्री विनोद आहूजा एवं श्रीमती शांति आहूजा ने उक्त संपत्ति को दिनांक 27.02.1987 के बिक्री विलेख द्वारा श्री रिलीना कुमार को बेच दिया। उसके पश्चात, श्री रिलीना कुमार ने यह संपत्ति दिनांक 10.06.1993 के बिक्री विलेख द्वारा श्री चमन लाल सचदेवा एवं श्रीमती सुनीता सचदेवा को बेची। श्री चमन लाल सचदेवा ने दिनांक 13.05.2019 को एक वसीयत (Will) बनाई, जिसके अनुसार संपत्ति पहले उनकी पत्नी, श्रीमती सुनीता सचदेवा के नाम तथा उनके देहांत के उपरांत उनके पुत्र, श्री रूपैन सचदेवा के नाम होनी थी। दुर्भाग्यवश, श्री चमन लाल सचदेवा का 11.04.2020 को देहांत हो गया तथा उनकी पत्नी, श्रीमती सुनीता सचदेवा का भी 21.11.2024 को निधन हो गया। परिणामस्वरूप, वर्तमान में श्री रूपैन सचदेवा उक्त संपत्ति के पूर्ण स्वामी हैं। कृपया ध्यान दें कि यह संपत्ति वर्तमान में बजाज हाउजिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा- सुभाष नगर, नई दिल्ली के माध्यम से वित्तपोषित की जा रही है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 10 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, MAMPI MANDAL is Spouse of Army No. 15694894F Rank- HAV Name- ANANDA MANDAL, R/o VILLAGE–GURPARA, POST –NANDIGHAT, POLICE STATION –RANAGHAT, DISTT-NADIA, STATE -WEST BENGAL, PIN - 741255 have changed my name from MAMPI MANDAL to MAMPI MONDAL for all future purposes. Vide Affidavit Dated before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, BABITA RANI D/O JAGROOP RAM KAUSHAL R/O HOUSE NO. 3530, SECTOR 71, S.A.S. NAGAR (MOHALI), S.A.S., PUNJAB - 160071, I have changed my name from BABITA SHARMA TO BABITA RANI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I ASHOK KUMAR PODDAR S/O RAM SAGAR PODDAR R/O 7 a village kakrola po: n.s.i.t. dwarka dist: south west delhi delhi-110078 declare that name of mine has been wrongly written as ASHOK KUMAR in my minor son namely SHIVAM KUMAR aged 16 years in his 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is ASHOK KUMAR PODDAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I SAKSHI D/O ASHOK KUMAR PODDAR R/O H No-7 a village kakrola po: n.s.i.t. dwarka dist: south west delhi delhi-110078 declare that name of my father has been wrongly written as ASHOK PODDAR in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my father is ASHOK KUMAR PODDAR which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Khushi Ram** is the owner of Plot No.863 & 864 (EWS), admeasuring 50 Sq. Mtrs. + 50 Sq. mtrs. = 100 Sq. mtrs. Project known as Omaxe City, situaited at Village Palwal & Dhaula Garh, at Sector 11 & 14, Tehsil & District Palwal, Haryana vide 2 Sale Deeds 21.09.2023 which are registered in Sub Registrar Palwal and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited.** That the **Original Sale Deed dated 08.03.2022** executed by Mr. Khem Chand in favour of Mrs. Renu W/o. Mr. Dinesh Aggarwal in respect of said property, which is registered vide Document No.13608, Book No.I, Volume No.7/162, on pages 170/48 to 50, at Sub- Registrar-Palwal, on 08.03.2022 & **Original Sale Deed dated 30.11.2021** executed by Mr. Vijay S/o. Mr. Lala Ram through attorney Mr. Dinesh Aggarwal in favour of Mrs. Renu W/o. Mr. Dinesh Aggarwal in respect of said property, which is registered vide Document No.9566, Book No.I, Volume No.2/57, on pages 159.5/32 to 33, at Sub-Registrar-Palwal, on 30.11.2021 is lost/misplaced. Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I hitherto known as VANDANA JOSI alias VANDANA JOSHI W/O PARVEEN SHARMA D/O LALIT MOHAN JOSHI R/O A-62/G-4, Shalimar Garden Ext-2, Sahibabad PO: Sahibabad, DIST: Ghaziabad Uttar Pradesh-201005, have changed my Name and shall hereafter be known as BHAWNA JOSHI.

NAME CHANGE
I DURGESH SRIWASTAVA W/O PRADHUMN KUMAR SHRIVASTAVA R/O FLAT NO B-104, GALI NO-12 BEHIND DC COURT AKV TOWER KAPASHERA PO: GURGAON ROAD DIST : SOUTH WEST DELHI 110037 HAVE CHANGED MY NAME TO DURGESH KUMARI

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Saurabh Kumar Pal S/o Ram Surat Pal R/o S-291/5-A, Sonia Gandhi Camp, Pul pehlad, Pul Pahladpur, South Delhi, Delhi-110044 declare that name of mine and my father has been wrongly written as Sourabh and Ram Surat in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are Saurabh Kumar Pal and Ram Surat Pal.

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Smt. Usha Kanwar w/o Sh. Ravi Kanwar is the owner of freehold plot No.D-124, measuring 220 sq. yds. situated in the area of Village Basai Darapur, in the abadi of Mansarover Garden, in Block-D, New Delhi-110015. Vide Sale Deed dated 14/05/2009 executed by Sh. Ravi Karan Kanwar in favour of Smt. Usha Kanwar. In respect of the said property as doc no. 7454. That Original sale deed executed by M/s Bharat Builders & Colonizers in favour of Sh. Vir Karan Tanwar and Sh. Ravi Karan Kanwar. In respect of the said property. was lost on 17/08/2025 duly reported to Police as per Police complaint dated 18/08/2025, LR No. 3122799/2025 in the P.S. Crime Branch, Delhi. If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk. That my client intends to mortgage the said immovable property for her bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 20/8/2025
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुल्तान उर्फ शाहरुख, पताः गली नं. 5, शहीद नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने **FIR No. 607/2021, U/s 25 Arms Act, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुल्तान उर्फ शाहरुख** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुल्तान उर्फ शाहरुख** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 607/2021, U/s 25 Arms Act, पुलिस थाना कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अभियुक्त **सुल्तान उर्फ शाहरुख** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.09.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-11
केंद्रीय, कक्ष नं. 138, प्रथम तल
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/10961/N/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr. P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त आरोपी **संजय यादव, पुत्रः** रतन लाल, **पताः** मकान नं. 222, आदर्श नगर, खोरा कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश **FIR No. 344/2016; U/s: 279/337/338 IPC, पुलिस थानाः पांडव नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय यादव,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **संजय यादव,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **संजय यादव, FIR No. 344/2016; U/s: 279/337/338 IPC, पुलिस थानाः पांडव नगर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **09.10.2025** को या उससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री दीपक कुमार-।
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
पूर्वी जिला कोर्ट नं. 29
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/10433/ED/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE
I, HARMENDER KUMAR S/O RAJ SINGH TOKAS R/O 2-A, GROUND FLOOR, MOHAMMADPUR VILLAGE, NEW DELHI-110066 have changed my name to HARMENDER KUMAR TOKAS for all future purpose.

NAME CHANGE
MUBEEN S/O KASAM R/O WARD NO. 1, NUH, DISTT. NUH, HARYANA 122107. HAVE CHANGED OF MY NAME MUBIN KHAN TO MUBEEN FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, hitherto known as DIGAMBEER TALAN S/O SUKHAN CHAND R/O 281, KURLI BULANDSHAHR, KURLI, UTTAR PRADESH-245408, have changed my name and shall hereafter be known as ROVIN KUMAR.

PUBLIC NOTICE
General public is hereby informed that my client Ramesh Kumar Son Of Shri Karan Singh And Saroj Devi Wife Of Shri Ramesh Kumar Both R/O F-2/695, Sangam Vihar, New Delhi-110080 has disowned/debarred their son KAPIL SAHU from all his/her moveable/immovable properties/ assets and severed all their relations with them due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with her son in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts done by her son.
MUKESH KUMAR Advocate
Ch.No 888, Saket Court Complex
New Delhi-110017

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF FLAT NO. D-02/001/3, ON FIRST FLOOR, MIG WITHOUT ROOF RIGHTS, HAVING ITS AREA MEASURING 720.65 SQ. FT. BUILT ON PLOT NO. D-02/001/03 SITUATED AT DLF DILSHAD PLAZA, DLF DILSHAD EXTN.-II, VILLAGE BRAHMPURA ALIAS BHOPURA, PARGANA LONI, TEHSIL & DISTT. GHAZIABAD, U. P. I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 30.07.1998 EXECUTED BY M/S DLF UNIVERSAL LIMITED IN FAVOUR OF MR. SATISH CHANDER (DOC. NO. 5114) HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. CHHOTU RAM S/O MR. JASWANT SINGH, R/O, D-2/04/03, DLF DILSHAD EXTN-2, SAHIBABAD, GHAZIABAD, U.P. AND IN THIS REGARD MR. CHHOTU RAM HAD LODGED ONLINE LOST REPORT VIDE LAR NO. 20250000597978 ON DT. 20.08.2025 AND SAID OWNER MR. CHHOTU RAM PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 02.03.2022 EXECUTED BY MR. SATISH CHANDER. NOW MR. CHHOTU RAM WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM UMMEED HOUSING FINANCE PRIVATE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

उपायुक्त ने किया लघु सचिवालय में औचक निरीक्षण

नारनौल। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में स्थित सभी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुराने रिकॉर्ड को नियमानुसार हटाने के भी निर्देश दिए, ताकि कार्यालयों में अनावश्यक सामान न रहे। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पाया कि कुछ कार्यालयों को जगह की कमी है। इस समस्या को हल करने के लिए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन कार्यालयों को अतिरिक्त कमरे मिले हैं, उनके कुछ कमरों को आवश्यकतानुसार दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। डॉ. भारती ने सभी कार्यालयों के हाजिरी रजिस्टर भी चेक किए। निरीक्षण में जो कर्मचारी गैर हाजिर पाए गए उनसे स्पष्टीकरण मांगने के निर्देश दिए गए। इससे पहले उन्होंने लघु सचिवालय के पुराने भवन का भी औचक निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को शौचालयों की अच्छी तरह से मरम्मत करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए शौचालयों का सही होना बहुत ही जरूरी है। इस मौके पर एसडीएम अनिरुद्ध यादव तथा नगराधीश डॉ. मंगलसेन के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

सोनीपत में एसीबी ने हेड कॉन्स्टेबल पांच हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा

सोनीपत। सोनीपत में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की करनाल टीम ने सोनीपत के सदर थाना में तैनात हेड कॉन्स्टेबल बलराम को पांच हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बलराम ने एक रकम कोर्ट में चालान जल्दी पेश कराने के नाम पर मांगी थी, जबकि मामला सिटी थाना का था और उसका अधिकार क्षेत्र भी नहीं था। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जाएगा। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता विकास के भाई दीपक के खिलाफ सिटी थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ था और वह फिलहाल सोनीपत जेल में बंद है। इस केस का चालान कोर्ट में जल्द पेश कराने के लिए विकास का संपर्क हेड कॉन्स्टेबल बलराम से हुआ। बलराम ने खुद को मामले में प्रभावशाली दिखाते हुए सेटिंग कर जल्दी चालान करवाने का भरोसा दिया और बदले में 5 हजार रुपए की मांग की। विकास ने इसकी शिकायत एसीबी करनाल को दी। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी बलराम को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। एसीबी अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इस पूरे खेल में अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल तो नहीं हैं। इस कार्रवाई के बाद गोहाना पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

गुरुग्राम नगर निगम ने 17 साल बाद सार्वजनिक की ओएमडी की सूची

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में विज्ञापन नियमों को पारदर्शी और नियम आधारित बनाने की दिशा में अहम पहल की है। निगम ने पहली बार वर्ष 2008 के बाद अनुमोदित आउटडोर मीडिया डिस्प्ले की पूरी सूची अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दी है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया के अनुसार इस सूची में सभी स्वीकृत यूनिपोल और अन्य ओएमडी का विवरण स्पष्ट रूप से दर्ज किया गया है। वहीं दूसरी ओर निगम ने ऐसे यूनिपोल्स को हटाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है, जो अपने अनुमोदित स्थान पर स्थापित नहीं किए गए थे। मंगलवार को निगम की टीम ने कई स्थानों से नियमों के विरुद्ध लगे यूनिपोल्स को हटवाया। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य गुरुग्राम में विज्ञापन व्यवस्था को पारदर्शी, नियम आधारित और व्यवस्थित बनाना है। उन्होंने बताया कि अब शहरवासी स्वयं निगम की वेबसाइट पर देखकर यह पता लगा सकते हैं कि कौन सा यूनिपोल या विज्ञापन संरचना वैध है और किसे स्वीकृति प्राप्त नहीं है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अनधिकृत या गलत स्थान पर लगाए गए विज्ञापनों को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए नियमित रूप से निगरानी और जांच अभियान चलाया जाएगा। इस पहल से न केवल नगर निगम की आय में पारदर्शिता आएगी, बल्कि शहर की सुंदरता और व्यवस्था भी सुधरेगी।

नगर निगम में विकास कार्यों की गुणवत्ता पर सख्त निर्देश

सोनीपत। सोनीपत नगर निगम में हुई बैठक में मेयर राजीव जैन ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य तय समय सीमा में पूरे किए जाएं, गुणवत्ता से समझौता न हो और अधिकारी हर दूसरे दिन चल रहे कार्यों का निरीक्षण करें। बैठक में नगर निगम आयुक्त हर्षित कुमार भी मौजूद रहे। मेयर ने कहा कि कई बार विकास कार्य महीनों तक अधूरे पड़े रहते हैं, जिससे जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने विशेष रूप से सीवर लाइन बिछाने में निर्धारित मानकों के पालन पर जोर दिया। गलत तरीके से डाली गई सीवर लाइन नागरिकों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्यों का अनुमान तैयार करने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सीवर जाम, गंदा और कम पानी आने की बढ़ती शिकायतों पर गंभीर चर्चा हुई। मेयर ने ठेकेदारों पर आरोप लगाया कि वे सड़क निर्माण के दौरान मलबा सीवर लाइन में डाल देते हैं और अतिरिक्त निर्माण सामग्री वहीं छोड़ जाते हैं।

राज्यपाल ने की अधिकारियों के साथ बैठक

एजेंसी

जींद। हरियाणा प्रदेश के राज्यपाल अशीम कुमार घोष ने चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में जिला स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक ली और केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने नशे की रोकथाम, टीबी उन्मूलन और फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर हर संभव कदम उठाने के निर्देश दिए।राज्यपाल घोष ने रेडक्रास सोसायटी द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली और समाज हित में किए जा रहे कार्यों की फीडबैक ली। उन्होंने रेडक्रॉस सचिव को निर्देश दिए कि वे सोसायटी द्वारा दी जा रही सेवाओं के अलावा टीबी के उन्मूलन के लिए और अधिक विशेष कदम उठाएं तथा आमजन को निक्षय योजना के तहत टीबी मरीजों को गोद लेने के लिए प्रेरित करें। महामहिम ने कहा कि वे स्वयं भी टीबी के पांच मरीजों को गोद लेंगे

और उन्हें छह माह तक पोषण किट उपलब्ध करवाएंगे। इसके बाद उन्होंने डीसी मोहम्मद इमरान रजा व एसपी कुलदीप सिंह को जिला में नशा के दुष्प्रभावों के बारे में अधिकाधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।इस पर डीसी ने महामहिम को अवगत करवाया कि जिला में सात नशा मुक्ति केंद्र संचालित हैं। वहीं पुलिस द्वारा भी नशे पर अंकुश लगाने को लेकर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसके बाद राज्यपाल ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण विकास आदि का फीडबैक लिया। उन्होंने कहा कि इन सभी योजनाओं का धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जाए और पात्र व्यक्ति तक निर्बाध तरीके से योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाए।

इस अवसर पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, एडीसी विवेक आर्य, सीआरएसयू के कुलगुरु रामपाल सैनी, एसडीएम जींद सत्यवान सिंह मान, डीएमसी सुरेन्द्र दुहन, नरवाना एसडीएम जगदीश चंद्र, उचाना एसडीएम दलजीत सिंह, जुलाना एसडीएम होशियार सिंह, सफीदों एसडीएम पुलकित मल्होत्रा, सीईओ जिप अनिल दून, आरटीए गिरीश कुमार, नगराधीश मोनिका रानी, रेडक्रॉस सचिव रवि हुड्डा आदि मौजूद रहे।

पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर के केंद्र बनेगा अग्रोहा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अग्रोहा को विश्व पुरातात्विक मानचित्र पर नई पहचान दिलाने के लिए इसे एक प्रमुख पर्यटन स्थल और सांस्कृतिक धरोहर के केंद्र के रूप विकसित किया जा रहा है। इसके तहत अग्रोहा में अत्याधुनिक संग्रहालय स्थापित किया जाएगा, जहां खुदाई से प्राप्त पुरावशेषों को संरक्षित और प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में सोमवार यहां हुई बैठक में अग्रोहा पुरातात्विक स्थल के विकास की प्रगति के संबंध में समीक्षा की गई। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ.अरविंद शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, असीम गोयल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रोहा, महाराजा अग्रसेन की राजधानी होने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण पुरातात्विक और सांस्कृतिक स्थल है। इसके विकास से यह न केवल आस्था का केंद्र बनेगा, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में भी उभरेगा।नायब सिंह सैनी ने निर्देश दिए कि हिसार-अग्रोहा मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट आ थोरिटी द्वारा एक समग्र मास्टर प्लान तैयार किया जाए, जिसमें अग्रोहा को एकीकृत पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की विस्तृत रणनीति शामिल हो। साथ ही, अग्रोहा पुरातात्विक स्थल के आसपास स्थित टीलों की जियो टैगिंग कर उस क्षेत्र को संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए, ताकि इन टीलों को किसी भी प्रकार की क्षति से बचाया जा सके। बैठक में जानकारी दी गई कि अग्रोहा में लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और हरियाणा राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से खुदाई का कार्य किया जा रहा है।

बहादुरगढ़ में केएमपी एक्सप्रेसवे पर पिकअप और कैंटर की टक्कर, 4 प्रवासी मजदूरों की मौत

एजेंसी

बहादुरगढ़ । हरियाणा के बहादुरगढ़ में कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 33 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक महिला और तीन पुरुष शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब एक्सप्रेसवे पर मजदूरों से भरी एक पिकअप गाड़ी को कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप गाड़ी का पीछे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कैंटर के भी सामने वाले हिस्से के शीशे टूट गए। इस टक्कर में पिकअप सवार करीब 37 मजदूरों में से अधिकांश घायल हो गए। घायल व्यक्ति ने बताया कि जब वह पिकअप गाड़ी में जा रहे थे, उसी दौरान पीछे से कैंटर ने टक्कर मारी। लखीमपुर खीरी से प्रवासी मजदूरों को महेंद्रगढ़ में खेती के काम के लिए लाया जा रहा था। इसी बीच रास्ते में एक्सीडेंट हुआ।

बताया जा रहा है कि ये सभी प्रासी मजदूर उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के अमन नगर से

हरियाणा के महेंद्रगढ़ स्थित घोड़ाकैमला गांव की ओर जा रहे थे। इसमें कुछ लोग सीतापुर के रहने वाले भी थे। वे फसल कटाई के लिए यहां आए थे।हादसे के बाद घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से 8 घायलों का इलाज बहादुरगढ़ ट्रामा सेंटर में चल रहा है, जबकि बाकी गंभीर रूप से घायल मजदूरों को पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। घायलों में कई महिलाएं और छोटे बच्चे भी शामिल हैं।

ड्रंक एंड ड्राइव, पटाखे वाली बुलेट व ब्लैक फिल्म पर सख्त कार्रवाई, अभियान का शुभारंभ

एजेंसी

हिसार। जिला पुलिस ने सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन को सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को ड्रंक एंड ड्राइव जैसी खतरनाक आदतों और अनुचित वाहन मॉडिफिकेशन के दुष्परिणामों से जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं को रोकना है।पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने मंगलवार को कहा कि वाहन चलाते समय शराब का सेवन न करें, यह न केवल आपके जीवन बल्कि दूसरों की जान के लिए भी खतरा है। बुलेट मोटरसाइकिल या अन्य वाहनों में अवैध संशोधन कर पटाखे जैसी आवाज निकालना कानूनन अपराध है, जो दुर्घटनाओं और सार्वजनिक शांति भंग का कारण बनता है। ब्लैक फिल्म का प्रयोग भी कानूनन प्रतिबंधित है, कृपया वाहन में इसका उपयोग न करें। उन्होंने आमजन से अपील की है वे यातायात नियमों का पालन कर जिम्मेदार नागरिक बनें। सड़क पर छोटी सी लापरवाही किसी की पूरी

ज़िंदगी बदल सकती है। नियमों का पालन करके ही हम स्वयं सुरक्षित रह सकते हैं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। सुरक्षित यातायात, सुरक्षित जीवन के नियम को अपनाए।पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अभियान के पहले ही दिन पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए 22 चालान ड्रंक एंड ड्राइव के मामलों में किए जबकि 6 चालान पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिल पर किए। साथ ही ब्लैक फिल्म लगे शीशों के खिलाफ भी कार्रवाई कर चालान किए गए। यह अभियान आगामी एक सप्ताह तक जिले भर में निरंतर जारी रहेगा।

मंत्री राव नरबीर ने बजघेड़ा के स्कूल की नई शाखा की रखी आधारशिला

एजेंसी

गुरुग्राम। सामुदायिक विकास और समावेशी वृद्धि को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए चिंटेल्स इंडिया ने अपनी सीएसआर इकाई नोरा सोलोमन फाउंडेशन (एनएसएफ) बजघेड़ा में नए स्कूल का निर्माण कराएगा। इसका शिलान्यास मंगलवार को उद्योग एवं वन मंत्री राव नरबीर सिंह ने की। मंत्री राव नरबीर सिंह के विजन के अनुरूप नोरा सोलोमन फाउंडेशन और चिंटेल्स ने रिकॉर्ड समय में इस परियोजना को पूरा करने की बात कही। मंत्री ने वंचित बच्चों की पहुंच में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा लाने की इस पहल को एक कीर्तिमान बताते हुए कहा कि इस तरह के प्रयास इस क्षेत्र में बच्चों और उनके परिवारों के जीवन में दूरगामी सकारात्मक बदलाव लाते हैं। इस स्कूल का लक्ष्य निःशुल्क, एक समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुलभ कराना और बजघेड़ा एवं इसके आसपास के इलाकों में वंचित

समुदायों से आने वाले बच्चों को कौशल प्रदान करना है। नये भवन में कक्षाएं, प्रधानाचार्य कक्ष, कर्मचारी कक्ष समेत अन्य सुविधाएं होंगी। इस अवसर पर मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास, प्रगति के मजबूत स्तंभ हैं। यह स्कूल उम्मीद, सीखने और एक बेहतर भविष्य का आधार होगा। असंख्य युवाओं के लिए अवसरों के द्वार खोलेगा। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल तक पहुंच उपलब्ध कराएगा और इस प्रकार से यहां के समुदाय के समग्र विकास में योगदान करेगा। सही विकास तभी सार्थक होता है, जब यह हमारे पर्यावरण को संरक्षित रखते हुए अगली पीढ़ी को सशक्त करता है। मैं सभी नागरिकों से पौधारोपण कर, सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाकर और प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी कर इस नेक कार्य में सहयोग करने का आग्रह करता हूं।नोरा सोलोमन फाउंडेशन के ट्रस्टी और चेयर अशोक सोलोमन ने कहा कि नोरा सोलोमन फाउंडेशन के जरिए हमारा लक्ष्य हमारे आसपास के लोगों के जीवन में एक सार्थक अंतर लाना है। इस स्कूल का निर्माण कर इस समुदाय को लौटाने का हमारा तरीका है। हमारा मानना है कि यह शिक्षा के जरिए अगली पीढ़ी को सशक्त कर एक दूरगामी मूल्य का सृजन करेगा। चिंटेल्स इंडिया के निदेशक प्रशांत सोलोमन ने कहा कि हमारा मानना है कि विकास, सामाजिक जिम्मेदारी के साथ साथ चलना चाहिए। हमें बाजघेरा के इन बच्चों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य को आकार देने में योगदान करते हुए गर्व है। हर बच्चे के पास सपने देखने, सीखने और जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक टूल्स उपलब्ध हों, यह सुनिश्चित करने यह स्कूल एक हार्दिक प्रतिबद्धता है।

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने लिया मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्व उद्यमिता दिवस पर 21 अगस्त को राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। इसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे।विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा के लिए उपायुक्त अनीश यादव व पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने मंगलवार को कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि विश्व उद्यमिता दिवस पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में एक प्रदर्शनी भी

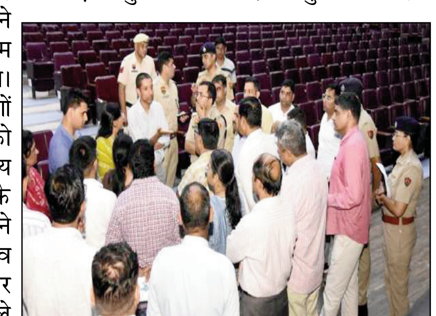

लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के साथ-साथ कौशल विकास विभाग की ओर से 57 स्टॉल लगाई जाएगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस अवसर पर युवाओं और नव उद्यमियों से संवाद करेंगे। साथ ही देश के प्रमुख उद्यमी भी युवाओं के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे।

पानीपत पुलिस ने तैनात की चार दंगा निरोधक कंपनियां, एसपी ने किया निरीक्षण

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने जिला में किसी भी लॉ एंड ऑडर की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस लाइन में पुलिस के 428 जवानों की चार दंगा निरोधक कंपनी बनाई गई है। कंपनी में तैनात प्रत्येक जवान लाठी, डंडा, बॉडी प्रॉटेक्टर, कैन सिल्ड, हेल्मेट इत्यादी सभी प्रकार के एंटी राइट एक्यूपमेंट से लैस है। एक कंपनी में तीन अलग अलग प्लाटून बनाकर जवानों को तैनात किया गया है। उक्त कंपनियों में तैनात जवान किसी भी लॉ एंड आर्डर स्थिति से निपटने के लिए सक्षम है, और एक ही आदेश पर कम से कम समय में किसी भी स्थान पर लॉ एंड आर्डर सिचुएशन की स्थिति से निपटने के लिए मौके पर नियुक्त किया जा सकता है । पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने जिला सचिवालय परिसर में तीन कंपनियों का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान पुलिस जवानों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है, ताकि आमजन अपने आपको सुरक्षित महसूस करें। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के दौरान

आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनका सहयोग लिया जाए तथा कानून से खिलवाड़ करने वाले असमाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाए।

इस दौरान दंगा नियंत्रण के लिए स्थिति का आंकलन, नियंत्रण की पहली प्रक्रिया से लेकर कई अहम बिन्दुओं के बारें में गहनता से बताया गया। जवानों को दंगा या भीड़ को नियंत्रित करने में बरती जाने वाली सावधानियों बारे महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि यदि भीड़ अनियंत्रित हो जाए तो ऐसी स्थिति में पुलिस अधिकारियों व जवानों को जहां तक हो सके मनोवैज्ञानिक तरीके से भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा भीड़ को कानूनी नजरियें से अवगत करवाए की उनका यह प्रदर्शन व उग्र रुप गैर कानूनी है तथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। तथा भीड़ व मजमे के दौरान पुलिस अफसर व जवानों को हमेशा शांत रहना चाहिए। इस दौरान डीएसपी हेडक्वार्टर सतीश वत्स, सेना क्लर्क रविंद्र, इंस्पेक्टर बिजेंद्र, इंस्पेक्टर कलीराम व अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

जनभागीदारी और सभी के सामूहिक प्रयासों से 'टीबी हारेगा और देश जीतेगा' : सतबीर मान

एजेंसी

फरीदाबाद। एडीसी सतबीर मान ने कहा कि भारत सरकार की ओर से शुरू किए गए 100-दिवसीय सघन टीबी मुक्त भारत अभियान ने टीबी मुक्त भारत के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है, जिसके परिणाम स्वरूप सरकार की ओर से अभियान को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि टीबी के खिलाफ लड़ाई में न केवल सरकारी प्रयासों बल्कि जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। हम सभी को मिलकर टीबी से लडना होगा तभी 'टीबी हारेगा और देश जीतेगा'। एडीसी मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अधिकारियों की बैठक लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को निक्षय शिविर के माध्यम से टीबी से संबंधित नियमित रूप से स्क्रीनिंग के साथ-साथ आमजन को अधिक से अधिक जागरूक करने, निक्षय शपथ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूकता अभियान तेज करने, अधिक से अधिक जांच करने और सामूहिक रूप से प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने संबंधित विभागों को शत प्रतिशत स्क्रीनिंग कवरेज प्राप्त करने के लिए आपसी तालमेल से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि वे कमजोर और उपेक्षित आबादी, विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वालों तक पहुंच को विशेष प्राथमिकता दें। एडीसी ने संबंधित अधिकारियों को कमजोर समूहों का पता लगाने, निदान और उपचार सेवाओं को मजबूत करने और स्क्रीनिंग और परीक्षण अभियानों के माध्यम से शीघ्र पहचान को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने सिविल सर्जन को टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान और उपचार के लिए समर्पित स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने और जिले भर में गहन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने आम जनता से टीबी रोगियों की सहायता करने और टीबी मुक्त भारत बनाने के इस राष्ट्र मिशन में योगदान देने के लिए स्वेच्छा से नि-क्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कराने का भी आह्वान किया।

हरियाणा विस चुनाव में हारे क्षेत्रों के विकास को लेकर योजना बनाएगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान हारे हुए 42 हलकों के विकास पर अब सरकार की पूरा फोकस रहेगा। इन हलकों में भाजपा द्वारा तैनात किए गए प्रभारियों तथा पार्टी के पूर्व उम्मीदवारों की सिफारिशों पर विकास कार्य करवाए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा की उपस्थिति में दिन भर बैठकों का दौर चला।बैठक में प्रदेश महामंत्री व कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, डॉ. अर्चना गुप्ता और सुरेंद्र पूनिया भी मौजूद रहे। बैठक में तय किया गया कि जनता तक सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं को और प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए, ताकि पार्टी की पकड़ जमीनी स्तर पर और मजबूत हो सके। दूसरे चरण की बैठक में भाजपा ने उन 42 नेताओं को बुलाया जो 2024 विधानसभा चुनाव में भाजपा की टिकट पर हार चुके थे। इनमें पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवरपाल गुर्जर और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता जैसे दिग्गज भी

शामिल रहे। इस बैठक का मकसद मिशन-2029 के तहत उन सीटों पर विशेष रणनीति बनाना है, जहां भाजपा को पिछली बार झटका लगा था। मुख्यमंत्री और संगठन पदाधिकारियों ने इन नेताओं से फीडबैक लिया और चुनावी समीकरणों पर गहन मंथन किया। पार्टी का मानना है कि यदि इन सीटों पर पुख्ता तैयारी की जाए तो आने वाले चुनावों में भाजपा का ग्राफ दोबारा ऊपर उठ सकता है।इसके बाद मुख्यमंत्री ने पार्टी के विधायकों के साथ बैठक करके उनके हलकों में चल रही विकास परियोजनाओं पर फीडबैक लिया। संगठनात्मक मजबूती, जनता से सीधा संवाद और हारी हुई सीटों पर रणनीति-इन्हीं तीन बिंदुओं पर मिशन-2029 की नींव रखी जा रही है। राजनीतिक हलकों में इन बैठकों को बेहद अहम माना जा रहा है।

अच्छे नागरिक बनाने के लिए बच्चों में शिक्षा व अनुशासन का रुझान पैदा करें : अशीम कुमार घोष

एजेंसी

जींद। हरियाणा प्रदेश के महामहिम राज्यपाल अशीम कुमार घोष ने कहा कि देश के सच्चे एवं अच्छे नागरिक बनाने के लिए बच्चों का बाल्य काल से ही पढ़ाई, खेल, स्वास्थ्य व अनुशासन की ओर रूझान पैदा करना चाहिए। इसके साथ-साथ उनको अच्छे संस्कार भी देने चाहिए। महामहिम राज्यपाल असीम कुमार घोष जींद जिले के दो दिवसीय दौरे के दौरान दूसरे दिन झांझ कलां व जीतगढ़ गांव के प्राथमिक पाठशाला में आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर महामहिम राज्यपाल अशीम घोष की धर्मपत्नी मित्रा घोष, हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डा. कृष्णलाल मिड्ढा, डीसी मोहम्मद इमरान रजा, पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह, सीआरएसयू के कुलगुरू रामपाल सैनी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और सबसे कीमती संपत्ति है। इन्हें शिक्षा के साथ-साथ संस्कारवान भी बनाएं। बच्चों का खेलों की और भी रुझान बनाएं ताकि नशे से दूर रह कर राष्ट्र की प्रगति में अपना सक्रिय योगदान दे सकें। खेलों से शारीरिक व मानसिक ताकत प्राप्त होती है। उन्होंने अभिभावकों से कहा बच्चों को अपना समय देना चाहिए और यह ध्यान रखें की उनका रुझान किस क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। बच्चों की रुचि के अनुरूप उन्हें अपना क्षेत्र चुनने की आजादी देनी चाहिए। ऐसा करने से बच्चों को सही दिशा में प्रतिभा दिखाने के अवसर मिलेंगे और निश्चित रूप से वह सफलता की नई उचाइयों को छुएंगे।सरकार की ओर से भी शिक्षा व खेलों की ओर बढ़ावा दिया जा रहा है। विगत वर्षो से इन क्षेत्रों में हरियाणा प्रदेश में काफी तरक्की देखने को मिल रही है। हामहिम राज्यपाल असीम कुमार घोष ने इस दौरान दोनों विद्यालयों में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ.-सफाई, रसोईघर, शौचालय, पुस्तकालय इत्यादि का निरीक्षण किया। उन्होंने क्लास रूम में जाकर बच्चों से बातचीत की। उन्होंने बच्चों को दुलार करते हुए आशीर्वाद व चॉकलेट दी। उन्होंने बच्चों से सवाल भी पूछे। राज्यपाल ने रामराये गांव स्थित प्राइमरी स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने उपचाराधीन मरीजों का का हालचाल जाना और फल भेंट किए।

पेट्रोल कारों से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक : गुजरात भारत का ऑटोमोटिव हब बनकर उभरा

*** वित्त वर्ष 2022-23 में गुजरात के ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का भारी निवेश**

अहमदाबाद।

भारत में ऑटोमोटिव क्रांति में गुजरात की अहम भूमिका रही है। अपनी रणनीतिक स्थिति, मज़बूत बुनियादी ढाँचे और निवेश-अनुकूल नीतियों के कारण, गुजरात अन्य राज्यों की तुलना में ऑटो कंपनियों की पहली पसंद बन गया है। उत्तर गुजरात की बात करें तो आज सुजुकी मोटर्स गुजरात के कारण यह क्षेत्र भारत में अग्रणी ऑटोमोटिव विनिर्माण केंद्रों में से एक बन गया है। सुजुकी मोटर्स गुजरात ने 7.5 लाख कार इकाइयों की वार्षिक उत्पादन क्षमता के साथ गुजरात को एक वैश्विक ऑटो हब बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस सफलता को वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में भी प्रदर्शित किया जाएगा। गौरतलब है कि उत्तर गुजरात के लिए वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन (वीजीआरसी) 9-10 अक्टूबर, 2025 को मेहसाणा में आयोजित किया जाएगा। गुजरात में ऑटोमोबाइल क्षेत्र ने 2012 से 2015 के बीच वैश्विक निवेशकों को आकर्षित किया। 2014 में, सुजुकी ने राज्य में एक मेगा विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और गुजरात के ऑटो क्षेत्र को गति मिली। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में गुजरात में महत्वपूर्ण निवेश किया है, जिससे रोज़गार के अपार अवसर पैदा हुए हैं। आज, सुज़ुकी मोटर का गुजरात प्लांट भारत के अग्रणी ऑटोमोबाइल निर्माण संयंत्रों में से एक है। इस संयंत्र ने मेहसाणा के आसपास के ऑटो कंपोनेंट उद्योग में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित किया है।

इतना ही नहीं, सुजुकी मोटर्स गुजरात ने भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 32 अरब रुपये का निवेश करके चौथी उत्पादन लाइन स्थापित करने की भी घोषणा की है। अपने मज़बूत बंदरगाह बुनियादी ढाँचे के कारण, गुजरात वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक रणनीतिक निर्यात केंद्र बन गया है। 2024 में, गुजरात ने दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, जापान, संयुक्त अरब अमीरात और चिली सहित कई देशों को लगभग रु. 3,459 करोड़ मूल्य के ऑटोमोबाइल निर्यात किए। इसके अतिरिक्त, गुजरात ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रु. 29,700 करोड़ का महत्वपूर्ण निवेश दर्ज किया, जो पिछले पाँच वर्षों में 16.4% की मज़बूत **CAGR** दर्शाता है। यानी निवेश 16.4% की वार्षिक दर से बढ़ रहा है।

कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर खरीदने का आज आखिरी दिन, कल मिलेगा डिविडेंड

नई दिल्ली।

सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को तेजी की उम्मीद है। वजह यह है कि आज आखिरी दिन है जब निवेशक शेयर खरीदकर कंपनी के अंतिम डिविडेंड के हकदार बन जाएंगे। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 5.15 प्रति शेयर का डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

कंपनी ने बताया है कि डिविडेंड पाने के लिए 21 अगस्त गुरुवार की तारीख तय की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास कंपनी के शेयर होंगे, उन्हें डिविडेंड दिया जाएगा।

कोल इंडिया अपनी 51वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 28 अगस्त को करेगी। एजीएम में डिविडेंड को मंजूरी मिलने के बाद कंपनी 30 दिनों के अंदर यह भुगतान करेगी। यह सिफारिश पहले 7 मई 2025 को बोर्ड बैठक में की गई थी।

अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कोल इंडिया का शुद्ध मुनाफा 10,943.55 करोड़ रहा, जो पिछले साल की समान अवधि के बराबर है। कंपनी की कुल आय घटकर 37,458.05 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही में 39,388.47 करोड़ थी।

बिक्री घटकर 31,880.43 करोड़ पर आ गई, जो क्यू1 2025 में 33,170.13 करोड़ थी। वहीं खर्च बढ़कर 25,893.12 करोड़ हो गया, जबकि पिछले साल यह 25,326.66 करोड़ था।

19 अगस्त को एनएसई पर कोल इंडिया का शेयर 385.90 पर बंद हुआ, जो पिछले दिन से 0.49 फीसदी कम है। कंपनी का मार्केट कैप फिलहाल 2.38 लाख करोड़ है और यह बीएसई 100 इंडेक्स का हिस्सा है।

मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधान को फिर से लागू करने पर विचार कर रही सरकार

इसका मकसद होगा कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें

नई दिल्ली।

सरकार जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधार के बाद मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को कुछ समय के लिए फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में एक सरकारी अधिकारी के वाले से जानकारी दी गई है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें। अधिकारी ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया है कि केंद्र सरकार बाजार से संचालित मूल्य निर्धारण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अनुचित मुनाफाखोरी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर कंपनियां कर दरों में कमी के अनुरूप अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम नहीं करेंगी तो ऐसा हो सकता है। हम दो साल तक मुनाफाखोरी-रोधी उपायों को लागू करने की योजना बना रहे हैं ताकि कारोबारी दरों में कमी के लाभ को अपनी जेब में न रखें।

बता दें मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को सबसे पहले 2017 में लागू किया गया था। उस समय जीएसटी ने कई अप्रत्यक्ष करों को बदल दिया था और कई वस्तुओं पर कर की दरें कम हो गई थीं। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 171 के तहत लाए गए इन नियमों का उद्देश्य यह तय करना था कि कारोबारी कर की दरों में कमी और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। समय के साथ-साथ इसका दायरा एमआरपी से आगे बढ़कर एफएमसीजी, आतिथ्य सेवा और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगातार दर में कटौती और आईटीसी लाभों को कवर करने तक विस्तृत किया गया।

सरकार ने इन नियमों के साथ मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) की स्थापना भी की थी। इसका काम उन कंपनियों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना था जो कर की कम दरों का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रही थीं।

इसके अलावा किसी भी अनियमित एवं अनुचित मुनाफाखोरी गतिविधियों को विनियमित करने के लिए राष्ट्रीय मुनाफाखोरी-रोधी प्राधिकरण (एनएए) का गठन किया गया था। दिसंबर 2022 में एनएए के विघटन के बाद भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को ही मुनाफाखोरी-रोधी मामलों को संभालने की जिम्मेदारी दी गई। अक्टूबर 2024 से यह क्षेत्राधिकार जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) दिल्ली के प्रधान पीठ को स्थानांतरित कर दिया गया।

ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी ओला इलेक्ट्रिक

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक साल 2027 में अपनी बहुप्रतीक्षित ई-बाइक डायमंडहेड को लॉन्च करेगी। यह बाइक 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार मात्र दो सेकंड में पकड़ सकती है। इसमें ओला का विशेष मूव ओएस ऑपरेटिंग सिस्टम, सेल्फ-ड्राइविंग फीचर और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग के लिए कृत्रिम सिलिकॉन मिलेगा, जिससे यह पूरी तरह स्मार्ट मशीन बन जाएगी। इसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये तक हो सकती है। ओला डायमंडहेड को हल्के लेकिन बेहद मजबूत एयरो लाइट मटेरियल से बनाया गया है, जिसमें एक्टिव एयरोडायनेमिक्स तकनीक दी गई है। यह न केवल हवा के प्रवाह को नियंत्रित करके बाइक को तेज गति से चलने में मदद करती है, बल्कि स्थिरता भी बनाए रखती है।

बेहतर नियंत्रण के लिए इसमें हब-सेंटर्ड स्टीयरिंग लगाया गया है, जो फुल स्पीड पर भी राइड को संतुलित रखेगा। यह ई-बाइक एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) से लैस होगी, जिसमें रियल-टाइम अलर्ट, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। राइडर को एक स्मार्ट एआर हेलमेट भी मिलेगा, जो सड़क और ट्रैफिक की सटीक जानकारी प्रदान करेगा।

लंबी दूरी की राइड के लिए इसे एक्टिव एर्गोनॉमिक्स के साथ डिजाइन किया गया है। सड़क की स्थिति के अनुसार इसका सस्पेंशन अपने आप एडजस्ट होगा। राइडर के स्वास्थ्य और राइड डेटा पर नज़र रखने के लिए स्मार्ट वियरेबल्स भी उपलब्ध रहेंगे। साथ ही एक्सट्रीम फास्ट चार्जिंग तकनीक इसे कुछ ही मिनटों में चार्ज कर देगी।

ओला का कहना है कि डायमंडहेड सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के भविष्य को परिभाषित करेगी।

रुस-यूक्रेन युद्ध के चलते भारत खरीद रहा रुसी ऊर्जा, इसलिए ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया

-लेविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति चाहते हैं कि क्षेत्र में जल्द शांति स्थापित हो

नई दिल्ली।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अलग से टैरिफ लगा दिया है। व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने कहा कि यह कदम रूस को युद्ध जारी रखने से रोकने के लिए उठाया गया है। लेविट ने कहा कि भारत लगातार रूसी ऊर्जा खरीद रहा है, इसी कारण टैरिफ दोगुना यानी 50 फीसदी कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप लगातार दबाव बना रहे हैं कि यह युद्ध जल्द खत्म हो। उन्होंने भारत पर प्रतिबंध और दूसरे कदम उठाए हैं ताकि रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत हो सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की और सात यूरोपीय नेताओं से साथ मुलाकात की थी। इस बैठक में युद्ध खत्म करने के विकल्पों पर चर्चा की गई। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं कि जल्द शांति स्थापित हो। बैठक के बाद नाटो महासचिव समेत सभी यूरोपीय नेता इसे सही दिशा में पहला कदम बताया। व्हाइट हाउस का दावा है कि अगर ट्रंप पहले से राष्ट्रपति होते, तो यह युद्ध कभी शुरू ही नहीं होता। रिपोर्ट के मुताबिक लेविट ने दोहराया कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराकर तनाव कम करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब हालात बिगड़ रहे थे, तब ट्रंप ने व्यापार को हथियार बनाकर दोनों देशों के बीच युद्धविराम कराया। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध उन्होंने रुकवाया। भारत ने इस दावे को हमेशा खारिज किया है, लेकिन पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने ट्रंप को इस समझौते का श्रेय देते हैं।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 87.06 रुपये पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को रुपया 87.04 पर बंद हुआ था। गत दिवस शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। रुपये की इस मजबूती को निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है, जो देश की आर्थिक नीतियों में भरोसे को दर्शाता है।

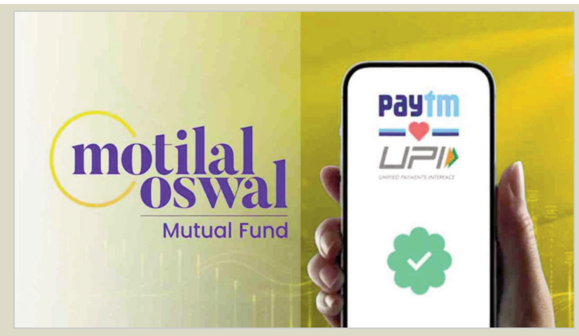

मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे

-इसके साथ हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हुई

नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने फिनटेक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम की पैरेंट कंपनी) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। कंपनी ने एक्सचेंज को बताया कि अब उसके पास पेटीएम में 5.15 फीसदी हिस्सेदारी है। मंगलवार को दाखिल की गई एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक मोतीलाल ओसवाल ने पेटीएम के 26,31,244 अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं। इसके साथ ही उनकी हिस्सेदारी 4.74 फीसदी से बढ़कर 5.15 फीसदी हो गई है। अब उनके पास कुल 3,29,11,399 शेयर हैं। मंगलवार को पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का शेयर 4.6 फीसदी या 53.75 बढ़कर 1,227.30 पर बंद हुआ था। दिन के दौरान इसने 1,232.65 का हाई छुआ यानी करीब 5 फीसदी की तेजी दर्ज की। कंपनी का मार्केट कैप अब करीब 78,360 करोड़ है। इसी दिन मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर भी 2.31 फीसदी या 21.70 बढ़कर 959.85 पर बंद हुए। इस कंपनी का मार्केट कैप करीब 57,544 करोड़ है। बता दें हाल ही में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने क्विक-कॉमर्स स्टार्टअप जेप्टो में भी बड़ा निवेश किया था। कंपनी ने 400 करोड़ लगाकर जेप्टो के 7.54 करोड़ कम्पलसरीली कन्वर्टिबल प्रेफरेंस शेयर खरीदे थे। यह डील 12 अगस्त को रेगुलेटरी फाइलिंग में दर्ज की गई थी।

नए लुक में लॉन्च हुई टाटा पंच ईवी, नए कलर के साथ एडवांस फीचर्स भी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की सबसे पॉपुलर और किफायती इलेक्ट्रिक कारों में से एक टाटा पंच ईवी अब नए लुक में बाजार में आ गई है। अपनी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन और एडवांस फीचर्स के लिए पंच ईवी अब दो नए कलर के साथ बाजार में उपलबध है। साथ ही कंपनी ने इसकी चार्जिंग स्पीड में भी सुधार किया है, जिससे यह कार पहले से ज्यादा प्रैक्टिकल और यूजर फ्रेंडली बन गई है। टाटा पंच ईवी में अब प्यूर ग्रे और सुपरनोवा कॉपर कलर शामिल किया गया है। इन नए शेड्स के जुड़ने के बाद पंच ईवी कुल सात रंगों में बाजार में उपलब्ध होगी। खास बात यह है कि इसके सभी कलर ब्लैक रूफ के साथ डुअल-टोन फिनिश में आते हैं, जो कार को और भी प्रीमियम और स्टाइलिश बना देते हैं। टाटा ने पंच ईवी की डीसी फास्ट चार्जिंग स्पीड को बेहतर बनाया है। जहां पहले इस कार को 10 फीसदी से 80 फीसदी तक चार्ज करने में 56 मिनट लगते थे, अब इसे सिर्फ 40 मिनट में चार्ज किया जा सकेगा। केवल 15 मिनट की चार्जिंग में पंच ईवी करीब 90 किलोमीटर की दूरी तय करेगी, जिससे लंबी यात्राओं में यह मददगार साबित होगी। टाटा पंच ईवी न केवल स्टाइलिश है, बल्कि टेक्नोलॉजी से भी लैस है। इसमें 10.25-इंच का डुअल स्क्रीन सेटअप लगाया गया है, जिसमें इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर शामिल हैं। इसके अलावा, कार में वायरलेस एंडराड ऑटो और एपल कारप्ले, रियर ऐसी वेंट, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, एयर प्यूरीफायर और 6-स्पीकर साउंड सिस्टम जैसे फीचर्स मिलते हैं। कंफर्ट के लिए वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एंबिएंट लाइटिंग और सिंगल-पेन सनरूफ भी मौजूद हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 213 अंक , निफ्टी 70 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 213.45 अंक की तेजी के साथ करीब 81,850 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 70 अंक बढ़कर 25,000 के स्तर के ऊपर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन मिलाजुला रहा, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.46 फीसदी और 0.30 फीसदी की तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी बैंक में 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की खरीदारी के बाद फिर से शुद्ध विक्रेता रहे और भारतीय शेयरों में 634.26 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,261.06 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी के साथ अपना समर्थन बनाए रखा।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे। वहीं भारती एयरटेल, इन्फोसिस और एनटीपीसी के शेयर में तेजी रही। जानकारों के अनुसार एनएसई का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी पिछले तीन दिनों में जीएसटी सुधारों से संबंधित सकारात्मक घोषणाओं के कारण 364 अंक उछला है जिससे भी बाजार को बल मिला है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी। निवेशकों ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार मामले पर होने वाली बातचीत से पहले से सतर्क रुख अपनाने हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। आज सुबह सेंसेक्स पिछले बंद भाव से 68.3 अंक की गिरावट के साथ 81,576.09 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी सुबह 26.5 अंक टूटकर 24,965.80 पर खुला।

सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादा शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और ट्रेंट जैसे शेयर शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी, इंफोसिस और टीसीएस सबसे ज़्यादा लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में भी आज सुबह गिरावट से शुरुआत हुई। सुबह दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.87 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.11फीसदी गिरा। अमेरिकी बाजार में भी गिरावट रही। वहीं तकनीकी शेयरों में कमजोरी के कारण एसएंडपी 500 में 0.59 फीसदी की गिरावट, नेसडेक में 1.46फीसदी की गिरावट और डॉओ जोंस लगभग स्थिर रहा।

एयरपोर्ट जाने से पहले वेबसाइट या ऐप पर उड़ान की स्थिति देखें

मुंबई में भारी बारिश से उड़ानें बाधित, इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

मुंबई। मुंबई में भारी बारिश से उड़ाने भी बाधित हो रही हैं। इसके मद्देनजर भारत की प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने यात्रियों के लिए बुधवार को एडवाइजरी जारी की। इंडिगो एयरलाइंस ने एक्स पर पोस्ट करके बारिश की आशंका के कारण हवाई यात्रा पर असर पड़ने की बात कही है। कंपनी ने पोस्ट में लिखा- हम चाहते हैं कि आपकी यात्रा यथासंभव परेशानी मुक्त हो, लेकिन प्रकृति की भी अपनी योजनाएं हैं। मुंबई में भारी बारिश की आशंका है, जिससे हवाई यातायात में भीड़भाड़ और उड़ान संचालन पर असर पड़ सकता है। एयरलाइंस ने आगे लिखा- हम संचालन को सुचारू रखने के लिए अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हम पहले से योजना बनाने की सलाह देते हैं। आपकी उड़ान के शेड्यूल में कोई भी बदलाव आपके पंजीकृत संपर्क विवरण के जरिए से साझा किया जाएगा, इसलिए सुनिश्चित करें कि वे अपडेट रहें। एयरपोर्ट जाने समय से पहले निकलने की सलाह देते हुए इंडिगो ने लिखा- एयरपोर्ट जाने से पहले हमारी वेबसाइट या ऐप पर अपनी उड़ान की स्थिति देखें और जलभराव और धीमी गति से चलने वाले ट्रैफिक की संभावना के कारण, अपनी यात्रा के लिए कुछ अतिरिक्त समय निकालें। सड़कों पर सुरक्षित रहें और तैयार होकर यात्रा करें। इससे पहले बुधवार को इंडिगो एयरलाइंस ने पोस्ट करके एक एडवाइजरी जारी की थी। उसमें भी विमानन कंपनी ने कई विमानों के आगमन और प्रस्थान में देरी की आशंका जताई थी और यात्रियों को इंडिगो की ऐप और वेबसाइट से यात्रा संबंधी प्रमुख गाइडलाइन्स को फॉलो करने की सलाह दी थी। मौसम विभाग ने मुंबई में भारी बारिश की चेतावनी दी थी, जिसके कारण उड़ानों के समय में बदलाव या देरी की संभावना जताई जा रही है। आईएमडी ने महाराष्ट्र में 16 से 21 अगस्त के दौरान भारी बारिश जारी रहने की संभावना जताई थी।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर उद्योग जगत की अपील कहा- बैठक कर पहले चर्चा जरुरी

नई दिल्ली।

ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ), ई-गेमिंग फेडरेशन (ईजीएफ) और फेडरेशन ऑफ इंडिया फैंटेसी स्पोर्ट्स (एफआईएफएस) द्वारा संयुक्त रूप से लिखे गए पत्र में, उद्योग जगत के नेताओं ने कहा कि उनका मानना है कि ऑनलाइन स्किल गेमिंग इंडस्ट्री प्रधानमंत्री के 1 ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण की आधारशिलाओं में से एक हो सकता है। ऐसे में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने सरकार के साथ तत्काल बैठक का अनुरोध किया है। उनका कहना है कि अगर यह विधेयक पारित हो जाता है, तो भारतीय यूजर्स और नागरिकों को गंभीर नुकसान होगा।

गेमिंग संगठनों ने पत्र में कहा, हमें विश्वास है कि आपके समर्थन से, भारत का गेमिंग क्षेत्र जिम्मेदारी से आगे बढ़ सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है, महत्वपूर्ण कर राजस्व में योगदान दे सकता है और अवैध ऑपरेटरों को रोक सकता है। यह विधेयक ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म को एक कानूनी ढांचे के तहत लाने और डिजिटल ऐप्स के माध्यम से जुआ खेलने पर दंड लगाने का प्रस्ताव करता है। प्रस्तावित कानून राज्य के कानूनों में लत, धोखाधड़ी और विसंगतियों पर चिंता व्यक्त करता है और इसमें दंड और सजा के प्रावधान हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को ऑनलाइन गेमिंग के लिए केंद्रीय नियामक के रूप में नामित किया जा सकता है। इस विधेयक का उद्देश्य अनधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी पर भी रोक लगाना है। गेमिंग फेडरेशन के अनुसार, ऑनलाइन स्किल गेमिंग एक उभरता हुआ क्षेत्र है, जिसका उद्यम मूल्यांकन 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक है, राजस्व 31,000 करोड़ रुपए से अधिक है, वार्षिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर 20,000 करोड़ रुपए से अधिक है और यह 20 प्रतिशत सीएजीआर से बढ़कर 2028 तक और भी अधिक ऊंचाइयों को छूने के साथ दोगुना होने वाला है। भारतीय ऑनलाइन गेमर्स की कुल संख्या 2020 में 36 करोड़ से बढ़कर 2024 में 50 करोड़ से अधिक हो गई।

पत्र में आगे कहा गया है, भारत के गेमिंग उद्योग ने जून 2022 तक 25,000 करोड़ रुपए से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया है। यह उद्योग वर्तमान में 2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन करता है, और अगले कुछ वर्षों में यह संख्या काफी बढ़ जाएगी।

अगस्त से नवंबर के बीच कई नए मॉडल होंगे लॉन्च

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल कंपनियां भारतीय बाजार में अगस्त से नवंबर के बीच कई नए मॉडल लॉन्च करने की तैयारी में हैं। कंपनियों का सबसे ज्यादा फोकस इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर रहेगा। टाटा सिएरा ईवी, ई-विटारा और विनफास्ट एसयूवी जैसी किफायती गाड़ियों से लेकर बीएमडब्ल्यू आईएक्स 2025, ऑडी क्यू6 ई-ट्रॉन और मर्सडीज बेंझ सीएलए इलेक्ट्रानिक जैसी लग्जरी गाड़ियां लॉन्च होंगी। महिंद्रा भी अपने वीजन एस और एसएक्सटी कॉन्सेप्ट को प्रोडक्शन की ओर ले जा रही है। दोपहिया सेगमेंट में स्कूटर्स और प्रीमियम ई-मोटरसाइकिलें आएंगी, हालांकि बड़े पैमाने पर बिकने वाली इलेक्ट्रिक बाइक्स के लिए अभी एक साल इंतजार करना होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल अगस्त से नवंबर का समय भारत में अब तक का सबसे बड़ा ईवी लॉन्च सीजन साबित हो सकता है। इसमें लग्जरी से लेकर किफायती तक, हर तरह की गाड़ियां एक साथ बाजार में आएंगी, जिससे शहरी और अर्ध-शहरी दोनों तरह के ग्राहकों की मांग को बढ़ावा मिलेगा। 2025 की पहली छमाही में ही टेस्ला ने अपने मॉडल वाय के साथ भारतीय बाजार में दस्तक दी, जिसने माहौल को और गरमाया। इसके बाद हुंडई क्रेटा ईवी, टाटा हैरियर ईवी, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी, हुंडई वेन्यू ईवी और महिंद्रा की नई क्ष्थ सीरीज जैसे कई मॉडल लॉन्च हुए।

विकसित भारत के लिए मोदी का सुधारों का ब्रह्मास्त्र

हरदीप एस पुरी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्या प्तो असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे– साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों –और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्रक इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

मुझे अपने स्कूल के दिनों से ही 15 अगस्त के भाषणों में भाग लेने का सौभाग्य प्राप्त होता रहा है, लेकिन शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी का 12वें स्वतंत्रता दिवस का भाषण अभूतपूर्व और असाधारण था। इसमें विकसित भारत के पथ पर भारत की गति बढ़ाने के दिशा में सीधे तौर पर लक्षित-ब्रह्मास्त्र- अर्जुन का अकाट्य पौराणिक अस्त्र - छोड़ा गया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में व्या प्तो असामान्ये उथल-पुथल के दौर के बीच, विकसित भारत का सपना संजोए भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर आगे बढ़ना जारी रखे हुए है। यह भाषण केवल अपनी व्यापकता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने दायरे– साहसिक, भविष्योन्मुखी और 1.4 बिलियन लोगों के भाग्य को नया आकार देने में सक्षम अगली पीढ़ी के सुधारों –और उस विजन के प्रति स्पष्टता के लिए भी उल्लेखनीय है, जिसका यह राष्ट्रक इससे पहले कभी साक्षी नहीं रहा।

उदाहरण के लिए, डिजिटल इंडिया स्टैक को ही लें, यूपीआई दुनिया के आधे रीयल-टाइम लेनदेन के लिए उत्तररदायी है और साल के अंत तक होने वाला, पहली मेड-इन-इंडिया चिप का लॉन्चत, वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में भारत की अग्रणी स्थिति को दशार्ता है। ऐसे समय में जब राष्ट्रों की नियति सेमीकंडक्टर निर्धारित करते हैं, महत्वपूर्ण तकनीकों पर संप्रभुता का भारत का यह दावा किसी डिजिटल स्वराज से कम नहीं है।

ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से भारत के विकास की राह की सबसे बड़ी कमजोरी रही है। दशकों तक, झिझक और 'नो गो' क्षेत्रों ने अन्वेषण को बाधित किया और आयात पर निर्भरता बढ़ा दी। वह दौर अब बीत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने ईईजेड में 'नो गो' क्षेत्रों को लगभग 99% तक कम कर दिया है, जिससे 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र ईएंडपी के लिए मुक्त हो गया है। ओएएलपी के साथ, इसने भारतीय और वैश्विक दिग्गजों, दोनों के लिए समान रूप से एक विशाल क्षेत्र खोल दिया है–हमारे हाइड्रोकार्बन बेसिन अब निष्क्रिय नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय प्रगति के लिए उपयोग में लाए जाएँगे।

लाल किले की प्राचीर से घोषित ऐतिहासिक राष्ट्रीय गहरे जल अन्वेषण मिशन, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में एक महत्वाकांक्षी दूरदर्शी एजेंडा निर्धारित करता है। इस मिशन का लक्ष्य लगभग 40 वाइल्डकैट कुओं की ड्रिलिंग के माध्यम से 600-1200 मिलियन मीट्रिक टन तेल और गैस भंडारों का पता लगाना है। पहली बार, बंगाल की खाड़ी से लेकर अरब सागर तक भारत अपनी जटिल अपतटीय सीमाओं को व्यवस्थित रूप से खोलेगा, एक ऐसे ढाँचे के साथ जो सूखे कुओं की स्थिति में 80 प्रतिशत तक और व्यावसायिक खोज पर 40 प्रतिशत तक लागत की वसूली की अनुमति देकर निवेश के जोखिम को कम करता है।

यह पहल एक व्यापक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत 2032 तक घरेलू तेल और गैस उत्पादन को तिगुना बढ़ाकर 85 मिलियन टन और राष्ट्रीय भंडार को दोगुना करके एक से दो बिलियन टन के बीच किया जा सकता है। लगभग 8 मिलियन टन उत्पादन के बराबर, अतिरिक्त 100-250 बिलियन क्यूकबिक मीटर गैस उपलब्ध कराने के लिए प्लग-एंड-प्ले आधार पर अपतटीय साझा बुनियादी ढाँचा बनाया जाएगा। ये सभी उपाय न केवल पहले से अटकी हुई खोजों का मुद्रीकरण करेंगे, बल्कि एक आत्मनिर्भर ईएंडपी इकोसिस्ट म का निर्माण भी करेंगे, जहाँ स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं की हिस्सेदारी आज के 25-30 प्रतिशत से बढ़कर 70 प्रतिशत से अधिक हो जाएगी। यह आजादी के बाद से भारत का सबसे व्यापक अपस्ट्रीम सुधार है।

साथ ही, ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में भारत वैश्विक स्तधर पर अग्रणी बनकर उभरा है। भारत 2030 के लक्ष्य से पाँच साल पहले ही 2025 तक 50% स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य तक पहुँच गया है। जैव ईंधन और हरित हाइड्रोजन प्रायोगिक स्तर से उत्पादन की ओर बढ़ रहे हैं; इथेनॉल मिश्रण और सीबीजी स्केल-अप एक नए ग्रामीण-औद्योगिक आधार का निर्माण कर रहे हैं; एलएनजी के बुनियादी ढाँचे का विस्तार जारी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि असैन्य परमाणु ऊर्जा को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में, 10 नए परमाणु रिएक्टर चालू हैं, और भारत का लक्ष्य अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष तक अपनी परमाणु ऊर्जा क्षमता को दस गुना बढ़ाना है। यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य 2047 तक ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने की भव्य योजना का हिस्सा है।

प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की घोषणा हमारी औद्योगिक रणनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। ऐसे समय में जब दुनिया लिथियम, दुर्लभ मृदा तत्व , निकल और कोबाल्ट के सामरिक महत्व को पहचान रही है, भारत ने 1,200 से अधिक स्थलों पर अन्वेषण शुरू किया है और साझेदारी, प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण का ढाँचा तैयार कर रहा है ताकि नवीकरणीय ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, ईवी और उन्नत रक्षा क्षेत्र कभी भी बाहरी अवरोधों के अधीन न रहें।

राष्ट्रीय सुरक्षा लाल किला चार्टर का एक अन्य स्तंभ था। ऑपरेशन सिंदूर ने परमाणु ब्लैकमेल के युग का अंत करते हुए वास्तविक समय में भारत की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया और यह संदेश दिया कि आक्रमण का जवाब तेजी और कुशलता से दिया जाएगा। सिंधु जल संधि को स्थरगित करना संप्रभुता का साहसिक दावा है। सबसे बढ़कर, मिशन सुदर्शन चक्र का अनावरण, युद्धभूमि में भगवान श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन की रक्षा से प्रेरित है, जो मोदी की शैली– सभ्यतागत प्रतीकवाद के अत्याधुनिक तकनीक से मेल का प्रतीक है।

एक बहुस्तरीय स्वदेशी सुरक्षा कवच भारत के महत्वपूर्ण संस्थानों की साइबर, भौतिक और हाइब्रिड खतरों से रक्षा करेगा। प्रधानमंत्री ने हमारे लड़ाकू विमानों को शक्ति प्रदान करने वाले इंजनों के डिजाइन और निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय चुनौती जारी की है, और वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों से संयोजन या असेंबली से ऑथरशिप तक की छलांग लगाने का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री ने कठोर सत्यों से भी परहेज नहीं किया। उन्होंने उद्योग जगत और किसानों से आत्मनिर्भरता अपनाने और उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने का आग्रह किया। हालाँकि भारत दुनिया की फामेर्सी है, जो वैश्विक टीकों का 60% का उत्पादन करता है, अब इसे नई दवाओं, टीकों और उपकरणों के क्षेत्र में भी अग्रणी बनने की दिशा में अग्रसर होना चाहिए। यह बायोई3 नीति के तहत बायोफार्मा को निर्णायक बल देने के साथ-साथ है, जहाँ हमारी महत्वाकांक्षा ऐसी दवाओं का पेटेंट और उत्पादन करना है जो किफायती और विश्वस्तरीय दोनों हों।

घोषित किए गए कर और कानूनी सुधार भी उतने ही साहसिक हैं। महत्वऔपूर्ण बात यह है कि 1961 का आयकर अधिनियम, जो स्वयं उस युग का अवशेष है, अब बदला जा रहा है। नया आयकर विधेयक जटिलता को कम कर रहा है, 280 अनावश्यक धाराओं को समाप्त कर रहा है और 12 लाख रुपये तक की राहत प्रदान कर रहा है। फेसलेस मूल्यांकन की शुरूआत ने प्रणाली को पारदर्शी, कुशल और भ्रष्टाचार-मुक्त बना दिया है।

दिवाली तक लॉन्च किया जाने वाला अगली पीढ़ी का जीएसटी 2.0, दरों को और अधिक तर्कसंगत बनाएगा और अनुपालन को बढ़ावा देगा। 40,000 से ज्यादा अनावश्यक अनुपालनों को समाप्त करने, 1,500 से ज्यादा पुराने कानूनों को निरस्त करने और दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता के साथ, यह नेहरू के आर्थिक पिंजरे को तोड़ने जैसा है। ये सुधार केवल बैलेंस शीट में ही नहीं, बल्कि जीवन में भी सुधार लाते हैं। 25 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों तक पहुँचकर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण - ने कल्याण में जवाबदेही को अंतर्निहित किया है और 25 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को गरीबी से बाहर निकाला है।

रोजगार पर फोकस को भी केंद्र में लाया गया है। पीएम विकसित भारत रोजगार योजना 1 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ लॉन्चर की गई है; नए रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे, नए रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाली कंपनियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, और इस कार्यक्रम का लक्ष्य लगभग 3.5 करोड़ युवा भारतीयों तक पहुँचना है।

महत्वाकांक्षा को वास्त.विकता में बदलने के लिए प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया है–इस निकाय को आर्थिक गतिविधियों के पूरे इकोसिस्ट म को नया रूप देने के लिए बनाया गया है। इसका अधिदेश जितना साहसिक है, उतना ही लंबे अर्से से अपेक्षित भी हैः हमारे स्टार्टअप्स और एमएसएमई पर बोझ डालने वाली अनुपालन लागत में कटौती करना, उद्यमों को निरंतर मनमानी कार्रवाई की छाया में रहने से छुटकारा दिलाना, तथा जटिल कानूनों को सरल, पूवार्नुमानित और व्यवस्थित ढांचे में ढालना।

15 अगस्त को घोषित सुधार, केवल अगले दिन की सुर्खियों के लिए नहीं, बल्कि 2047 के भारत से संबंधित हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री ने हमें याद दिलाया, दुनिया एक प्राचीन सभ्यता को - अपनी जड़ों को त्यागकर नहीं, बल्कि उनसे शक्ति प्राप्त करके आधुनिक शक्ति में तब्दील होते हुए देख रही है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

संपादकीय

मखौल न करें

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा की गई प्रेस वार्ता के बाद विपक्षी दलों के गठबंधन इंड़िया इस लड़ाई को आगे ले जाने को तैयार है। वे कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने का विचार कर रहे हैं। गठबंधन का कहना है कि बिहार में मतदाता सूची संशोधन और वोट चोरी के उनके सवालों में से किसी का भी जवाब नहीं दिया गया। कांग्रेस ने पलटवार करते हुए चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट को मतदाता सूची में गड़ब़ड़ी न होने का हलफनामा देने को कहा। इसके बाद ही वे हलफनामा देकर इस गड़ब़ड़. का सबूत देंगे। मामले ने तब तूल पकड़ा जब सदन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा मतदाता अधिकार के नाम पर बिहार यात्रा चालू कर दी गई। आयोग स्थायी संवैधानिक निकाय है जिसमें पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ही होता था। मगर बाद में दो अन्य आयुक्तों को भी शामिल किया गया। उन्हें आपसी सहमति से विपक्ष के आरोपों का निपटान करते नजर आना चाहिए। इसकी बजाय उसने पहली दफा ऐसा पैंतरा चलने का जोखिम लिया जो आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिह्न लगाता है जैसा कि विपक्षी दलों ने इस प्रेस वार्ता के बाद एक सुर में आयोग को सत्ताधारी दल का प्रवक्ता तक ठहरा दिया। बेशक, आयोग मतदाता पंजीकरण और सूची के लिए जिम्मेदार है परंतु नियमानुसार राजनीतिक दलों को पंजीकरण और दावों के दिए वक्त में सुधारात्मक कदम उठाने का मौका दिया जाता है। चुनाव परिणामों के बाद होने वाले विवादों से संस्थागत विश्वास दरकने का जोखिम बढक्स्त्रा जा रहा है। संदेह की गुंजाइश दूर की बात है। विपक्ष गंभीर आरोपों को सिद्ध करने में असफल होता है तो यह भी लोकतंत्र का मखौल साबित होगा। सत्ताधारी दल के निर्णयों या तौर-तरीकों पर उंगली उठाने के संवैधानिक अधिकार हमेशा उनके पास सुरक्षित हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं का पारदर्शी नजर आना जरूरी है। खासकर चुनाव आयोग से उम्मीद की जाती है कि शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बगैर भी विश्वास के इस क्षरण को थामने का भरसक प्रयास करे। निःसंदेह वोट का चोरी का आरोप बेहद गंभीर है। उससे भी ज्यादा गंभीर होगा, मुख्य चुनाव आयुक्त का कठघरे में खड़ा होना। यहां सवाल किसी खास शख्स या विचार का नहीं है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था पर बिला-वजह पड़. रहे कीचड़. के छींटों का है जिस पर सवा अरब देशवासियों का न सिर्फ भविष्य निर्भर है, बल्कि देश की साख का ख्याल भी रखना है।

चिंतन-मनन

नर या नारायण कौन थे राम

श्रीराम पूर्णतः ईश्वर हैं। भगवान हैं। साथ ही पूर्ण मानव भी हैं। उनके लीला चरित्र में जहां एक ओर ईश्वरत्व का वैचित्रमय लीला विन्यास है, वहीं दूसरी ओर मानवता का प्रकाश भी है। विश्वव्यापिनी विशाल यशकीर्ति के साथ सम्यक निरभिमानिता है। वज्रवत न्याय कठोरता के साथ पुष्यवत प्रेमकोमलता है। अनंत कर्ममय जीवन के साथ संपूर्ण वैराग्य और उपरति है। समस्त निषमताओं के साथ नित्य सहज समता है। अनंत वीरता के साथ मनमोहक नित्य सौंदर्य है। इस प्रकार असंख्य परस्पर विरोधी गुणों और भावों का समन्वय है। भगवान श्री राम की लीला चरित्रों का श्रद्धा भक्ति के साथ चिंतन, अध्ययन व विचार करने पर साधारण नर नारी भी सर्वगुण समन्वित एवं सर्वगुण रहित अखिल विश्व व्यापी, सवार्तीत, सर्वमय श्रीराम को अपने निकटस्थ अनुभव कर सकते हैं। श्री राम में नर और नारायण तथा मानव और ईश्वर की दूरी मिटाकर भगवान के नित्य परिपूर्ण स्वरूप का परिचय मिलता है। भगवान पुरुषोत्तम ने श्री राम के रूप में प्रकट होकर मानवीय रूप में सांसारिक लोगों के दिलो दिमाग पर नित्य प्रभुत्व की प्रतिष्ठा कर समस्त भारतीय संस्कृति को आध्यात्म भाव से ओतप्रोत कर दिया है। रामचरितमानस महाकवि तुलसीदास की अमर कृति है। यह एक ऐसा सर्वोपयोगी आदर्श प्रदर्शित करने वाला पवित्र धर्मग्रंथ है। जिसने मयार्दा पुरुषोतम भगवान श्रीराम को समस्त नर नारियों के हृदय में परम देवत्व रूप के साथ अत्यंत आत्मीय रूप में प्रतिष्ठात किया है। इसने शिक्षित अशिक्षित? आबाल वृद्ध शास्त्र पुरुष सभी प्रकार के जीवन को श्रीराम के प्रति भक्ति तथा प्रेम के दिव्य, मधुर सुधारस से अभिषिक्त कर अपना अद्भुत प्रभाव विस्तार किया है। श्रीरामचरितमानस के श्रीराम सर्वसद्गुण संपन्न मयार्दारक्षक परम आदर्श शिरोमणि होने के साथ ही स्वमहिमा में स्थित महामानव है। ...

आतंकवाद के पीड़ितों निर्दोष लोगों के प्रति स्मृति और श्रद्धांजलि

संजय गोस्वामी

आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21 अगस्त, 2025 को मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह दिन आतंकवाद से प्रभावित लोगों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए समर्पित है। इसे विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन उन लोगों को याद करने और करुणा और लचीलेपन को बढ़ावा देने वाले कार्यों के माध्यम से पीड़ितों का समर्थन करने के लिए मनाया जाता है।26 नवंबर, 2008 को, दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिनमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए। सुरक्षा बलों ने 29 नवंबर, 2008 को हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले को अंजाम दिया था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे। यह हमला 9/11 के बाद सबसे घातक और बेशर्म आतंकवादी घटना थी। तब और अब, दोनों ही समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त है। अपनी पुस्तक, *अवॉइडिंग आमार्गेडनः अमेरिका, इंडिया, एंड पाकिस्तान टू द ब्रिंक एंड बैक* पर काम करते हुए, यह स्पष्ट हो गया कि मुंबई हमले की साजिश में एक तीसरा पक्ष गुप्त रूप से शामिल थाः अल-कायदा। हालाँकि अल-कायदा ने अपनी गतिविधियों को गुप्त रखा, लेकिन उसने लश्कर-ए-तैयबा को हमले की योजना बनाने और लक्ष्य चुनने में मदद की।

26 नवंबर, 2008 को दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। 29 नवंबर, 2008 को सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ लिया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा इस हमले के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे। यह 9/11 के बाद का सबसे घातक और सबसे निर्लज्ज आतंकवादी हमला था। तब और अब, दोनों समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफि या एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस हफ़्ते भारत में उसकी संलिप्तता के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और विशेष रूप से इस ऑपरेशन के लिए पाकिस्तान स्थित इसके शिविरों में प्रशिक्षण लेने की बात कबूल की। उसने इस साज़िश में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया था। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफि ज सईद पाकिस्तान में फरार है और अक्सर भारत, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ सार्वजनिक रूप से वकालत करता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका के साथ संबंध तोड़ने की माँग करता है। अल-कायदा को 2008 के हमले से बड़ी उम्मीदें थीं, उसे उम्मीद थी कि इससे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष छिड़ जाएगा जो अफगानिस्तान में नाटो के अभियानों को बाधित कर सकता है और अल-कायदा पर ड्रोन हमलों में बाधा डाल सकता है। हालाँकि, भारत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीति को चुना, और अंततः खतरा टल गया। सईद के समर्थकों में पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी, आईएसआई शामिल हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम करती हैं। कसाब ने सीधे तौर पर आईएसआई पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उसने प्रशिक्षण और लक्ष्य चयन में मदद की थी। दो पाकिस्तानी प्रवासियों, अमेरिकी डेविड हेडली और कनाडाई तहव्वुर राणा ने भी अमेरिकी अदालतों में स्वीकार किया है कि उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा को मुंबई नरसंहार की योजना बनाने में मदद की थी और आईएसआई ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। दोनों को दोषी ठहराया गया था, और हमले की तैयारी के लिए मुंबई की उनकी टोही यात्राओं का वित्तपोषण आईएसआई ने किया था। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस सप्ताह भारत में उसके अपराधों के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और हमले के लिए पाकिस्तान स्थित उसके शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करने की बात स्वीकार की। उसने इस ऑपरेशन की योजना बनाने में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफिज सईद अभी भी पाकिस्तान में फरार है और बड़ी-बड़ी रैलियों में भारत, अमेरिका और इजराइल की खुलकर आलोचना करता रहता है।

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

ललित गर्ग

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पड़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़ें अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरूआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-'समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना'। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है। समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की।

प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्त्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक बड़ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

स्विट्जरलैंड ने की रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की मेजबानी की पेशकश

एजेंसी

बर्न। स्विट्जरलैंड ने संकेत दिया है कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। स्विस विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस ने बर्न में एक कूटनीतिक सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन वार्ताओं में शामिल होते हैं तो स्विट्जरलैंड इसके लिए विशेष इंतजाम करेगा। कैसिस ने स्विस प्रसारक एसआरएफ से बातचीत में कहा, हम इसके लिए तैयार हैं और हमारे प्रति दिखाए गए भरोसे के लिए आभारी हैं। हमने हमेशा अपनी तत्परता जताई है, लेकिन यह सब बड़ी शक्तियों की इच्छा पर निर्भर करेगा। स्विस विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वारंट को देखते हुए सरकार ने कानूनी स्थिति की समीक्षा कर ली है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि ऐसी बैठक सुचारु रूप से कैसे आयोजित करनी है। हमारी विशेष भूमिका और जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय होने के कारण हम यह कर सकते हैं। स्विस विदेश मंत्रालय ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से भी कहा कि यदि सभी पक्षों की इच्छा और जरूरत हो तो स्विट्जरलैंड अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिसमें मेजबान या मध्यस्थ की भूमिका निभाना भी शामिल है।

अमेरिका में होगी सैन्य योजनाकारों की बैठक, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी पर होगा विचार

लंदन। यूक्रेन को लेकर बनी कोएलिशन ऑफ द विलिंग की वर्चुअल बैठक में भाग लेने वाले देशों ने सुरक्षा गारंटी और रूस पर संभावित नए प्रतिबंधों पर चर्चा की। बैठक की सह-अध्यक्षता ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि सदस्य देशों ने सहमति जताई कि उनकी योजना टीमें आने वाले दिनों में अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलेंगी, ताकि यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने और यदि युद्ध थमता है तो एक रीअश्योरेन्स फोर्स (भरोसा दिलाने वाली सेना) की तैनाती योजना पर काम आगे बढ़ाया जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि नेताओं ने इस पर भी विचार किया कि पुतिन पर और अधिक दबाव कैसे डाला जा सकता है, जिसमें नए आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल हो सकते हैं, ताकि रूस अपनी अवैध आक्रमणकारी कार्रवाई को समाप्त करने के लिए तैयार हो। इस बैठक में 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भाग लिया। वहीं, यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों का मनोबल उस समय और बढ़ा, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को आश्वस्त किया कि किसी भी शांति समझौते में अमेरिका यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी देने में मदद करेगा। हालांकि इस मदद की प्रकृति और सीमा अभी स्पष्ट नहीं है।

लॉस एंजिल्स की 'केटामाइन क्वीन' पांच संघीय आरोपों में दोष स्वीकार करने को तैयार

वाशिंगटन। ब्रिटिश और अमेरिकी नागरिक लॉस एंजिल्स की 'केटामाइन क्वीन' जसवीन संघा ने पांच संघीय आरोपों में दोष स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इसमें महत्वपूर्ण आरोप हॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मैथ्यू पेरी को केटामाइन की खुराक बेचना भी शामिल है। 28 अक्टूबर 2023 को मैथ्यू पेरी (54) का केटामाइन की अत्यधिक मात्रा का सेवन करने से निधन हो गया था। केटामाइन का प्रयोग चिकित्सक और पशु चिकित्सक बेहोशी की दवा के रूप में करते हैं। मैथ्यू पेरी को केटामाइन बेचेने के केस में संघा मुख्य आरोपी हैं। एबीसी न्यूज ने अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों के हवाले से बताया कि 42 वर्षीय संघा नशीले पदार्थों से संबंधित परिसर के रखरखाव के एक और केटामाइन के वितरण के चार मामलों में दोष स्वीकार करने पर सहमत हो गई है। पेरी की मृत्यु के मामले में संघा से पहले चार अन्य आरोपित भी दोष स्वीकार कर चुके हैं। उनके वकील मार्क गेरागोस ने एक बयान में कहा, वह अपने किए की जिम्मेदारी ले रही है। संघा की गिरफ्तारी अभिनेता पेरी की मृत्यु के लगभग एक साल बाद अगस्त, 2024 में हुई थी। तब से वह हिरासत में है। न्याय विभाग के अनुसार, उसे हर मामले में दशकों तक जेल में रखने की सजा हो सकती है।

स्पेन के प्रधानमंत्री ने जंगल की आग पर नागरिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा की

मैड्रिड । स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि जंगल में लगी आग को देखते हुए उनकी सरकार नागरिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा करने जा रही है। सांचेज़ ने यह घोषणा दक्षिण-पश्चिम स्पेन के कैसरेस में अग्निशमन नियंत्रण केंद्र के दौरे के दौरान की। कैसरेस, गैलिसिया और कैस्टिला-लियोन के उत्तर-पश्चिमी हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल हैं। सिचुएशन को आपदा बताते हुए सांचेज़ ने कहा कि सरकार मदद करेगी। इसमें आग से नुकसान झेलने वालों को मुआवजा भी दिया जाएगा। यूरोपीय वन अग्नि सूचना प्रणाली के अनुसार, 2025 में अब तक स्पेन में 3.82 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल चुकी है। हैरानी की बात यह है कि इसमें से 3 लाख हेक्टेयर से ज्यादा इलाका सिर्फ पिछले दो हफ्तों में ही राख हो गया। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, इस महीने अब तक 4 लोगों की मौत हुई है और 30,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सांचेज़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटना बहुत ज़रूरी है और यही इस संकट की मुख्य वजह है।

पाकिस्तान के कराची में बरसात से भारी तबाही, 10 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के प्रमुख बंदरगाह शहर कराची में बारिश ने भारी तबाही मचाई। सिंध सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते लोगों से आज कामकाज बंद रखने की अपील की है। भारी बारिश के कारण सारा शहर बाढ़ की चपेट में है।घरों में पानी भर गया है। बिजली के करंट का झटका लगने, डूबने और दीवारें गिरने की घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। जियो न्यूज चैनल के अनुसार, अभी भी कई इलाकों में बिजली गुल है। इस दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बाधित रहीं। गुलशन-ए-हदीद में सबसे ज्यादा 170 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अभी भी कामकाजी और अन्य लोग मलीर सहित कई इलाकों में कई फीट पानी भर जाने के कारण फंसे हुए हैं। बाशिंदों को यह स्थिति 2022 की विनाशकारी बारिश की याद दिलाती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के

अनुसार, पाकिस्तान का दक्षिणी हिस्सा मानसून की सबसे भीषण बारिश से तबाह हो गया। बारिश ने महानगर कराची में भारी तबाही मचाई है। सभी प्रमुख सड़कें और अंडरपास जलमग्न है और जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दिन के पहले पहर शुरू हुई बारिश सूर्यास्त तक थोड़े समय के लिए, रुक-रुक कर जारी रही। बरसात से कराची का पहले से जर्जर बुनियादी ढांचा चरमरा गया। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने आज प्रांत के सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त और निजी संस्थानों के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की। उन्होंने स्कूलों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फोन पर उनसे बातचीत कर हालात का जायजा लिया। बलोचिस्तान के 15 जिलों में हो रही बरसातः प्रांतीय आपदा अधिकारी मोहम्मद यूनिस ने बताया कि बलोचिस्तान के 15 जिलों में भी बारिश हो रही है और प्रांत को सिंध से जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो जिलों में 40 से 50 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूर्वानुमान और चेतावनीः पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में सिंध और बलोचिस्तान के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश का अनुमान जताया है। f

इजराइल के हमले में हमास कमांडर शमाला और आतंकी नज्जर मारे गए

एजेंसी

तेल अवीव (इजराइल)। गाजा पट्टी में युद्धरत इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने आतंकवादी समूह हमास के कमांडर मोहम्मद नाइफ अबू शमाला को मार गिराया। वह हमास की नुखबा कंपनी का कमांडर था। आईडीएफ ने एक्स पर शमाला के फोटो के साथ एक पोस्ट में कहा कि हमास आतंकी मोहम्मद नाइफ अबू शमाला सात अक्टूबर, 2023 के नरसंहार के दौरान मारास पोस्ट से भाग गया था। गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान शमाला ने आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ कई हमले किए। एक अन्य पोस्ट में आईडीएफ ने कहा कि सुरक्षा बलों ने हमास आतंकवादी जिहाद कमाल सलीम नज्जर को ढेर कर दिया। नज्जर सात अक्टूबर के नरसंहार के दौरान इजराइली नागरिक यार्डेन बिबास के अपहरण में शामिल था। उसे 10 अगस्त को मार गिराया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार सुरक्षा

सूत्रों ने बताया कि लगभग 60 हजार इजराइली रिजर्व सैनिकों को बुधवार से गाजा शहर में हमास के खिलाफ हमले के लिए आदेश मिलने वाले हैं। अगर गाजा शहर में हमला जारी रहता है, तो यह सैनिक इस अभियान के दौरान लगभग 1,30,000 इजराइली सैनिकों के साथ तैनात रहेंगे।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान की संघीय सरकार समर्थित चार लोगों की हत्या

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर में पाकिस्तान की संघीय समर्थित समूह पर सशस्त्र हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यह हमला सोमवार देररात पंजगुर के सोर्डो इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक घर पर किया। हमले में एक व्यक्ति घायल भी हो गया। द बलोचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, मृतकों की पहचान गुलाम सरवर के बेटे इस्लाम और निजाम (दोनों गेचक, सोर्डो निवासी), हबीबुल्लाह पुत्र शाह मोहम्मद (ग्रेशा, खुजदार निवासी) और अली अहमद (क्वेटा निवासी) के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मारे गए लोग पाकिस्तान की संघीय समर्थक समर्थित सशस्त्र समूह से जुड़े थे। ऐसे लोगों को इलाके में डेथ स्क्वाड कहा जाता है।इन समूहों पर जबरन गायब करने, राजनीतिक और सामाजिक

कार्यकर्ताओं की हत्या करने, मादक पदार्थों की तस्करी व फिरौती के लिए अपहरण जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इस हमले की अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, अतीत में ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी अक्सर बलोच स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र समूहों ने ली है। बलोचिस्तान में आजादी समर्थकों की आवाज को दबाने के लिए पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की है।

यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी के प्रयासों के बीच अमेरिकी शीर्ष जनरल डैन केन ने यूरोपीय रक्षा प्रमुखों से मुलाकात की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष जनरल ने यहां यूरोपीय रक्षा प्रमुखों से मुलाकात की है। एक रक्षा अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के शीर्ष सैन्य सलाहकार जनरल डैन केन ने मंगलवार शाम अपने समकक्ष यूरोप के कई सैन्य प्रमुखों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब ट्रंप ने संकेत दिया कि यूक्रेन में नाटो के नेतृत्व वाली एक शांति सेना हो सकती है।

एबीसी न्यूज के अनुसार, समझा जा रहा है कि यूरोपीय रक्षा प्रमुखों के साथ केन की चर्चा में जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, फिनलैंड और इटली के उनके समकक्ष शामिल रहे। बताया गया है कि नाटो के सैन्य प्रमुखों के बीच बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा होनी है। इस ऑनलाइन चर्चा का नेतृत्व जनरल एलेक्सस ग्रिंकेविच करेंगे। ग्रिंकेविच यूरोप में अमेरिका के शीर्ष कमांडर हैं और नाटो के वरिष्ठ सैन्य कमांडर के रूप में कार्यरत हैं। केन भी इसमें शामिल होंगे। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति

ट्रंप के इस बयान को दोहराया कि यूक्रेन में कोई भी अमेरिकी थल सैनिक तैनात नहीं किया जाएगा, लेकिन अमेरिका सुरक्षा गारंटी के समन्वय में मदद करेगा। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति समझते हैं कि स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा गारंटी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को यूरोप में मित्रों के साथ समन्वय करने और यूक्रेन व रूस के साथ भी इन मामलों पर सहयोग और चर्चा जारी रखने का निर्देश दिया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलने के लिए सहमत हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने भी व्हाइट हाउस की बैठक के एक दिन बाद बातचीत की है। इस चर्चा में यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में ठोस प्रगति के कुछ ही संकेत मिले। इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने किसी बैठक की प्रतिबद्धता से परहेज किया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी संभावित शिखर सम्मेलन की अत्यंत सावधानी से तैयारी की जानी चाहिए।

नेपाल में आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक, सेरोगेसी पर भी पाबंदी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और सरोगेसी प्रथाओं पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में।अंतिम फैसला नहीं आने तक देश के सभी आईवीएफ क्लिनिक को बंद करने और सेरोगेसी पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट की एकल खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की एक एकल पीठ ने निःसंतान दंपतियों के लिए चलाए जा रहे आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर रोक लगा दी है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे महिलाओं के डिंब संग्रह, भंडारण और प्रत्यारोपण की अनुमति तब तक न दें जब तक कि रिट को अंतिम रूप नहीं दिया जाता। इसी तरह, अदालत ने सेरोगेसी की चल रही प्रथा की प्रभावी सरकारी

निगरानी को लेकर सरकार को 15 दिनों के भीतर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता अंकिता त्रिपाठी कोर्ट में एक रिट दायर की थी जिसमें तर्क दिया गया है कि आईवीएफ क्लीनिकों की बढ़ती संख्या के बावजूद, शुक्राणु और अंडा दान, भ्रूण उपयोग और सरोगेसी जैसे संवेदनशील मुद्दों की निगरानी करने के लिए कोई व्यापक कानून नहीं है। इस रिट में यह भी कहा गया था कि एक ही दाता का उपयोग करने वाले कई क्लीनिकों, सहमति के बिना आनुवंशिक सामग्री का उपयोग और सरोगेसी को निरंतर बढ़ावा देता है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सेरोगेसी को लेकर पहले भी आदेश जारी किया जा चुका है जिसमें सरोगेसी को एक व्यापार के रूप में निषिद्ध किया गया है। अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में बांझपन प्रबंधन सेवाओं पर स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय के नए शुरू किए गए दिशा-निर्देश अपर्याप्त बताते हुए ठोस कानून बनाए की तरफ ध्यानाकर्षण किया है। हाल ही में नेपाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईवीएफ क्लिनिक के संचालन को लेकर एक दिशा-निर्देश जारी करते हुए 20 से 35 वर्ष उम्र के पुरुष और महिलो को अंडानुौर शुक्राणु का दान करने की छूट दी थी। इस कानून की आड़ में कम उम्र की लड़कियों और लड़कों को पैसे का लालच देकर डिंब और शुक्राणु दान का व्यापार होने की आशंका को लेकर रिट दायर की गई थी।

ट्रम्प ने यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की संभावना से किया इनकार, यूरोप को सुरक्षा का 'अग्रिम भार' उठाने को कहा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यूक्रेन में संभावित शांति समझौते को लागू करने के लिए अमेरिका अपने सैनिक नहीं भेजेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों को सुरक्षा व्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभानी होगी और अमेरिका अन्य तरीकों से कीव की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करेगा। फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या भविष्य में अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की सीमाओं की रक्षा करेंगे, तो उन्होंने कहा, आपके पास मेरी गारंटी है, और मैं राष्ट्रपति हूं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ट्रंप अमेरिकी सैनिकों को न भेजने के पक्ष में दृढ़ हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा गारंटी को लेकर बातचीत जारी है और अमेरिका अपने यूरोपीय सहयोगियों तथा यूक्रेन के साथ मिलकर ऐसे विकल्पों पर विचार कर रहा है जिससे रूस को आक्रमण करने से रोका जा सके। इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि उनके कार्यकाल में यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा, लेकिन फिर भी उसे सुरक्षा गारंटी दी जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि इस दिशा में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देश अपनी सैनिक तैनाती या संसाधन उपलब्ध कराने पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि रूस की आक्रामकता से निपटने में यूरोप ही पहली रक्षा पंक्ति है, और अमेरिका सहयोगी भूमिका में रहेगा।

अपने खिलाफ महाभियोग के प्रयास के बीच अमेरिका में रहीं डिप्टी स्पीकर ने कहा- हिम्मत है तो जेल में डालो

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू में जिस समय सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसद डिप्टी स्पीकर इंदिरा राना मगर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर रहे थे उस समय स्वयं वो आधिकारिक भ्रमण पर अमेरिका में नेपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सम्मेलन में सहभागी थीं।

महाभियोग के प्रस्ताव लाने की जानकारी के बाद उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि मेरी कोई गलती है तो मुझे आज सजा मिलनी चाहिए लेकिन दो तिहाई का दंभ दिखाकर सरकार जिस तरह से महाभियोग का प्रस्ताव ला रही है, वह कार्य अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की हिम्मत है तो उन्हें जेल में डाले, वो सजा भुगतने को तैयार है। अपने फेसबुक पेज पर प्रतिक्रिया देते हुए

इंदिरा राना मगर ने कहा कि इस समय मैं सरकार की अनुमति से ही नेपाल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए अमेरिका में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत करने आई हूं। ऐसे समय काठमांडू में मेरे खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव से न सिर्फ मेरी छवि खराब हुई बल्कि देश की साख भी गिरी है। राना मगर ने लिखा है कि कम से कम सरकारी दौरे से वापस आने के बाद यह फैसला करना चाहिए था।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि उनपर सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से जो आरोप लगाया गया है, वह बिलकुल बेबुनियाद है, इस बारे में सरकार की जांच में कुछ नहीं मिला। उनका कहना है कि इसी मामले में मेरे खिलाफ पहले भी महाभियोग का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया गया था जिसे सत्तारूढ़ घटक दल के ही द्वारा विरोध करने के बाद वापस लेना पड़ा था। डिप्टी स्पीकर राना मगर ने बताया कि सत्तारूढ़ दल के नेता द शेखर कोइराला ने उनसे फोन पर बात करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि उनके विदेश में रहते सरकार के द्वारा लाया जा रहा महाभियोग का प्रस्ताव का वह विरोध करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे कि यह सही नहीं। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि उनकी गलती है तो उनके खिलाफ फिर से जांच करवाए और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार में हिम्मत है तो उन्हें जेल में डाल सकती है लेकिन वो अपना पद आसानी से नहीं छोड़ने वाली हैं।

जापान देगा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी में सहयोग, पीएम इशिबा का बयान

एजेंसी

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा कि उनका देश यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी में भाग लेने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने इस सहयोग की प्रकृति और दायरे पर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की। इशिबा ने अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, हम यह गहराई से चर्चा करेंगे कि हमारे देश को कानून और क्षमताओं के दृष्टिकोण से क्या करना चाहिए और क्या करना संभव है। उसी आधार पर हम उपयुक्त भूमिका निभाएंगे।÷ उन्होंने दोहराया कि जापान अभी उस चरण में नहीं है जहां समर्थन के सटीक स्वरूप को बताया जा सके। जापान नाटो का औपचारिक सदस्य नहीं है, लेकिन उसके साथ निकट सहयोग करता है। इशिबा का यह बयान इस बात का संकेत है कि पश्चिमी देश रूस के भविष्य में किसी भी आक्रामक कदम

की स्थिति में यूक्रेन को बचाने के लिए व्यापक ढांचा तैयार कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं की बातचीत के बाद सुरक्षा गारंटी पर चर्चा तेज हुई। इसमें यूक्रेन के लिए शांति समझौते के बाद शांति-रक्षक बल (पीस-कीपिंग फोर्स) तैनात करने की संभावनाएं भी शामिल हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि 30 देश, जिनमें जापान भी शामिल है, एक ऐसा ढांचा तैयार करने पर काम कर रहे हैं जिससे युद्धविराम या पूर्ण शांति समझौते के बाद यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

यूक्रेन को क्षेत्रीय समझौते पर चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए, न कि नाटो में शामिल होने के लिएः स्लोवाक प्रधानमंत्री

एजेंसी

ब्रातिस्लावा। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बुनियादी शर्त यह है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य न बने। उन्होंने यूरोपीय परिषद की बैठक के बाद जारी एक वीडियो संदेश में यह टिप्पणी की। फिको ने कहा कि बिना क्षेत्रीय बदलावों पर चर्चा किए युद्ध में प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया, संघर्ष समाप्त करने की पहली बुनियादी शर्त यह समझ है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं बन सकता। उतना ही महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि क्षेत्रीय बदलावों पर बातचीत के बिना कोई प्रगति संभव नहीं होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें निराशा है कि यूरोपीय संघ को शांति का रास्ता दिखाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप का इंतजार करना पड़ा। फिको ने अमेरिकी राष्ट्रपति की पहल को व्यक्तिगत बड़ी सफलता बताया। स्लोवाक प्रधानमंत्री ने 100 अरब यूरो मूल्य के सैन्य उपकरण खरीदने और उन्हें यूक्रेन भेजने के यूरोपीय प्रस्ताव को एक मजाक करार दिया। उन्होंने कहा कि वे कल्पना भी नहीं कर सकते कि स्लोवाकिया अमेरिकी हथियार खरीदे और फिर उन्हें मुफ्त में यूक्रेन भेजे।

मैक्रों ने कहा-जेलेंस्की से मिलने को तैयार पुतिन, बैठक यूरोप में रखने की वकालत

एजेंसी

वाशिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के साथ यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता के लिए हुई बैठक के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आखिरकार यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलने को तैयार हो गए हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने फोन पर पुतिन से बात की। इस वार्ता में पुतिन ने कहा कि वह अगले दो हफ्तों में जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के तत्काल बाद फ्रांसीसी समाचार चैनल एलसीआई के साथ साक्षात्कार में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी, 2022 को रूसी आक्रमण के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात होगी। मैक्रों ने कहा कि हम सबने दोनों राष्ट्रपतियों के बीच एक द्विपक्षीय बैठक, इसके बाद त्रिपक्षीय बैठक (इसमें डोनाल्ड ट्रंप होंगे) और आखिर में बहुपक्षीय बैठक करने का फैसला लिया है। इस बैठक में यूरोपीय देशों के नेता

भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह बैठक यूरोप में होगी। मैक्रों ने कहा कि 2019 में जेलेंस्की और पुतिन की बैठक फ्रांस में हुई थी। इस बार बैठक किसी तटस्थ देश में आयोजित की जाएगी। उन्होंने वकालत की कि बैठक जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में हो। फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि जेलेंस्की से पुतिन की मुलाकात किसी ऐसे देश में हो जो अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को मान्यता देता हो तो और बेहतर होगा। शांति को आगे बढ़ाने के लिए यह जरूरी है। इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह समझौता जल्दबाजी में नहीं होना चाहिए। यूक्रेन न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करेगा। वह शांति के लिए अगर आत्मसमर्पण करता है, तो यह यूक्रेन और यूरोपीय देशों के लिए दुखद होगा। इससे परमाणु-सशस्त्र शक्ति हमारी सीमाओं के करीब आकर आगे बढ़ेगी। इसका मतलब होगा पिछले 70 वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक व्यवस्था का पतन। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन शिखर सम्मेलन में चर्चा का एक और प्रमुख मुद्दा शांति समझौते के बाद यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा गारंटी का रहा। हम सबने इस पर सहमति जताई है। इस पर अमेरिका और ब्रिटेन का रुख अहम होगा। मैक्रों ने कहा कि सुरक्षा गारंटी का मतलब यह नहीं कि यूक्रेन को नाटो का संरक्षण प्राप्त होगा। ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन यह जिद छोड़ दे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर रूस ने शांति समझौते के बाद यूरोप की सीमाओं पर उकसावे की कार्रवाई की तो प्रतिक्रिया होगी। उन्होंने माना कि आज रूस यूरोपीय देशों के लिए खतरा बना हुआ है।

80 फीसदी महिलाएं मां बनने के बाद खुद के प्रति खो देती हैं रुचि

जिम्मेदारी तरोताजा रहने की

जीवन के दूसरे हिस्से में महिलाएं शादी के बाद रुचि त्याग देती हैं क्योंकि वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ बच्चों के लालन-पालन में व्यस्त हो जाती हैं। उनके लिए बेहतर होगा कि वे कुछ समय अपनी व्यक्तिगत रुचियों के लिए भी निकालें। ऐसा करके वे फ्रेश बनी रह सकती हैं

हर नारी की सबसे बड़ी चाहत मां बनना होती है, लेकिन बहुत ही कम मां ऐसी हैं जो अपने बच्चों की जिम्मेदारियां निभाने के साथ-साथ रुचियों और सेहत के प्रति सजग होती हैं। हाल में हुए एक सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि 80 प्रतिशत माताओं के पास अपनी रुचियों को विकसित करने के लिए समय ही नहीं होता। उनकी रुचियां घर-परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों के तले दबकर रह जाती हैं। समाजशास्त्रियों का मानना है कि मां बनने के अरमान के पूरा होते ही महिलाएं अपने बच्चे की परवरिश में इतना व्यस्त हो जाती हैं कि उन्हें अपने घरेलू काम और बच्चे की खुशियों के अलावा खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता।

बदल जाती हैं प्राथमिकताएं

अधिकतर महिलाएं यह मानती हैं कि अगर वे अपने में ही बिजी रहने लगीं तो बच्चों और घर-परिवार की जिम्मेदारी पूरी हो ही नहीं सकती। उनके अनुसार बच्चों की खुशी अधिक अहमियत रखती है । इसके लिए उन्हें अपने फ्री टाइम से भी समझौता करना मंजूर है। डाइटीशियन्स के अनुसार अधिकतर महिलाओं की मां बनने के बाद प्राथमिकताएं बदल जाती हैं। खुद से ज्यादा बच्चे की फिक्र होती है। बच्चे की देख-रेख में उन्हें खुद के बारे में सोचने का समय ही नहीं मिल पाता या कह सकते हैं कि वे खुद भी अपनी रुचियों के लिए समय निकालने की कोशिश ही नहीं करतीं। यही कारण है कि वे अधिक तनावग्रस्त हो जाती हैं।

हाउसवाइफ कोमल का कहना है कि पहले मैं जॉब करती थी लेकिन अब मां बनने के बाद उनकी पहली प्राथमिकता परिवार है। इसके लिए वह अपनी हर खुशी को नजरअंदाज करने को भी तैयार हैं। उनका मानना है कि पहले वह किटी पार्टीज जॉइन करती थीं लेकिन अब तो दोस्तों के साथ भी मेलजोल करना कम कर दिया है।

काम में खुशी मिलती है

समाजशास्त्री मानते हैं कि हर इंसान को किसी न किसी काम को करने में खुशी मिलती है, जो उसे तनावमुक्त रखती है। अधिकतर माएं अपने परिवार में खुद को भूल ही जाती हैं। शुरू से चली आ रही धारणाओं में बह कर उनकी रुचियां दब जाती हैं। यही कारण है कि वे जल्दी तनाव में आ जाती हैं। एक महिला को परिवार की धुरी माना है। अगर वह खुद ही अपने प्रति सजग नहीं होगी तो परिवार को कैसे संभाल पाएगी। ऐसे में जरूरी है महिलाएं अपनी जिम्मेदारियों को निभाते हुए अपने लिए समय जरूर निकालें। मातृत्व सुख के बाद महिलाएं उसी में रम जाती हैं।

ऐसे निकालें समय

- थोड़ा सा समय अपनी हॉबी को विकसित करने के लिए जरूर निकालें।
- अपनी पसंदीदा फिल्में देखें।
- कभी-कभी अपनी पसंद की डिश भी बनाएं।
- सिंगिंग में रुचि है तो इस हुनर के लिए कुछ समय निकालें।
- पढ़ने का शौक रखती हैं तो अच्छे नॉवल व बुक पढ़ें।
- मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लें।

रूप निखारें कुछ ऐसें

- नींबू के रस को चेहरे और शरीर पर 30 मिनिट तक लगाएं और फिर धूप में निकलें। यह एंटीटेनिंग लोशन की तरह काम करेगा।
- नींबू के रस और छिलके से हाथों को साफ करें। खुरदापन दूर होगा और हाथ चमक उठेंगे।
- जैतून के तेल की नाखूनों पर धीरे-धीरे मालिश करें। नाखून चमक जाएंगे।
- मुंहासे दूर करने के लिए लहसुन का रस लगाएं!
- कच्चे दूध का फाहा बंद आँखों पर रखें। आँखों की जलन, थकान दूर हो जाएगी।

यूं करें अपने बालों की देखभाल

- खूबसूरत और चमकदार बालों के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं और खाने में हरी सब्जियों का सेवन करें। इसके लिए अपने भोजन में सलाद को जरूरी हिस्सा बनाएं। अंकुरित दालें जरूर लें।
- नियमित योग और एक्सरसाइज करें।
- अच्छी कंपनी के ही शैंपू, कंडिश्नर और तेल का उपयोग करें। हफ्ते में दो बार तेल से बालों की मालिश करें। किसी अच्छे सैलून में हेयर स्पा भी ले सकती हैं।
- हेयर कट और हेयर स्टाइल अपने फेस के अनुसार रखें।
- डैंड्रफ और त्वचा रोगों के लिए उचित उपचार करवाएं।
- नाश्ते में और रात को सोने से पहले एक गिलास दूध जरूर लें।

क्रेज बढ़ने लगा फुट स्पा का

करें फुट मसाज

पैरों को रिलैक्स करने के लिए फुट मसाज मददगार साबित हो सकती है। इससे पैर साफ भी हो जाते हैं और आपकी थकान भी दूर होती है। आप घर पर भी पैरों का पैडीक्योर कर सकते हैं। इसके लिए बाथ टब में गर्म पानी लें और उसमें लिक्विड सोप डालें। कुछ देर तक पानी में पैर रखें व इन्हें ब्रश से साफ करें। मार्केट में उपलब्ध स्क्रब का भी आप इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके बाद टॉवल से पोंछ कर कोल्ड क्रीम या नारियल का तेल लगाएं।

चेहरे की देखभाल के साथ-साथ जरूरी है आपके पैर भी खूबसूरत दिखें। महिलाएं अब पैरों को खूबसूरत बनाने के लिए फुट स्पा का सहारा ले रही हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि जितना जरूरी हेयर स्पा या बॉडी स्पा है, उतना ही जरूरी है फुट स्पा। पैरों को ज्यादातर लोग नजर अंदाज करते हैं, लेकिन इनकी साफ-सफाई और रैग्यूलर देखभाल बेहद जरूरी है। फुट स्पा न केवल आपके पैरों को खूबसूरत बनाता है, बल्कि पैरों के दर्द से भी राहत दिलाता है।

ब्यूटी सैलून के साथ-साथ घर पर भी थोड़ा समय निकाल कर आप अपने पैरों की टैनिंग दूर कर सकते हैं और इन्हें सॉफ्ट व खूबसूरत बना सकते हैं। वुमन भास्कर ने फुट स्पा को लेकर शहर की ब्यूटी एक्सपर्ट्स से बात की और जाने पैरों की देखभाल के टिप्स :-

महीने में एक बार जरूर लें फुट स्पा :

ब्यूटी एक्सपर्ट माया बताती हैं कि ज्यादातर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को लेकर चिंतित रहती हैं, लेकिन अब कुछ समय से वे पैरों का भी ध्यान रखने लग गई हैं। बॉडी स्पा व हेयर स्पा की सर्विस के साथ-साथ अब फुट स्पा की भी डिमांड बढ़ रही है। 200 रुपए से लेकर 1100 रुपए के अफोर्डेबल रेट्स पर फुट स्पा लिया जा सकता है। महीने में कम से कम दो बार फुट स्पा जरूर करवाना चाहिए। साथ ही पैडीक्योर भी बेहद जरूरी है, ताकि पैरों से डेड स्किन निकल सके और पैर साफ दिखें।

गर्मी में कूल इफैक्ट : सैलून ओनर मनीषा बताती हैं कि कुछ महिलाओं को पैरों में गर्माहट महसूस होती है। इसके लिए उनको सैलून पर फुट आइस वर्क स्पा दिया जाता है। इसके अलावा अलग-अलग तरह के स्पा जैसे डीटैन, चॉकलेट फुट स्पा, फुट हील स्पा उपलब्ध है। मनीषा बताती हैं कि कई महिलाओं को क्रैक हील्स की परेशानी ज्यादा होती है। ऐसे में फुट स्पा मददगार साबित होता है।

एंटी टैनिंग ब्लीच का करें इस्तेमाल: ब्यूटी एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कम खर्च में भी घर पर रहकर पैरों की देखभाल की जा सकती है। इसके लिए मार्केट में कई तरह की एंटी टैनिंग ब्लीच उपलब्ध है। ब्यूटी एक्सपर्ट सुधा बताती हैं कि गर्मियों में टैनिंग ज्यादा होती है। शूज न पहनने के कारण महिलाओं के पैरों पर टैनिंग का ज्यादा इफैक्ट होता है। इसीलिए एंटी टैनिंग ब्लीच का हर 15 दिन में प्रयोग मददगार साबित हो सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

काकुरो पहेली - 2562

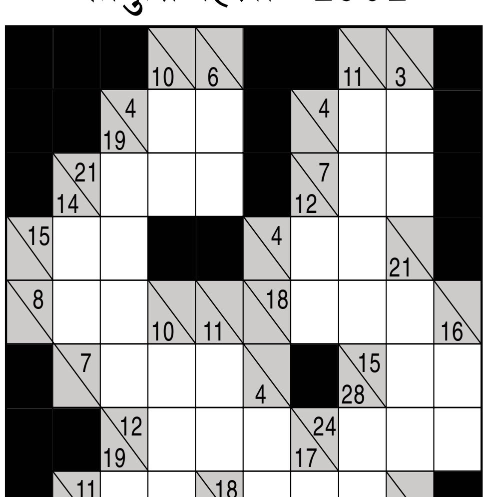

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

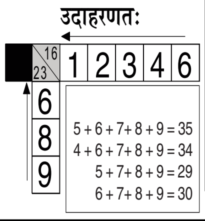

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2561 का हल

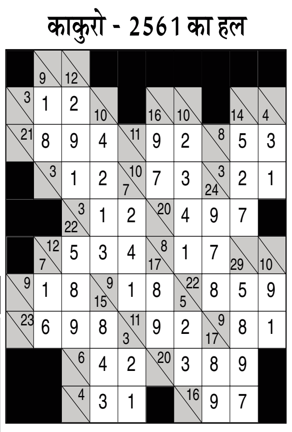

लॉफिंग ज़ोन

कर्नल के नौकर से किसी ने पूछा, 'तुम्हारे कर्नल साहब का मकान एकदम नाले के सामने है. ऊपर से वह छत पर बिना मच्छरदानी लगाए सोते हैं. क्या मच्छर उन्हें काटते नहीं?'

नौकर बोला, 'वो क्या है कि कर्नल साहब शाम को इतनी ज्यादा शराब पी लेते हैं कि आधी रात तक तो मच्छरों के काटने का उन्हें होश ही नहीं रहता.

आधी रात के बाद जब उन्हें होश आता है तब तक मच्छर इतने धुत्त हो चुके होते हैं कि उन्हें काटने का ही होश नहीं रहता.'

☺ ☺ ☺

जज (चोर से)-हां रामदीन, अदालत को बताओ कि तीन दिन से तुम बार-बार सुपर क्लॉथ हाउस का ही ताला क्यों तोड़ रहे थे?

चोर (जज से)-क्या बताऊं हुजूर पहले दिन तो मैं वहां अपनी बीवी के लिए साड़ी चुराने गया था, लेकिन मेरी चुराई साड़ियां उसे पसंद नही आई इसलिए दो दिन मुझे उन साड़ियों को बदलने जाना पड़ा.

☺ ☺ ☺

किरायेदार (मकान मालिक से)-जनाब, यह कैसा कमरा है? छत टपक रही है. कमरा तालाब बनता जा रहा है?

मकान मालिक - भैया, मैंने तो पहले ही बोल दिया था कि हर कमरे में पानी का माकूल इंतजाम है.

फिल्म वर्ग पहेली - 2562

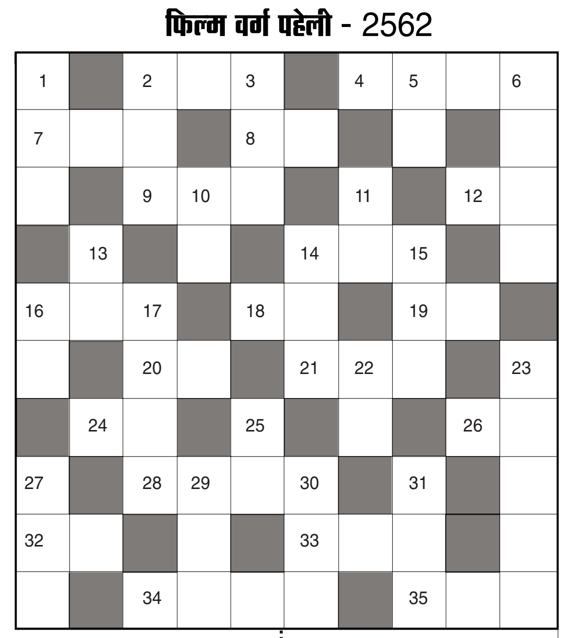

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2561

सूडोकु -2562

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2561 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2562

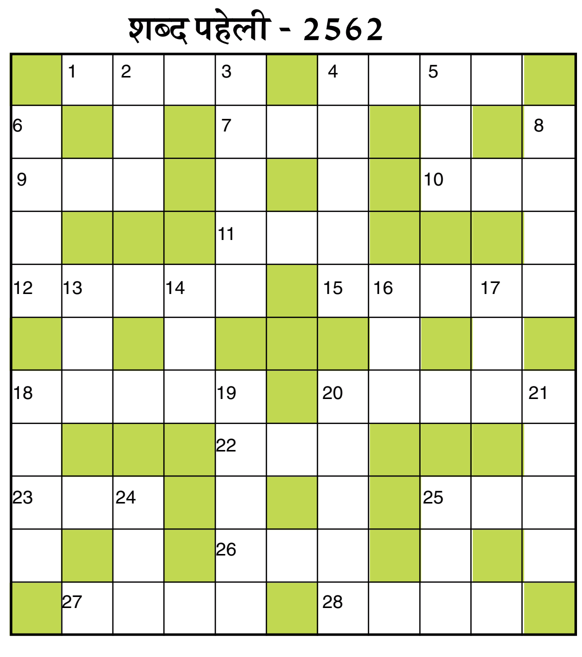

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2561 का हल

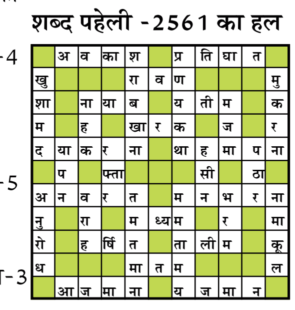

भारतीय प्रबंधन संस्थान संशोधन विधेयक लोकसभा से पारित

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक, 2025 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक के तहत भारतीय प्रबंधन संस्थान अधिनियम, 2017 में संशोधन कर असम के गुवाहाटी में एक नया आईआईएम स्थापित करने और उसे अधिनियम की अनुसूची में सम्मिलित करने का प्रावधान है। इससे गुवाहाटी आईआईएम देश का 22वां आईआईएम बन जाएगा। विधेयक पारित होने के बाद लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। इससे पहले सदन में विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विरोध दर्ज कराया। विपक्षी सदस्यों ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष नहीं है और इसका उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना हो सकता है। हालांकि सरकार की ओर से इस विषय पर विस्तृत उत्तर नहीं दिया गया। विधेयक पर चर्चा के दौरान शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यह विधेयक केवल शैक्षणिक संस्थान की स्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर भारत में शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक शुरुआत है। गुवाहाटी में आईआईएम की स्थापना की मांग को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार किया गया है। सरकार गुवाहाटी में आईआईएम की स्थापना के लिए 550 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देगी और असम सरकार भूमि और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराएगी।

संसद के दोनों सदनों से पारित हुआ खान एवं खनिज संशोधन विधेयक

नई दिल्ली। राज्यसभा ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2025 पारित कर दिया। यह विधेयक लोकसभा से 12 अगस्त को ही पारित हो चुका है। यह विधेयक खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 में और संशोधन करेगा। विधेयक में प्रावधान है कि पट्टाधारक मौजूदा पट्टे में अन्य खनिजों को जोड़ने के लिए राज्य सरकार को आवेदन कर सकते हैं। विधेयक पारित करने के बाद राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार को 11 बजे तक स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही दोबारा दोपहर दो बजे शुरू होते ही पीठासीन सभापति घनश्याम तिवाड़ी ने केंद्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 पर चर्चा के लिए नाम पुकारा। इस पर विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि विपक्ष बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग कर रहा है। इसके बाद हंगामा शुरू हो गया। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि सदन में केवल विधायी कार्य ही होने चाहिए। इसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट किया। इस बीच खान मंत्री रेड्डी ने खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025 पर बहस शुरू की। इस विधेयक पर भाजपा सदस्य मयंक कुमार नायक (गुजरात), दीपक प्रकाश (झारखंड) और सीमा द्विवेदी (उत्तर प्रदेश) तथा राकांपा सदस्य प्रफुल्ल पटेल ने विधेयक के पक्ष में अपनी बात रखी।

गुजरात उच्च न्यायालय ने मेडिकल ग्राउंड पर आसाराम की अंतरिम जमानत तीन सितंबर तक बढ़ाई

जोधपुर। रेप केस में सजा भुगत रहे आसाराम को गुजरात उच्च न्यायालय से एक बार फिर राहत मिली है। अदालत ने चौथी बार मेडिकल ग्राउंड पर तीन सितंबर तक अंतरिम जमानत दी है। इससे पहले गुजरात उच्च न्यायालय ने उसे 21 अगस्त तक और राजस्थान उच्च न्यायालय ने 29 अगस्त तक की अंतरिम जमानत दी थी। राजस्थान उच्च न्यायालय के ही आदेश पर सोमवार को आसाराम की अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल में मेडिकल जांच हुई थी। इस दौरान अस्पताल में करीब दो घंटे तक अव्यवस्थाएं होने पर वहां मरीजों व परिजनों ने हंगामा किया था। आसाराम ने गुजरात उच्च न्यायालय से पूर्व में मिली अंतरिम जमानत की अवधि खत्म होने से पहले अर्जी दाखिल की थी। इस पर सुनवाई हुई। इसमें आसाराम की ओर से अधिवक्ता ने आसाराम की मेडिकल रिपोर्ट्स पेश की, जिनमें उसके स्वास्थ्य की स्थिति गंभीर बताई गई। इन्हीं के आधार पर गुजरात उच्च न्यायालय ने उसे राहत दे दी।

दो माह तैयार हो जाएगा यूपी का पहला एसआईएचएम

गोरखपुर। प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) दो माह में तैयार हो जाएगा। योगी सरकार द्वारा गोरखपुर में 48.39 करोड़ रुपये की लागत से बनवाए जा रहे एसआईएचएम के पहले फेज का 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है। पर्यटन विभाग द्वारा अगले माह के अंत तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कराया जाना लक्षित किया गया है। बीते कुछ सालों में गोरखपुर का टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर तेजी से आगे बढ़ा है। यहां कई बड़े ब्रांड के होटल्स, रेस्टोरेंट खुल चुके हैं और कई खुलने की प्रक्रिया में हैं। हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में कुशल पेशेवरों की मांग को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में प्रदेश का पहला स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एसआईएचएम) बनवा रहे हैं। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के कार्यालय के सामने बन रहे एसआईएचएम का निर्माण सितंबर माह तक पूरा हो जाएगा।

बादल फटने और भूस्खलन से निपटने की रणनीति तैयार की जा रही है :अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि देश में बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं, विशेषकर बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से निपटने के लिए केंद्र सरकार व्यापक रणनीति तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन में अब केवल राहत कार्यों पर निर्भर रहने के बजाय बचाव और रोकथाम को प्राथमिकता दी जा रही है। शाह यहां 'आपदा प्रबंधन एवं क्षमता निर्माण' विषय पर गृह मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंडी संजय कुमार के अलावा समिति के सदस्य, केंद्रीय गृह सचिव तथा एनडीएमए, एनडीआरएफ, एनआईडीएम और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। गृह मंत्री

ने कहा कि 2014 से पहले आपदा प्रबंधन का दृष्टिकोण राहत-केंद्रित था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बचाव और रोकथाम-केंद्रित बनाया। उन्होंने बताया कि पिछले दस वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में कई नीतिगत और संस्थागत बदलाव किए गए हैं, जिससे आपदाओं के दौरान जनहानि में उल्लेखनीय कमी आई है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि 1999 में ओडिशा चक्रवात में जहां 10,000 लोगों की जान गई थी, वहीं हाल के वर्षों में आए चक्रवात 'बिपरजॉय' और 'दाना' में शून्य हताहत हुए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन के चार स्तंभ–क्षमता निर्माण, तीव्रता, दक्षता और सटीकता–पर केंद्रित नीति के परिणामस्वरूप चक्रवातों से होने वाले नुकसान में 98 प्रतिशत तक कमी आई है। इसी तरह, हीट वेव से होने वाले नुकसान में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। गृह मंत्री ने जानकारी दी कि 2004 से 2014 के बीच एसडीआरएफ और एनडीआरएफ को 66 हजार करोड़ रुपये दिए गए थे, जबकि 2014 से 2024 के दौरान यह राशि बढ़ाकर दो लाख करोड़ रुपये कर दी गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए एसडीआरएफ के लिए 1.28 लाख करोड़ रुपये और एनडीआरएफ के लिए 54,770 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

भारत ने चीन के साथ उठाया ब्रह्मपुत्र पर मेगा डैम का मुद्दा, पारदर्शिता पर दिया जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान ब्रह्मपुत्र (यारलुंग सांगपो) नदी के निचले हिस्सों में चीन की ओर से बनाए जा रहे मेगा डैम पर भी चिंता जताई है और कहा कि इससे निचले हिस्सों के भारतीय राज्यों पर गंभीर असर पड़ेगा। इस संबंध में अत्यधिक पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

विदेश मंत्रालय का कहना है कि विदेश मंत्री जयशंकर के साथ वार्ता के दौरान चीन की ओर से ताइवान का मुद्दा उठाया गया। इस पर भारत ने स्पष्ट किया कि उसकी स्थिति में कोई बदलाव नहीं है और ताइवान के साथ उसके संबंध केवल आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों तक सीमित रहेंगे। भारत ने यह भी इंगित किया कि चीन स्वयं भी इन क्षेत्रों में ताइवान से सहयोग करता है। विदेश मंत्रालय ने चीन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा पर एक प्रेस वक्तव्य जारी किया है। इसमें कहा गया है कि भारत और चीन के बीच संबंधों को नई गति देने के प्रयास में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने 18-19 अगस्त को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर भारत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं वार्ता की सह-अध्यक्षता की और विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर से द्विपक्षीय वार्ता की। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मंत्रालय के अनुसार विशेष प्रतिनिधि वार्ता में तनाव कम करने, परिसीमन और सीमा मामलों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। विदेश मंत्रियों के बीच चर्चा में साझा हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई।

छत्तीसगढ़ में बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल पांच दिनों की ईडी रिमांड पर

एजेंसी
रायपुर। शराब घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे आरोपित चैतन्य बघेल को विशेष अदालत ने पांच दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कस्टोडियल रिमांड पर भेजने का आदेश दिया। अब 23 अगस्त तक ईडी उनसे पूछताछ करेगी। इससे पहले सोमवार को उनकी 14 दिन की न्यायिक रिमांड पूरी होने पर उन्हें विशेष अदालत में पेश किया गया था। उस दौरान विशेष अदालत ने उन्हें एक दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया था। साथ ही ईडी ने चैतन्य को कस्टडी में लेकर पूछताछ की मांग की थी, चैतन्य बघेल की रिमांड को लेकर एक बार फिर विशेष अदालतमें दोनों पक्षों के बीच बहस हुई। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद अदालत ने चैतन्य बघेल को 5 दिनों की ईडी रिमांड पर भेज दिया। इस मामले में 23 अगस्त को चैतन्य बघेल की पेशी विशेष अदालतमें होगी। रिमांड मिलने के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय 5 दिनों तक चैतन्य बघेल से पूछताछ करेगी। बचाव पक्ष के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि, प्रवर्तन निदेशालय

(ईडी) ने सोमवार को कोर्ट में रिमांड के लिए आवेदन पेश किया था, जिसकी बहस हुई है। इस दौरान परिवर्तन निदेशालय ने कोर्ट में कहा कि, क्व्हस् 187, 3 जो नया कानून आया है। 40 दिन की अवधि के बीच में 15 दिनों की कस्टोडियल रिमांड टुकड़े-टुकड़े में ली जा सकती है। बचाव पक्ष ने इस पर बहस की। बचाव पक्ष ने कहा कि, जो गिरफ्तारी हुई है जो ईसीआईआर (प्रवर्तन मामलों की सूचना रिपोर्ट) हुई है। 1 जुलाई 2024 बीएनएस लागू होने के पहले हुई है। इस वजह से धारा 531 बीएनएसएस के तहत यह हुआ है, उसमें यह प्रावधान है कि 1 जुलाई 2024 के पहले इन्वेस्टिगेशन और एफआईआर है तो उसका केस सीआरपीसी के तहत चलेगा। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद चैतन्य बघेल को 23 अगस्त तक ईडी की रिमांड पर भेज दिया है।

आदि कर्मयोगी अभियान समावेशी शासन एवं जनभागीदारी को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदमः जुएल ओराम

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान समावेशी शासन एवं जनभागीदारी को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। सेवा, संकल्प एवं समर्पण को बढ़ावा देकर तथा जनजातीय समुदायों एवं सरकारी अधिकारियों की सहयोगात्मक भागीदारी के माध्यम से हम 1 लाख जनजातीय ग्राम-विजन 2030 का सह-निर्माण करेंगे।

जनजातीय कार्य मंत्रालय शुरू किए गए आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा करते हुए

केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि इस पहल में जमीनी स्तर पर जनजातीय विकास के लिए परिवर्तनकारी क्षमता है और यह मिशन मोड पर जनजातीय गांवों के समग्र विकास को प्राप्त करने में मदद करेगी। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्रालय के सचिव विभु नायर ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान को जमीनी स्तर पर उत्तरदायी शासन को क्रियान्वित करने के लिए तैयार किया गया है। शासन प्रक्रिया प्रयोगशालाओं के माध्यम से, सभी स्तरों पर सरकारी अधिकारियों को प्रभावी परिवर्तन अग्रणी बनने के लिए संरचित प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से

आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ किया है, जिसे विश्व के सबसे बड़े जनजातीय मूलभूत नेतृत्व कार्यक्रम के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसका उद्देश्य जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाना, उत्तरदायी शासन को मजबूत करना और पूरे देश में स्थानीय नेतृत्व के अवसरों का निर्माण करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू किया गया यह अभियान सेवा, संकल्प एवं समर्पण पर बल देता है जो सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास के मार्गदर्शक सिद्धांत पर आधारित है। यह पहल जनजातीय गौरव वर्ष का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण में अपना योगदान दे रहा है। ग्रामीण एवं सामुदायिक स्तर पर उत्तरदायी, जन-केंद्रित शासन को बढ़ावा देना है। 10 जुलाई 2025 से जारी योजना के तहत 1 लाख जनजातीय ग्राम-विजन 2030 तैयार किया जाएगा, जिसमें विस्तृत कार्य योजनाएं एवं निवेश रणनीतियां शामिल हैं।जमीनी स्तर पर विकास पहलों को लागू करने के लिए 550 जिलों और 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 20 लाख परिवर्तन दिग्गजों का नेटवर्क तैयार करना है। यह अभियान 1 लाख से ज्यादा जनजातीय बहुल गांवों तक पहुंचेगा और 550 जिलों तथा 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 20 लाख परिवर्तनकारी दिग्गजों को संगठित करेगा।

मध्य प्रदेश के दौरे पर आए जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने इंदौर में किया इनोवेशन लैब्स का भ्रमण

एजेंसी
भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में विदेशी निवेश और नवाचार को प्रोत्साहन देने के प्रयासों को नया आयाम मिला है। गुजरात इंडस्ट्रियल इंवेस्टमेंट कार्पोरेशन के नेतृत्व एवं एमपीआईडीसी और आईएम ग्लोबल के सहयोग से जर्मनी की पाँच अग्रणी टेक कंपनियों का प्रतिनिधिमंडल मध्य प्रदेश ग्लोबल स्टार्टअप एक्सचेंज प्रोग्राम-2025 में शामिल हुआ। प्रतिनिधिमंडल 22 अगस्त तक इंदौर और भोपाल के दौरे पर रहेगा। जर्मन प्रतिनिधिमंडल ने अपने मध्य प्रदेश दौरे के दूसरे दिन इंदौर में इनोवेशन लैब्स का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने एआई, डेटा एनालिटिक्स, आईओटी एवं एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर परियोजनाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। शुरुआत डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप से हुई, जिसमें नवाचार एवं समस्या समाधान पर इंटरैक्टिव राउंडटेबल और द्विपक्षीय बैठकें एमपीआईडीसी में हुईं। एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक

पर गहन चर्चा हुई। जिसमें मध्य प्रदेश एवं वैश्विक उद्यमों ने अपने अभिनव उत्पादों और तकनीकी समाधानों का प्रदर्शन किया तथा अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से मार्गदर्शन प्राप्त किया। कोलेबरेशन आन प्रोडक्ट इनोवेशन आईएएस हिमांशु प्रजापति ने राउंडटेबल सत्र का नेतृत्व करते हुए कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय साझेदारी, तकनीकी सहयोग एवं एंटरप्राइज विकास में सक्रिय और प्रेरक भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि आज का दिन मध्य प्रदेश और जर्मनी के प्रमुख एआई (द्ध) एवं द्धश्वङ्ग इनोवेटर्स के बीच साझेदारी की नई शुरुआत का प्रतीक है। प्रजापति ने कहा कि समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह स्पष्ट है कि भारत में डेटा का डिजिटलीकरण अभी आरंभिक अवस्था में है, तथा डेटा की पुनरावृत्ति दीर्घकाल में दक्षता को प्रभावित करती है। इसी कारण भारत आज एआई और डेटा-आधारित प्रक्रियाओं के एकीकरण पर विशेष बल दे रहा है। ऐसे समय में आपका भारत आना अत्यंत अवसरपूर्ण है। प्रजापति ने यह भी विशेष रूप से रेखांकित किया कि इंदौर में ऑपरेटिंग कॉस्ट अन्य मेट्रो शहरों की तुलना में कहीं कम है, वहीं शहर की लिवेबिलिटी उद्यमियों और निवेशकों को यहाँ काम करने के लिए और भी आकर्षक बनाती है।

तमिलनाडु सरकार खर्च नहीं कर रही है पीएम आवास योजना की राशिः चौहान

एजेंसी
रायपुर। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में तमिलनाडु सरकार पर प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि खर्च नहीं करने का आरोप लगाते हुये कहा कि यह गरीबों के साथ धोखा है। श्री चौहान ने एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि केंद्र से 608 करोड़ रुपये मिलने के बावजूद तमिलनाडु सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को आवास उपलब्ध नहीं करा पा रही है। आवास नहीं मिलने से गरीब लोगों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में आवंटन के बावजूद दो लाख 15 हजार घरों का निर्माण नहीं किया गया है। राज्य सरकार ने 2024 में उचित घरों की ज़रूरत वाले लोगों की पहचान के लिए आवश्यक सर्वेक्षण नहीं कराया। आंध्र प्रदेश से तेलुगू देशम पार्टी(तेदेपा) सांसद लवू श्री कृष्ण देवरायलु द्वारा तमिलनाडु में प्रधानमंत्री आवास योजना पर पूछे गये प्रश्न का उत्तर देते हुए श्री चौहान ने लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा ÷ मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने तमिलनाडु में गरीब लोगों के लिए घर बनाने के लिए बजट आवंटित किया है। यह अन्याय की पराकाष्ठा है कि एक साल से भी ज्यादा समय से दो लाख 15 हज़ार से ज्यादा लोगों को घर नहीं दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम आवास योजना के लिए जारी की गयी 608 करोड़ रुपये की धनराशि राज्य सरकार के खाते में पड़ी है, लेकिन आवासों का निर्माण नहीं कराया जा रहा है।

कोलकाता में शुरू होगा मेट्रो का नया अध्यायः प्रधानमंत्री मोदी देंगे 13.62 किमी की नई कनेक्टिविटी, दशकों की कमी को 10 साल में किया पूरा

एजेंसी
कोलकाता। भारत की पहली मेट्रो सिटी कोलकाता अब सबसे तेज़ी से विस्तार पाता हुआ नेटवर्क बनने की दिशा में बढ़ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस पूजा से पहले कोलकातावासियों को 13.62 किलोमीटर की नई मेट्रो लाइन का तोहफा देंगे। मेट्रो रेलवे ने मंगलवार शाम बयान जारी कर बताया कि तीन अहम रूट- ग्रीन लाइन (एस्प्लेनेड-सीलदह), येलो लाइन (नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर) और ऑरेंज लाइन (हेमंत मुखोपाध्याय-बेलियाघाटा) यात्रियों के लिए खोले जाएंगे। इससे हावड़ा मैदान से लेकर साल्ट लेक तक और दक्षिणेश्वर से लेकर दक्षिण कोलकाता के चप्पे-चप्पे तक महानगर कोलकाता मेट्रो से जुड़ जाएगा। 22 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों इसका उद्घाटन होना है। यह केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं बल्कि कोलकाता की जीवनशैली में बड़ा बदलाव लाने वाली पहल मानी जा रही है। दशकों से यातायात जाम, भीड़भाड़ और खासकर दुर्गा पूजा के समय की अव्यवस्था झेलने वाले शहर के लिए यह नया नेटवर्क एक तरह का 'त्योहारी तोहफ़ा' साबित होगा।

1984 से 2014: धीमी रफ्तार, 2014 के बाद तेज़ प्रगति

रेलवे ने अपने बयान में बताया है कि कोलकाता ने 1984 में भारत की पहली मेट्रो सेवा शुरू कर देश को गौरव दिया था। लेकिन उसके बाद तीन दशकों तक रफ्तार बेहद धीमी रही। 1984 से 2014 तक केवल 27.99 किलोमीटर मेट्रो ट्रैक बिछ पाया।वहीं, पिछले 10 सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 45 किलोमीटर नया नेटवर्क जुड़ा है, जो पिछले 30 साल के मुकाबले 161 फीसदी अधिक है। यही कारण है कि अब कोलकाता न केवल ÷पहली मेट्रो सिटी÷ कहलाता है बल्कि ÷सबसे तेज़ी से बढ़ता मेट्रो नेटवर्क÷ भी बनने की ओर है।ग्रीन लाइन (एस्प्लेनेड-सियालदह) : यह रूट कोलकाता की दो अहम धड़कनों को जोड़ेगा। जहां पहले सड़क मार्ग से एक घंटे तक लगते थे, वहीं अब मेट्रो से सफर 11 मिनट में पूरा होगा। इससे प्रतिदिन करीब छह लाख यात्रियों को लाभ होगा।

येलो लाइन (नोआपाड़ा-जय हिंद हवाई अड्डा) : लंबे समय से कोलकातावासियों की एयरपोर्ट तक सीधी मेट्रो की मांग अब पूरी होगी। एस्प्लेनेड से नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तक का सफर, जो सड़क से लगभग एक घंटे में होता था, अब केवल 30 मिनट में पूरा होगा। यात्रियों, एयरपोर्ट कर्मचारियों और परिवारों के लिए यह बड़ी राहत होगी।

ऑरेंज लाइन (हेमंत मुखोपाध्याय-बेलियाघाटा) : इस रूट से साइंस सिटी और बेलियाघाटा के पास स्थित प्रमुख अस्पतालों तक पहुंच आसान होगी। मरीजों और उनके परिजनों के साथ-साथ छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को भी लाभ मिलेगा। भविष्य में यही लाइन आईटी हब सॉल्ट लेक सेक्टर ङ्क से जुड़कर युवा पेशेवरों को बेहतर सुविधा देगी।

ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से राहतः रेलवे ने बताया है कि कोलकाता की बड़ी चुनौती हमेशा से ट्रैफिक जाम रही है।

यूपी सरकार और द फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस यूके के बीच समझौता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में उनके सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश सरकार और द फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) यूके के बीच ऐतिहासिक समझौता हुआ। इसके तहत चिवनिंग-भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है, जिसके अंतर्गत हर साल प्रदेश के पांच प्रतिभाशाली छात्रों को यूनाइटेड किंगडम के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में मास्टर डिग्री के लिए छात्रवृत्ति दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी सरकार प्रतिभाशाली छात्रों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाने के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह छात्रवृत्ति योजना प्रदेश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने और युवाओं को ग्लोबल लीडरशिप रोल के लिए तैयार करने का सशक्त माध्यम बनेगी।

आपातकाल के दौरान 1.07 करोड़ से अधिक लोगों की नसबंदी की गई : केंद्र सरकार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लोकसभा को बताया कि वर्ष 1975 से 1977 के दौरान देश में लागू आपातकाल की अवधि में 1.07 करोड़ से अधिक लोगों की नसबंदी की गई, जोकि उस समय तय किए गए कुल लक्ष्य से काफी अधिक थी। यह जानकारी गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी।

तेलंगाना से सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी द्वारा पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने दो वर्षों 1975-76 और 1976-77 के लिए क्रमशः 24.85 लाख और 42.55 लाख नसबंदी प्रक्रियाओं का लक्ष्य तय किया था। हालांकि 1975-76 में 26,24,755 और 1976-77 में 81,32,209 नसबंदी सर्जरी की गईं। इस प्रकार कुल मिलाकर 1,07,56,964 नसबंदी हुई, जो कि निर्धारित लक्ष्य से लगभग 40 लाख अधिक रही। गृह राज्य मंत्री ने बताया कि इन नसबंदी अभियानों को लेकर कई गंभीर शिकायतें भी सामने आईं।

शाह आयोग के समक्ष 548 अविवाहित व्यक्तियों की नसबंदी और 1,774 मौतों के मामले, जो नसबंदी से जुड़े हुए थे, दर्ज कराए गए। उल्लेखनीय है कि 28 मई 1977 को भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. सी. शाह की अध्यक्षता में एक जांच आयोग गठित किया गया था, जिसे आपातकाल के दौरान हुए दुरुपयोगों और परिवार नियोजन कार्यक्रमों में की गई जबरन नसबंदी जैसे मामलों की जांच का दायित्व सौंपा गया था। शाह आयोग ने 31 अगस्त 1978 को संसद में रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसमें राज्यवार आंकड़ों के साथ-साथ जबरन कराई गई नसबंदियों, मानवीय अधिकारों के उल्लंघन और प्रशासनिक दमन के मामलों का उल्लेख किया गया। आयोग के राज्यवार आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में सबसे अधिक 14.44 लाख, पश्चिम बंगाल में 10.86 लाख, उत्तर प्रदेश में 9.65 लाख, मध्यप्रदेश में 11.13 लाख, तमिलनाडु में 8.40 लाख, और आंध्र प्रदेश में 9.06 लाख नसबंदी की गई। कई राज्यों में यह आंकड़े निर्धारित लक्ष्यों से कई गुना अधिक पाए गए। उदाहरणस्वरूप, हरियाणा में वर्ष 1976-77 के लिए निर्धारित लक्ष्य था 52,000 था जबकि 2,22,000 से अधिक नसबंदी की गईं। इसी प्रकार असम, बिहार, राजस्थान, और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी लक्ष्य की तुलना में कहीं अधिक सर्जरी की गईं। तेलंगाना के सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी ने पूछा था कि क्या सरकार के पास जबरन और स्वैच्छिक नसबंदी से संबंधित अलग-अलग आंकड़े हैं और क्या इस विषय पर कोई जांच या मुआवजा व्यवस्था बनाई गई थी। उत्तर में, मंत्री ने स्पष्ट किया कि शाह आयोग को इस विषय पर विस्तृत शिकायतें प्राप्त हुई थीं, परंतु सरकारी अभिलेखों में जबरन और स्वैच्छिक नसबंदी के बीच स्पष्ट भेद का उल्लेख नहीं किया गया है। हालांकि आयोग ने मानवीय अधिकारों के उल्लंघन की गहन जांच की थी।

श्रीलंका में बंद साथियों की रिहाई के लिए थंगाचिमादम में रेलवे ट्रैक पर उतरे मछुआरे, रेल यातायात प्रभावित

एजेंसी
रामेश्वरम। श्रीलंकाई जेलों में बंद मछुआरों की रिहाई और ज़ब्त नावों की वापसी की मांग को लेकर तमिलनाडु के रामेश्वरम में मछुआरा संगठन 11 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी मछुआरे थंगाचिमादम में रेलवे ट्रैक पर एकत्र हो गए, जिससे ट्रेन का संचालन रोकना पड़ा। रेलवे ट्रैक पर बड़ी संख्या में मछुआरों के एकत्र होने से प्रशासन व रेलवे अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। दरअसल, रामेश्वरम में मछुआरा संगठन श्रीलंकाई जेलों में बंद भारतीय मछुआरों की रिहाई और ज़ब्त उनकी नावों की वापसी की मांग को लेकर 11 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। मछुआरों ने 13 अगस्त को थंगाचिमादम में प्रदर्शन किया और 15 अगस्त को भूख हड़ताल रखी थी। मछुआरों की मांगों और उनकी सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार की ओर से कोई कदम न उठाने से नाराज मछुआरा संगठनों ने थंगाचिमादम में रेल हड़ताल करने का ऐलान किया था। इससे पहले

रविवार को जिला मजिस्ट्रेट सिमरनजीत सिंह कालोन के साथ रामनाथपुरम में पहली और फिर सोमवार को कोट्टैचियार राजमोहनरन के नेतृत्व में रामेश्वरम तालुक कार्यालय में दूसरे दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई हल नहीं निकला। इससे नाराज मछुआरों ने मंगलवार दोपहर 3 बजे थंगाचिमादम में रेलवे ट्रैक पर एकत्र हो गए। थंगाचिमादम में रेलवे ट्रैक पर मछुआरों के आ जाओ से रेलवे और प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। थंगाचिमादम में मछुआरे पटरियों पर बैठकर प्रदर्शन करने लगे। प्रदर्शनकारी मछुआरे श्रीलंकाई नौसेना के पकड़े गए अपने साथियों की रिहाई और जब्त नावों की वापसी की मांग कर रहे थे। मछुआरों ने रेलवे ट्रैक पर आ जाने के कारण रामेश्वरम-तांबरम एक्सप्रेस ट्रेन को थंगाचिमादम में रोक दिया गया है। बाद में प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के मछुआरों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। किसी अनहोनी को रोकने के लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

कुलदीप वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, महाराज फिर शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव बुधवार को जारी गेंदबाजों की नवीनतम आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। महाराज ने केर्न्स में तीन मैच की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया पर 98 रन से जीत दिलाने के बाद शीर्ष स्थान हासिल किया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए बाएं हाथ के 35 वर्षीय स्पिनर महाराज ने 33 रन देकर पांच विकेट चटकाए। उन्होंने कुलदीप और श्रीलंका के महेश तीक्षणा को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराज इससे पहले नवंबर और दिसंबर 2023 में कुछ समय के लिए शीर्ष पर थे। कुलदीप के अलावा रविंद्र जडेजा एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं जो गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल हैं।

भारतीय टीम ने चैंपियन्स ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद से कोई एकदिवसीय मैच नहीं खेला है। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स भी गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाने में सफल रहे। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला के आखिरी मैच में 18 रन देकर छह विकेट लिए थे। वह 15 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए। पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद (15 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर) और वेस्टइंडीज के ऑफ स्पिनर रोस्टन चेस (पांच पायदान के फायदे से 58वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़ने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं।

पुरुषों की बल्लेबाजी रैंकिंग में शुभमन गिल 784 अंक के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। श्रेयस अय्यर छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी वनडे में नाबाद 120 रन बनाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं जबकि एडेन मार्करम (चार पायदान ऊपर चढ़कर 21वें स्थान पर), तेम्बा बावुमा (पांच पायदान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर) और मिचेल मार्श (छह पायदान ऊपर 48वें स्थान पर) को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

पुरुषों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे और यशस्वी जायसवाल 10वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस सुधार जारी रखते हुए नौ स्थान की छलांग लगाकर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्श और ग्लेन मैक्सवेल क्रमशः चार और 10 स्थान की छलांग लगाकर 25वें और 30वें स्थान पर हैं।

टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज नाथन एलिस (तीन स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर) और जोश हेजलवुड (दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) ने महत्वपूर्ण सुधार किया है जबकि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा 44वें स्थान से 37वें स्थान पर पहुंच गए।

डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की होने के बाद ब्रसेल्स में नहीं खेलेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह पक्की करने के बाद भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा इस प्रतिष्ठित सीरीज के शुक्रवार को बेल्जियम के ब्रसेल्स में होने वाले अंतिम चरण में हिस्सा नहीं लेंगे। डाइमंड लीग की 14 प्रतियोगिताओं में से चार में पुरुष भाला फेंक को जगह मिली है।

नीरज ने सिर्फ दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया लेकिन स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में 28 अगस्त को होने वाले डाइमंड लीग फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे। इस भारतीय खिलाड़ी ने 16 अगस्त को सिलेसिया चरण में भी हिस्सा नहीं लिया था। भारत के 27 वर्षीय गत विश्व चैंपियन नीरज ने मई में दोहा डाइमंड लीग में 90.23 मीटर के प्रयास के साथ 90 मीटर का जादुई आंकड़ा पार किया था लेकिन जर्मनी के जूलियन वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे।

उन्होंने इसके बाद जूनर में 88.16 मीटर के प्रयास से पेरिस डाइमंड लीग का खिताब जीता। ब्रसेल्स चरण के बाद शीर्ष छह खिलाड़ी ज्यूरिख में होने वाले डाइमंड लीग फाइनल्स में जगह बनाएंगे। नीरज ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक के रूप में खेला था जहां उन्होंने 86.18 मीटर के प्रयास के साथ अपनी मेजबानी में हुआ टूर्नामेंट जीता था।

कुल मिलाकर नीरज ने मौजूदा सत्र में अब तक छह प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया जिसमें से चार में उन्होंने खिताब जीता जबकि दो में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा तोक्यो में 13 से 21 सितंबर तक होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे।

पिछले टी20 विश्वकप के बाद से ही टीम में आये कई बदलाव

–कई दिग्गज खिलाड़ी इस बाहर शामिल नहीं किये गये

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही भारतीय टीम में काफी बदलाव आया है। अब एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें काफी अंतर नजर आया है। टीम में रोहित शर्मा , विराट कोहली से सहित कई खिलाड़ी इस बार नहीं हैं। । भारतीय टीम टीम का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई ने यूएई में नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, इसके बावजूद कई बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। भारतीय टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व खिताब जीता था। रोहित की कप्तानी में भारतीयस टीम ने 17 साल बाद ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि चैंपियन बनने के साथ ही रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारतीय टीम टी20 प्रारूप में बड़े टूर्नामेंट में खेलने उतरेगी, ऐसे में दोनों टीमों की तुलना की जाए तो कई खिलाड़ी भारतीय दल में जगह नहीं बना पाए हैं।

टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में रोहित शर्मा कप्तान थे, जबकि हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाया गया था पर करीब एक साल बाद एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव कप्तान हैं और शुभमन गिल उपकप्तान बनाए गए हैं। बता दें शुभमन पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में थे।

पिछले टी20 विश्व कप और एशिया कप दल की तुलना की जाए, तो विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया है। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी स्क्वॉड में शामिल नहीं है। ऋषभ चोट के कारण टीम से बाहर हैं। जबकि सिराज को आराम दिया गया है। वहीं चहल को हटाया गया हैं, जबकि जायसवाल स्टैंबाय की सूची में हैं। टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने कुल पांच टी20 सीरीज खेली है, जिसमें चार में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की है। रोहित के संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान चुना गया था। हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में आराम दिए जाने के कारण शुभमन गिल ने टीम की कमान संभाली थी।

'संजू सैमसन की जगह खतरे में है': एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम चयन पर बोले अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि अगले महीने से शुरू होने वाले एशिया कप 2025 के लिए शुभमन गिल को टीम में शामिल किए जाने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन की प्लेइंग इलेवन में जगह 'थोड़ी खतरे में' है। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया की घोषणा मंगलवार को की गई, जिसमें सूर्यकुमार कप्तानी करेंगे और शुभमन गिल उप-कप्तान होंगे, जबकि कई बड़े नाम टीम में नहीं हैं। टीम की घोषणा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई जिसमें टी20 कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी शामिल थे।

यह प्रेस कॉन्फ्रेंस एक चयन बैठक के बाद आयोजित की गई थी, जिसमें भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया भी शामिल थे। अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'मुझे ओरों से भी ज्यादा दुख इस बात का होगा कि आपने उन्हें उप-कप्तान घोषित कर दिया है इसलिए संजू सैमसन की जगह थोड़ी खतरे में है। बात पक्की हो चुकी है। संजू नहीं खेलेंगे क्योंकि शुभमन गिल खेलेंगे। अगर आपको गिल को खिलाना है, तो

आपको उन्हें तीसरे नंबर पर खिलाना होगा, और संजू ओपनिंग करेंगे लेकिन ऐसा भी नहीं होने वाला है।'

सैमसन ने भी अच्छी वापसी की और अभिषेक के साथ भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में एक नया जीवन पाया। पिछले टी20 विश्व कप के बाद से उन्होंने 31 टी20 मैचों और 30 पारियों में 33.62 की औसत और 157.09 के स्ट्राइक रेट से 908 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

संजू सैमसन की जगह जितेश शर्मा को बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है जिन्होंने टीम इंडिया के लिए टी20आई ओपनर के रूप में लगातार तीन शतक लगाकर अपनी नई पहचान बनाई है। उन्होंने भारत के लिए आखिरी बार पिछले साल जनवरी में टी20आई खेला था जिसमें उन्होंने 9 मैचों की 7 पारियों में 14.28 की औसत से 100 रन बनाए थे।

इस साल की शुरुआत में जितेश ने केवल 33 गेंदों पर आठ चौकों और छह गगनचुंबी छक्कों की मदद से नाबाद 85 रनों की तूफानी पारी खेलकर ऋष्टक्क को इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में तीसरा सबसे बड़ा सफल रन चेज हासिल करने में मदद की थी जिसमें उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ आठ गेंद शेष रहते 228 रनों के मुश्किल लक्ष्य को हासिल किया था।

विकेटकीपर-बल्लेबाज की तारीफ करते हुए अश्विन ने कहा, 'मैं जितेश शर्मा के लिए बहुत खुश हूं, जितेश शर्मा ने अच्छी जगह हासिल की है। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए LSG के खिलाफ एक शानदार पारी खेली और उनके लिए अहम भूमिका निभाई। हमेशा याद रखें, भारत के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर कौन थे? एमएस धोनी और युवराज सिंह, कभी-कभी। फिर हार्दिक पांड्या रहे हैं, इसलिए फिनिशिंग कोई आसान काम नहीं है। आपको फिनिशिंग करने की ताकत होनी चाहिए।'

पूर्व ऑफ स्पिनर ने कहा, 'आपको अपनी इच्छानुसार चौके और छक्के लगाने की आदत होनी चाहिए। आपको हिसाब-किताब का राज अपने दिमाग में रखना होगा। आपको चतुर होना चाहिए और हिसाब-किताब करना आना चाहिए। इस लिहाज से जितेश शर्मा ने एक विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में बहुत मुश्किल परिस्थितियों में भूमिकाएं निभाई हैं। इसलिए मैं उनके लिए बहुत खुश हूं।'

भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मैच 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा। भारत अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 19 सितंबर को अबू धाबी में ओमान के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप चरण के बाद टूर्नामेंट सुपर 4 में प्रवेश करेगा, जहां प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वालीफाई करेंगी। यदि भारत ग्रुप ए में शीर्ष पर रहता है, तो उसके सभी सुपर 4 मैच दुबई में होंगे। यदि भारत दूसरे स्थान पर रहता है, तो उसके सुपर 4 मुकाबलों में से एक अबू धाबी में और बाकी दो दुबई में होंगे। सुपर 4 चरण 20 से 26 सितंबर तक चलेगा। दुबई में फाइनल होगा जो 28 सितंबर को है।

एडम जम्पा को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगी फटकार

दुबई ।ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एडम जम्पा को मंगलवार को केर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। जम्पा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते पाया गया, जो 'अंतररष्ट्रीय मैच के दौरान सुनाई देने वाली अश्लीलता के प्रयोग' से संबंधित है। इसके अलावा जम्पा के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था। यह घटना दक्षिण अफ्रीका की पारी के 37वें ओवर में हुई, जब जम्पा ने अपनी गेंद पर मिसफील्ड और ओवरथ्रो के बाद अनुचित भाषा का प्रयोग किया, जिसे स्टंप के माइक्रोफोन पर रिकॉर्ड किया गया और प्रसारित किया गया। जम्पा ने अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर क्रिस गैफनी और सैम नोगाज्स्की, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर डोनोवन कोच ने आरोप लगाए। स्तर 1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम दंड आधिकारिक फटकार, अधिकतम दंड खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

पाकिस्तान से मैच के सवाल पर बीसीसीआई मैंनेजर बोले, चयन से जुड़ा सवाल ही पूछें

मुम्बई ।एशिया के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के चयन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता के दौरान एक सवाल से चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर और भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव असहज हो गये। इस पत्रकार ने पूछा कि वर्तमान समय के तनावपूर्व माहौल में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच को खेलेगी या नहीं। ऐसे में अगरकर और सूर्यकुमार जवाब देते इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मीडिया मैनेजर ने कहा, 'रुकिए अभी आप चयन से जुड़ा हुआ कोई सवाल ही पूछ सकते हैं अन्य सवाल नहीं।' गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर प्रशंसकों का विरोध बढ़ता रहा है। कई लोग इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि जिस प्रकार पाक ने पहलगाल में आतंकी हमला कराया उसको देखते हुए पाक से कोई मैच नहीं खेलना चाहिये। संसद में भी यह मामला उठा है। कई सांसदों ने इस मैच को रद्द करने की मांग की है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय टीम ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसके तहत ही भारत ने पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी अड्डों पर हमले किये थे जिसमें कई आतंकी मारे गये थे। जिसके बाद पाक सेना ने भारत पर ड्रोन हमले किये थे जो भारतीय एयर डिफेंस ने नष्ट कर दिये थे। हाल ही में रिटायर्ड क्रिकेरों की लीग में भी इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से मैच का बहिष्कार किया का।

एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने बुधवार को आगामी हीरो पुरुष एशिया कप के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में 18 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त से सात सितंबर तक बिहार के हाल ही में विकसित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

FIH हॉकी विश्वकप बेल्जियम-नीदरलैंड 2026 के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट में भारत को जापान, चीन और कजाकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 29 अगस्त को चीन के खिलाफ करेगा, उसके बाद 31 अगस्त को जापान और एक सितंबर को कजाकिस्तान से भिड़ेगा।

इस टूर्नामेंट के लिए अनुभवी ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम की कप्तान करेंगे। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी

भरोसेमंद कृष्ण बी पाठक और सूरज करकेरा संभालेंगे। डिफेंस में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और अमित रोहिदास के साथ जरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय और जुगराज सिंह भी शामिल होंगे, जो रक्षात्मक पंक्ति को मजबूती प्रदान करेंगे।

मिडफील्ड में मनप्रीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल और हार्दिक सिंह शामिल हैं। आक्रमण की अगुवाई मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और दिलप्रीत सिंह करेंगे, जो विपक्षी डिफेंस को परेशान करने के लिए भरपूर क्षमता प्रदान करेंगे। इस बीच, नीलम संजीव जेस और सेल्वम कार्ति को वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में नामित किया गया है। टीम चयन को लेकर भारतीय पुरुष टीम के कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'हमने एक अनुभवी टीम चुनी है जो समझती है कि उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में कैसा प्रदर्शन करना होता है। एशिया कप हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है, इसलिए हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत थी जिनमें धैर्य, लचीलापन और प्रदर्शन करने का हुनर हो। यह चयन हमारी मंशा को दर्शाता है एक ऐसी टीम तैयार करना जो मजबूती से मुकाबला कर सके और हमारे मुख्य उद्देश्य को हासिल कर सके।'

पाकिस्तान की हॉकी टीम एशिया कप के लिए भारत नहीं आएगी, एशियाई हॉकी महासंघ ने की पुष्टि

नई दिल्ली - पाकिस्तान की हॉकी टीम बिहार के राजगीर में 29 अगस्त से शुरू होने वाले आगामी एशिया कप में भाग लेने के लिए भारत नहीं आएगी। एशियाई हॉकी महासंघ (।ास्र) ने मंगलवार को पुष्टि की है कि पाकिस्तान की हॉकी टीम आगामी एशिया कप 2025 में भाग लेने के लिए भारत नहीं आएगी। पाकिस्तान हॉकी महासंघ ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (FIH) और AHF दोनों को सूचित कर दिया था कि सुरक्षा चिंताओं के कारण उसे भारत में टीम भेजना मुश्किल होगा। 29 अगस्त से सात सितंबर तक चलने वाली इस महाद्वीपीय चैंपियनशिप के लिए पाकिस्तान की जगह बंगलादेश को चुना गया है। पाकिस्तान तीन बार एशिया कप हॉकी चैंपियन रहा है जिसने 1982 और 1989 के बीच खेले गए पहले तीन संस्करण जीते हैं। एशिया कप 2025 की चैंपियन टीम को नीदरलैंड और बेल्जियम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले 2026 एफआईएच हॉकी विश्वकप के लिए भी सीधा प्रवेश मिलेगा।

एमबाप्पे ने पेनल्टी को गोल में बदला, रियाल मैड्रिड को दिलाई जीत

मैड्रिड ।काइलियन एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड के साथ अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे उनकी टीम ने मंगलवार को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले मैच में ओसासुना पर 1-0 से जीत दर्ज की। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड से जुड़ने वाले एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर मेज़बान टीम को जीत दिलाई। एमबाप्पे ने इस तरह से रियाल मैड्रिड के साथ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने पिछले सत्र में क्लब की तरफ से सर्वाधिक गोल किए थे। रियाल मैड्रिड ने इस तरह से अपने चिर प्रतिद्वंदी बार्सिलोना की तरह नए सत्र की जीत से शुरुआत की। बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का पर 3-0 की आसान जीत दर्ज की थी। पिछले सत्र में रियाल मैड्रिड स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के बाद दूसरे स्थान पर रहा था। ओसासुना नौवें स्थान पर रहा था।

ऑनलाइन गेमिंग विधेयक : प्रस्तावित प्रतिबंध से क्रिकेट उद्योग को लग सकता है झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को पेश किए गए 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025' 'वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म' का अंत कर सकता है जिनकी भारतीय खेलों, विशेषकर क्रिकेट के प्रायोजन बाजार में हिस्सेदारी है। इस विधेयक का उद्देश्य तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक को विनियमित करना है जो देश के ई-स्पोर्ट्स जगत के लिए एक सुखद खबर है। लेकिन अरबों डॉलर के 'फैंटेसी गेमिंग' उद्योग के राजस्व में भारी गिरावट देखी जा सकती है जिसमें क्रिकेट के प्रायोजन में बड़ी रकम खर्च करने वाली कंपनियां शामिल हैं।

एक श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के रूप में यह खेल प्रायोजन बाजार को भी प्रभावित कर सकता है जिसमें व्यक्तिगत खिलाड़ियों का प्रायोजन और कबड्डी तथा फुटबॉल जैसे खेलों की फ्रैंचाइजी आधारित घरेलू लीग शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग विनियमन विधेयक में एक नियामक संस्था बनाने की बात है जो ई-स्पोर्ट्स, एजुकेशनल गेमिंग, सोशल और कैजुअल गेमिंग और पैसे के वास्तविक लेनदेन की गेमिंग चार विविध क्षेत्रों को देखेगी। दस्तावेज के अनुसार इनमें से 'ऑनलाइन मनी गेम्स' पर प्रतिबंध लगेगा।

'प्रतिबंध' अनुच्छेद के अनुसार : 'कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेम और ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा की पेशकश में सहायता, प्रोत्साहन, प्रेरित करने या अन्यथा इसमें शामिल नहीं होगा।' इसमें कहा गया, 'कोई भी बैंक, वित्तीय संस्थान, या वित्तीय लेनदेन या धन के प्राधिकरण की सुविधा देने वाला कोई अन्य व्यक्ति किसी भी ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवा के भुगतान के लिए धन के किसी भी लेनदेन या प्राधिकरण में संलग्न नहीं होगा, सहायता नहीं करेगा, प्रेरित नहीं करेगा या अन्यथा सुविधा नहीं देगा।'

सरकार स्पष्ट करती है कि वास्तविक धन वाले ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म से कई सामाजिक समस्याएं पैदा हो रही हैं और इसके लिए किसी प्रकार के नियमन की आवश्यकता है। क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है और भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है।

ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे। माई11 सर्कल ने आईपीएल फैंटेसी गेमिंग अधिकार पांच वर्षों के लिए 625 करोड़ रुपए (लगभग 125 करोड़ रुपये प्रति वर्ष) में खरीदे। इसके अलावा देश के शीर्ष क्रिकेटरों (पूर्व और वर्तमान) के विभिन्न वास्तविक धन वाले गेमिंग प्लेटफार्म के साथ भारी-भरकम व्यक्तिगत विज्ञापन करार हैं।

इस विषय की गहरी समझ रखने वाले जाने-माने खेल वकील विदुषपत सिंघानिया ने इसके परिणामों को संक्षेप में समझाया। उन्होंने कहा, 'भारत में क्रिकेट बहुत बड़ा है और भारतीय क्रिकेट और उसकी संपत्तियों के लिए प्रायोजकों की कोई कमी नहीं होगी। हालांकि इस विधेयक के कारण व्यक्तिगत प्रायोजन बाजार सिकुड़ सकता है।' सिंघानिया ने बताया, 'इसके अलावा प्रशंसकों की भागीदारी भी प्रभावित होगी।' हालांकि उन्होंने कहा कि फैंटेसी गेम्स अभी भी 'सब्सक्रिप्शन आधारित मॉडल' पर चल सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'एक 'सब्सक्रिप्शन' शुल्क होगा। मान लीजिए कि आप किसी गेमिंग ऐप के लिए 100 रुपए का भुगतान करते हैं और फैंटेसी गेमिंग में अपने कौशल को देखते हैं। लेकिन वास्तविक धन वाली गेमिंग इस विधेयक के अनुसार प्रतिबंधित है जिसमें पैसे देकर कमाई की जाती है।' इन सभी फैंटेसी गेमिंग ऐप का इतना विशाल राजस्व स्रोत प्रतिबंध के कारण निश्चित रूप से कम हो जाएगा और इसलिए खेल में वापस आने वाला पैसा भी काफी कम हो जाएगा। लेकिन ईस्पोर्ट्स बाजार के लिए यह खुशी की बात है।

ईस्पोर्ट्स ने 2023 में हांग्झोउ एशियाई खेलों में अपनी शुरुआत की और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति 2027 में रियाद में अपना पहला ईस्पोर्ट ओलंपिक आयोजित करेगी। इस पर अपने विचार साझा करते हुए 'नोडविन

गेमिंग' के सह संस्थापक और प्रबंध निदेशक अक्षत राठी कहते हैं, 'ईस्पोर्ट्स को मान्यता देने और बढ़ावा देने का सरकार का इरादा एक उत्साहजनक कदम है। हालांकि इस दृष्टिकोण को वास्तव में साकार करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विधेयक में प्रयुक्त शब्दावली विशेष रूप से ईस्पोर्ट्स, ऑनलाइन गेमिंग, ऑनलाइन सोशल गेमिंग और ऑनलाइन मनी गेमिंग के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाए और समान रूप से समझा जाए।'

दक्षिण अफ्रीका को लगा झटका, सुब्रायन की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई

केर्न्स ।दक्षिण अफ्रीका के ऑफ स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे के बाद संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई है। बुधवार को एक बयान में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने कहा कि केर्न्स में मैच अधिकारियों की रिपोर्ट में सुब्रायन के गेंदबाजी एक्शन की वैधता पर चिंता व्यक्त की गई है। आईसीसी ने कहा, 'सुब्रायन के गेंदबाजी एक्शन की वैधता का पता लगाने के लिए ᳚ष्टष्ट द्वारा मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र में उनके गेंदबाजी एक्शन का स्वतंत्र मूल्यांकन किया जाएगा।' सुब्रायन ने कैजलिस स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 50 ओवर के अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण किया जिसे दक्षिण अफ्रीका ने 98 रनों के विशाल अंतर से जीता। 31 वर्षीय सुब्रायन ने 10 ओवर फेंके और 46 रन देकर एक विकेट लिया और ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड का विकेट लिया जो क्रीज पर तेजी से दौड़ने की कोशिश में स्टंप आउट हो गए। सुब्रायन ने इसी साल बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लिए थे और दक्षिण अफ्रीका ने पारी और 236 रनों से जीत हासिल की थी। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि वे पहले से ही अपने तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा के बिना खेल रहे हैं, जो दाहिने टखने में सूजन के कारण तीन मैचों की श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

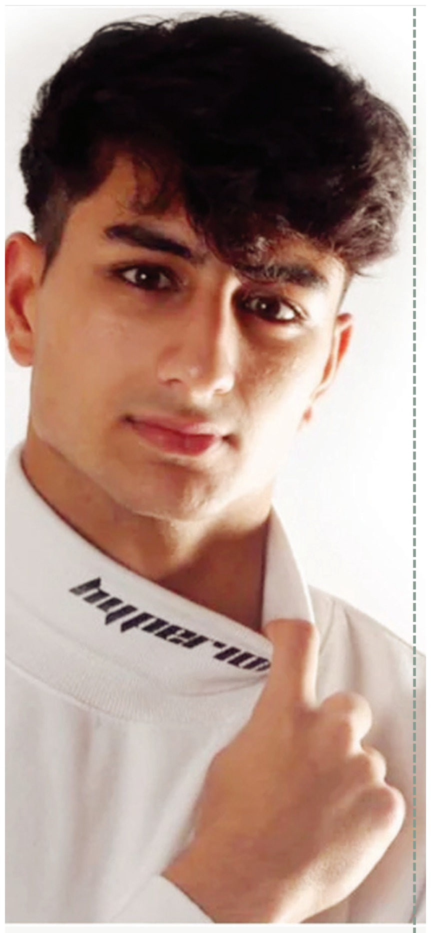

मैडॉक फिल्म्स के साथ काम कर रहे हैं इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान के बेटे और अभिनेता इब्राहिम अली खान इन दिनों बहुत व्यस्त चल रहे हैं। उनके पास कई प्रोजेक्ट हैं। हाल ही में उनकी फिल्म सरजमीं रिलीज हुई है। इसके बाद उन्होंने दिलेर पर काम करना शुरू किया है।

अभिनेता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। इसमें नजर आ रहा है कि वह रिकॉर्डिंग स्टूडियो में हैं। उन्होंने इन तस्वीरों के जरिए अपने फैंस को अपनी अगली फिल्म के बारे में अपडेट दी है। पोस्ट के मुताबिक दिलेर दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही है। इसका निर्देशन कुणाल देशमुख कर रहे हैं। उन्होंने जन्नत और तुम मिले जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

पूरी हो गई दिलेर की शूटिंग

खबरों के मुताबिक दिलेर की शूटिंग इसी साल जनवरी में पूरी हुई है। फिल्म की शूटिंग चंडीगढ़, मुंबई, लंदन और कई दूसरी जगहों पर हुई है। कुणाल देशमुख की पत्नी सोनाली ने फिल्म पूरी होने पर कई तस्वीरें साझा की थीं। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा दिलेर की शूटिंग पूरी हो गई। बहुत अच्छा सफर था।

श्रीलीला भी आएंगी नजर

फिल्म में इब्राहिम अली खान अहम किरदार में हैं। इसमें उनके साथ लीड रोल में साउथ की अभिनेत्री श्रीलीला हैं। फिल्म के बारे में बाकी जानकारी को गुप्त रखा गया है।

इब्राहिम अली खान का वर्कफ्रंट

इब्राहिम अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में कायोज ईरानी की फिल्म सरजमीं में नजर आए थे। इसमें उनके साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन ने अभिनय किया है। फिल्म में उन्होंने एक आर्मी अफसर के बेटे का किरदार निभाया है। उन्हें आतंकवादी किडनैप कर लेते हैं और कई वर्षों के बाद छोड़ते हैं।

कॉकटेल 2 में हुई कृति सेनन की एंट्री

बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'कॉकटेल' का सीक्वल आने वाला है। साल 2012 में रिलीज हुई इस फिल्म में जहां दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी की तिकड़ी देखने को मिली थी, वहीं अब 'कॉकटेल 2' में नए चेहरों के साथ एक ताज़ा तड़का लगने जा रहा है। इस बार फिल्म की कमान संभाली है निर्देशक होमी अदजानिया ने और सबसे बड़ी खबर ये है कि कृति सेनन इस बार फिल्म की लीड अभिनेत्री होंगी।

होमी अदजानिया ने किया कन्फर्म

हाल ही में निर्देशक होमी अदजानिया ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कृति सेनन की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने कॉकटेल 2 का हैशटैग यूज किया। इसके साथ ही उन्होंने वर्क इन प्रोग्रेस भी लिखकर इस बात का संकेत दिया कि फिल्म की तैयारियां अब जोरों पर हैं। इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, क्योंकि अभी तक फिल्म से जुड़ी कोई आधिकारिक कास्टिंग अनाउंसमेंट सामने नहीं आई थी। लेकिन अब कृति की फिल्म में एंट्री का ऐलान हो चुका है।

क्या होगी नई कॉकटेल की कहानी?

फिल्म की कहानी को लेकर काफी गोपनीयता बरती जा रही है। हालांकि सूत्रों की मानें तो इस फिल्म में मॉडर्न रिश्तों और आधुनिक प्यार की एक नई परत को उजागर किया जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म में कृति सेनन के साथ शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में होंगे। ये तिकड़ी पहले कभी साथ नहीं दिखी और ऐसे में इन तीनों की केमिस्ट्री दर्शकों के लिए एक नया अनुभव बन सकती है।

शूट से पहले ही रश्मिका ने भी बटोरी सुर्खियां

हाल ही में रश्मिका मंदाना ने भी निर्देशक होमी की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए अपनी एक मजेदार तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने लिखा वर्क इन प्रोग्रेस और चेहरा छिपा रखा था। यह संकेत था कि वो भी इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं, हालांकि उन्होंने इसे लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

फिर शाहिद और कृति की जोड़ी

कृति सेनन और शाहिद कपूर पहले 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में साथ नजर आ चुके हैं और अब इस नई फिल्म में एक बार फिर इनकी जोड़ी दर्शकों को देखने को मिलेगी। पिछली फिल्म में इनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को सराहा गया था, ऐसे में 'कॉकटेल 2' से भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है और इसकी पटकथा लिखी है लव रंजन ने। बताया जा रहा है कि फिल्म साल 2026 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृति के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

कृति के फैंस के लिए यह खबर किसी तोहफे से कम नहीं, क्योंकि वो पहले ही धनुष के साथ 'तेरे इश्क में' और रणवीर सिंह के साथ 'डॉन 3' जैसी बड़ी फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। अब 'कॉकटेल 2' उनकी फिल्मी लिस्ट में एक और दमदार नाम जोड़ता है।

झांसी की रानी का किरदार निभाकर मुझे एक नया जन्म मिला

भारतीय जनता पार्टी की सांसद और बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना ने शिरडी साईं बाबा के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने अपनी फिल्म मणिकर्णिका – द क्वीन ऑफ झांसी में झांसी की रानी का रोल निभाने को लेकर अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में झांसी की रानी का रोल निभाकर उन्हें एक नया जन्म मिला। वह झांसी की रानी फिल्म से पुनर्जीवित हुईं। फिल्म इंडस्ट्री ने जो मेरी इमेज खराब कर रखी थी, उसमें भी परिवर्तन आया। कंगना रनौत ने आगे कहा कि इस फिल्म के जरिए उन्हें देश और आजादी के संघर्ष के बारे में जानने को मिला। स्कूल में छोटे-छोटे बच्चे झांसी की रानी पर कार्यक्रम करते हैं और झांसी की रानी का किरदार निभाते हैं तो यह देखकर बहुत अच्छा लगता है। हमारी वीरांगनाओं पर और फिल्म बननी चाहिए।

निधि अग्रवाल ने रोमांचक फिल्म की घोषणा के साथ मनाया जन्मदिन

साउथ एक्ट्रेस निधि अग्रवाल ने अपनी कुछ ही फिल्मों से दर्शकों के बीच जबरदस्त लोकप्रियता हासिल कर ली है। उनके जन्मदिन पर द राजा साहब के निर्माताओं ने उनका कैरेक्टर पोस्टर जारी कर उन्हें जन्मदिन की खास बधाई दी है।

निर्माताओं ने निधि की खास तस्वीर इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की और कैप्शन में लिखा, उसकी आंखों में राज हैं, उसकी मौजूदगी सिहरन पैदा करती है, पर चेहरा अनदेखा रहता है! इस दशहरा पर, अंधेरे को नाम मिल गया है, उसके खुलासे का इंतजार है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्योति क्रिएशन्स ने अपनी पहली फिल्म में निधि को मुख्य भूमिका में लेने की घोषणा की है। इस फिल्म का नाम दशहरा के मौके पर बताया जाएगा। फिल्म के निर्माता पुप्पाला अप्पाला राजू हैं और इसे निखिल कार्तिक एन ने लिखा और निर्देशित किया है।

निधि अग्रवाल एक भारतीय अभिनेत्री और मॉडल हैं, जो तेलुगु, तमिल और हिंदी फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने 2017 में मुन्ना माइकल से बॉलीवुड में डेब्यू किया और इसके लिए जी सिने अवॉर्ड जीता। इसके बाद 2018 में तेलुगु फिल्म सव्यसाची और 2021 में तमिल फिल्म ईश्वरन से तेलुगु और तमिल सिनेमा में कदम रखा। निधि जल्द ही प्रभास की फिल्म द राजा साब में नजर आएंगी।

मिर्जापुर द फिल्म में जितेंद्र कुमार के साथ रवि किशन की भी हुई एंट्री

पॉप्युलर वेब सीरीज मिर्जापुर के चौथे सीजन का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बार रवि किशन और जितेंद्र कुमार भी कलाकारों के साथ जुड़ गए हैं, हालांकि उनके किरदार अभी तक गुप्त रखे गए हैं। मिर्जापुर द फिल्म, जिसका निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं, 2026 में रिलीज होने की उम्मीद है।

पॉप्युलर वेब सीरीज मिर्जापुर के अगले सीजन के लिए सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके अब तक तीन सीजन आ चुके हैं और चौथे सीजन को लेकर उत्सुकता बनी हुई है। जहां अली फजल और पंकज त्रिपाठी के किरदारों की धड़पकड़ दर्शकों को एक बार फिर से एंटरटेन करेगी। वहीं, इस बार रवि किशन और जितेंद्र कुमार भी उनका साथ देंगे। हालांकि उनका क्या रोल होगा, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मिर्जापुर द फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया है, जितेंद्र और रवि किशन फिल्म की कास्ट में शामिल हो गए हैं। फिल्म की मुहूर्त पूजा गुरुवार, 14 अगस्त को हुई और वो दोनों ही इसमें मौजूद थे। उनके किरदारों को फैंस के लिए एक बड़े सरप्राइज के तौर पर रखा जा रहा है। कलाकारों के लुक टेस्ट और रीडिंग सेशन शुरू हो चुके हैं और अगले कुछ दिनों तक जारी रहेंगे। जितेंद्र और रवि भी प्री-प्रोडक्शन के काम में शामिल हो गए हैं। फिल्म अगले महीने फ्लोर पर जाएगी।

पोर्टल ने जब रवि किशन से कॉन्टैक्ट किया तो उन्होंने इस बारे में बात करने से मना कर दिया और जितेंद्र की तरफ से भी कोइ रिएक्शन नहीं मिला। लेकिन पुरानी रिपोर्ट्स में बताया गया था कि जितेंद्र कुमार को विक्रांत मैसी की जगह कास्ट किया गया है और वह लीड रोल में दिखाई देंगे। और बबलू पंडित का रोल निभाएंगे। हालांकि मेकर्स ने कुछ कंफर्म नहीं किया है। 2024 में ही इसके चौथे सीजन की अनाउंसमेंट कर दी गई थी। अली फजल, पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु का एक वीडियो आया था, जिसमें उन्होंने ऐलान किया था।

मिर्जापुर द फिल्म की रिलीज डेट

पुनीत कृष्णा की प्रोड्यूस्ड और गुरमीत सिंह की डायरेक्टेड मिर्जापुर द फिल्म अगले साल 2026 में रिलीज होगी। अमेजन प्राइम वीडियो पर ये पूरे देशभर में देखी जा सकेगी। बताया जा रहा है कि श्वेता त्रिपाठी का इसमें कमबैक हो सकता है, जिनकी तीसरे सीजन में जान जाते हुए दिखाया गया था। साथ ही पंकज त्रिपाठी का वफादार नौकर भी बदला लेने के लिए लौटेगा।

मुझे देशभक्ति विरासत में मिली, मेरे दादा आजादी की लड़ाई में शहीद हो गए थे

फिल्मी खानदान से ताल्लुक रखने वाले फारूक कबीर के लिए इंडस्ट्री में अपनी जमीन तलाशना आसान नहीं था। अल्लाह के बंदे जैसी चर्चित फिल्म से निर्देशक बने फारूक कबीर अशोका और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी में सहायक निर्देशक भी रहे। उन्होंने अवॉर्ड विनिंग डॉक्यूमेंट्री अनहर्ड वॉइसेज ऑफ इंडिया भी बनाई। खुदा हाफिज वन और खुदा हाफिज टू के बाद वह इन दिनों ओटीटी की नई सीरीज सलाकार के कारण चर्चा में हैं।

बचपन से ही फिल्मी माहौल में पले-बढ़े फारूक कबीर अपनी पृष्ठभूमि के बारे में कहते हैं, मैं अपने करियर और जीवन में अपनी मम्मी से काफी प्रभावित रहा हूं। मेरी मम्मी सबीहा कॉस्ट्यूम डिजाइनर हुआ करती थीं लंबे समय तक। शर्मिला टैगोर, पद्मिनी कोल्हापुरे, मीनाक्षी शेषाद्रि, फरहा, तब्बू, नीलम, माधुरी दीक्षित और किमी काटकर जैसी कई एक्ट्रेसेस के लिए वह कॉस्ट्यूम डिजाइन किया करती थीं। मुझे लगा कि मेरी मां अगर इतने साल तक मेहनत करके हमें पाल-पोसकर किसी काबिल बनाती हैं, तो फिर मुझे तो उनके नाम को रोशन करना ही है। यही वजह थी, जो मैंने भी फिल्मी दुनिया को चुना।

फिर भी दिल है हिंदुस्तानी, अशोका और प्यार इश्क और मोहब्बत जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक रहे फारूक कबीर, उस दौर के अपने अनुभव के बारे में कहते हैं, शाहरुख (खान) भाई से मैंने विनम्रता और कड़ी मेहनत करना सीखी। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे अजीज मिर्जा और संतोष सिवान जैसे फिल्मकारों की सोहबत मिली, जिनसे मैंने बहुत कुछ सीखा। उस वक्त मैं मात्र 18 साल का था। इन फिल्मकारों से मैंने सीखा कि राइटिंग और स्टोरी टेलिंग बहुत जरूरी होती है। इंडिपेंडेंट निर्देशक बनने का सफर काफी मुश्किल रहा सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुके फारूक ने अमेरिका जाकर राइटिंग का डिप्लोमा भी लिया। वह अपने सफर के बारे में कहते हैं, असिस्टेंट डायरेक्टर से इंडिपेंडेंट डायरेक्टर बनने का मेरा सफर आसान नहीं था। मैंने काफी संघर्ष किया, मेरी स्क्रिप्ट को कई बार नकारा गया, मगर मैंने कभी ये नहीं सोचा कि मेरी क्षमता में कोई कमी है। पूरे दस साल बाद आई मेरी खुदा हाफिज और उसके बाद खुदा हाफिज 2...अब हाल ही सीरीज सलाकार आई है, जिसकी कहानी को संजीदगी से कहना जरूरी था। मैंने 6 महीने तक ये स्क्रिप्ट लिखी। ये सीरीज लिखना इसलिए चुनौतीपूर्ण था कि ये एक पीरियड ड्रामा है और 1978 का माहौल दर्शाना आसान नहीं था। हमने इसमें दो टाइमलाइन रखी हैं। एक आज की और एक तब की।

भारत-पाकिस्ताने के मुद्दे पर क्यों होती हैं ज्यादातर भारतीय फिल्में?

मगर हमारी ज्यादातर फिल्में इंडिया-पाकिस्तान के मुद्दे के इर्दगिर्द ही क्यों होती हैं? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, हमारी ये फिल्म इंडिया-पाकिस्तान के बीच हुई सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं, इसमें हमने दो देशों के मुद्दे को जबरन नहीं डाला। ये एक सच्चे जासूस की कहानी है, जहां 1978 के जमाने में देश के लिए लड़ा था। ये भारत के अनसंग हीरोज की कहानी है।

देशभक्ति का पाठ घर में पढ़ाया गया है

फारूक कबीर की फिल्मोग्राफी पर अगर नजर डाली जाए, तो उनका देश भक्ति से ओतप्रोत फिल्मों की ओर ज्यादा झुकाव रहता है। उनकी पिछली फिल्में खुदा हाफिज और खुदा हाफिज 2 भी उसी तर्ज पर थीं और अब सलाकार भी एक देशभक्ति से लबरेज़ स्पाई ड्रामा है। वह कहते हैं, मैं अपनी जमीन को बहुत अच्छे ढंग से जानता हूं। एक जमाने में मैंने एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई थी, जिसमें मैं बाई रोड 27,000 किलोमीटर पूरा इंडिया घूमा था और उसी के बाद मैं अपने देश की मिट्टी ही नहीं, इसके पहलुओं और लोगों को भी बहुत करीब से जान पाया। मेरी उस डॉक्यूमेंट्री फिल्म का नाम था, अन्हर्ड वॉइसेज ऑफ इंडिया मैंने पाया कि देशभक्ति इंडिया-पाकिस्तान के मैच से कहीं बहुत ज्यादा ऊंची और परे है।

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

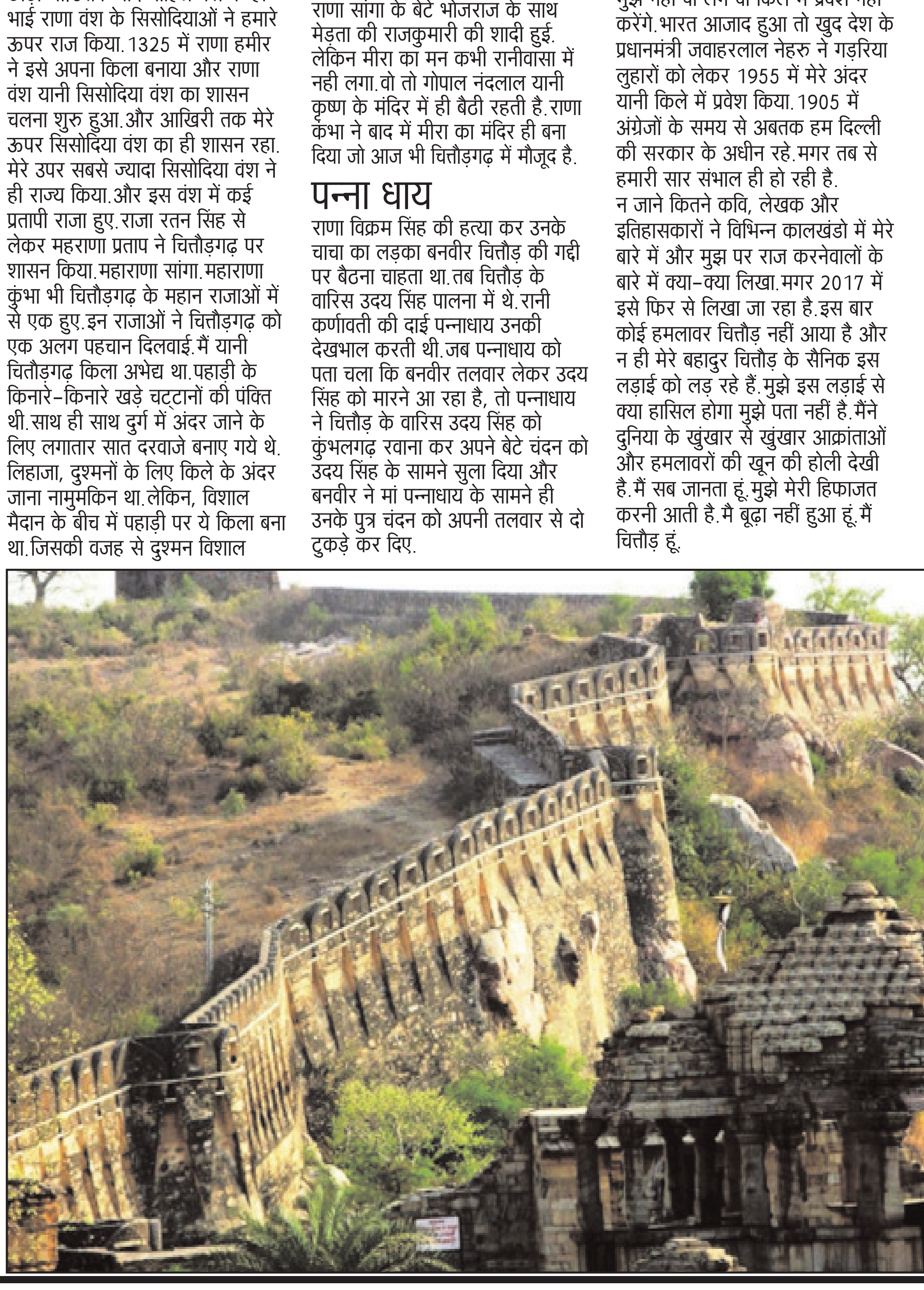

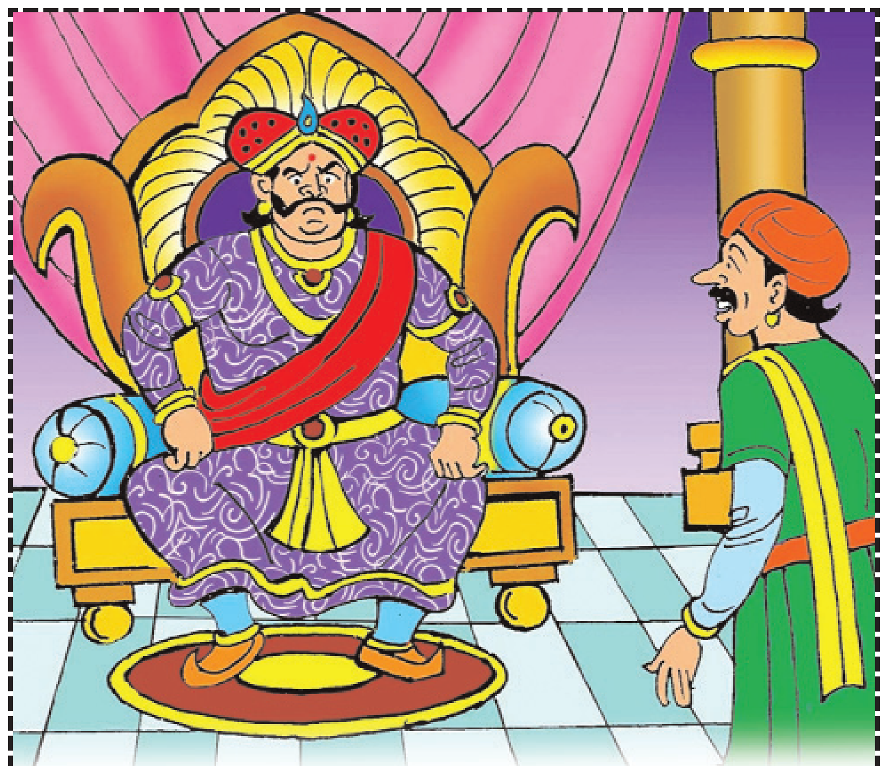

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे c प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.